हिंदी

सत्र 2026–27

कक्षा 2

DIKSHA एप कैसे डाउनलोड करें?

विकल्प 1 : अपने मोबाइल ब्राउज़र पर diksha.gov.in/app टाइप करें।

विकल्प 2 : Google Play Store में DIKSHA NCTE ढूंढ़े एवं डाउनलोड बटन पर tap करें।

DIKSHA

मोबाइल पर QR कोड का उपयोग कर डिजिटल विषय वस्तु कैसे प्राप्त करें ?

DIKSHA App को लॉच करे → **App** की समस्त अनुमति को स्वीकार करें → उपयोगकर्ता **Profile** का चयन करें।

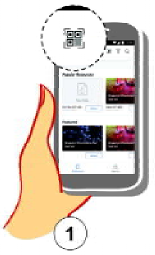

1 पाठ्यपुस्तक में QR Code को Scan करने के लिए मोबाइल में QR Code tap करें।

2 मोबाईल को QR Code पर केन्द्रित करें।

3 सफल Scan के पश्चात् QR Code से लिंक की गई सूची उपलब्ध होगी।

डेस्कटॉप पर QR Code का उपयोग कर डिजिटल विषय–वस्तु तक कैसे पहुँचे ?

1 QR Code के नीचे 6 अंक का Alpha Numeric Code दिया गया है।

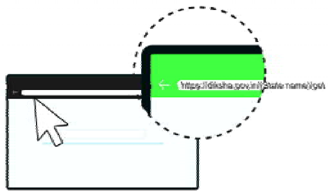

2 ब्राउज़र में diksha. gov.in/cg टाईप करें।

3 सर्च बार पर 6 डिजिट का QR CODE टाईप करें।

4 प्राप्त विषय–वस्तु की सूची से चाही गई विषय–वस्तु पर क्लिक करें।

राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् छत्तीसगढ़, रायपुर

यह पाठ्यपुस्तक शासकीय संपत्ति है। इसका क्रय–विक्रय अवैधानिक है।

निःशुल्क वितरण हेतु

प्रकाशन वर्ष – 2026

मार्गदर्शक

संचालक

एस.सी.ई.आर.टी.छ.ग.,रायपुर

3IQQFS

सहयोग

प्रो. रमाकांत अग्निहोत्री (दिल्ली विश्वविद्यालय),
डॉ. हृदयकांत दीवान (विद्या भवन, उदयपुर)
श्री रोहित धनकर (दिगंतर, जयपुर)

संयोजक

व्ही.के.तिवारी, कौस्तुभ चटर्जी, डॉ.डी.के.बोदले

सम्पादक मण्डल

श्री राजेन्द्र पाण्डेय, स्व.डॉ.सी.एल.मिश्रा, डॉ. विद्यावती चन्द्राकर, श्रीमती विद्या डांगे

संपादन सहयोग

दानीराम वर्मा (से.नि.प्राचार्य), डॉ. आर.एस. चौहान (से.नि. प्राचार्य),
बी.आर. साहू (पूर्व फैकल्टी एस.सी.ई.आर.टी. भाषाविद्)

समन्वयक

नरेन्द्र कुमार जांगड़े

लेखक दल

राजेन्द्र पाण्डेय, सुधा खरे, अनूप नाथ योगी, सच्चिदानंद शास्त्री, दुर्गेश वैष्णव, छलिया वैष्णव, शोभा शंकर नागदा, रमेश शर्मा,दिनेश गौतम, विनय शरण सिंह, डॉ. राजेश शर्मा, रीता श्रीवास्तव, द्रोण साहू, पुष्पा शुक्ला, राजपाल कौर, लक्ष्मी सोनी, श्रीदेवी, मनोज चंद्राकर, मनोज साहू, खोजन दास डिडौरी कविता कोरी, भोला राम सिन्हा, डॉ.दिनदयाल यादव, खेमिन साहु

सहयोग

डॉ.डी.के.बोदले, श्री विनय शरण सिंह, श्री पोखन लाल जायसवाल

चित्रांकन

राजेन्द्र सिंह ठाकुर, रेखराज चौरागड़े, सुश्री अनीता वर्मा, मो. इकराम, श्री राजेश सेन

आवरण एवं ले आउट डिजाइनिंग

रेखराज चौरागड़े, हिमांशु वर्मा

प्रकाशक

राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् छत्तीसगढ़, रायपुर

मुद्रक

छत्तीसगढ़ पाठ्यपुस्तक निगम, रायपुर (छ.ग.)

मुद्रणालय

मुद्रित पुस्तकों की संख्या – ....

राज्य शिक्षा स्थायी समिति

1.	श्री आलोक चक्रवाल कुलपति गुरु घासीदास केन्द्रीय विश्वविद्यालय, बिलासपुर	अध्यक्ष
2.	संचालक राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् छत्तीसगढ़, रायपुर	सदस्य सचिव
3.	संचालक लोक शिक्षण संचालनालय, छत्तीसगढ़	सदस्य
4.	मिशन संचालक समग्र शिक्षा, रायपुर छत्तीसगढ़	सदस्य
5.	डॉ. वासुदेव साहसी सहायक प्राध्यापक शास. जे. योगानंदम, छ.ग. महाविद्यालय, रायपुर	सदस्य
6.	डॉ. सुभाष चन्द्राकर प्राध्या., दुर्गा महाविद्यालय, रायपुर	सदस्य
7.	श्री मनीष देवांगन वि.खं. शिक्षा अधिकारी, कार्या. धरसींवा, जिला – रायपुर	सदस्य
8.	श्री नरेन्द्र सिंह राजपूत सहा. शिक्षक, प्राथ. विद्या. सिवनी खुर्द (बोडला), जिला–कबीरधाम	सदस्य
9.	श्री मनोज सिंह शा. शिक्षा महाविद्यालय, बिलासपुर	सदस्य
10.	श्री दिलीप केसरवानी पूर्व प्राचार्य, कबीर नगर, रायपुर	सदस्य

आमुख

छत्तीसगढ़ राज्य के गठन के साथ ही यह आवश्यक हो गया था कि नवगठित राज्य के संदर्भ में शिक्षा के सरोकारों का पुनः निर्धारण किया जाए। आवश्यकता अनुसार पाठ्यचर्या, पाठ्यक्रम एवं पाठ्यपुस्तकों का नवीनीकरण किया जाए। प्रदेश की इसी आवश्यकता को ध्यान में रखकर सत्र 2003–04 में नई शिक्षा योजना के साथ नई पाठ्यपुस्तकों के सृजन का कार्य प्रारम्भ किया गया।

पाठ्यपुस्तक के विकास में बच्चों की अभिरुचियों को ध्यान में रखकर सीखने की गतिविधियों का सृजन एवं एन.सी.ई.आर.टी. की हिंदी पुस्तिका रिमझिम–2 के कुछ पाठों का चयन किया गया है। विद्यालयों की परिस्थितियों व सीखने के सिद्धांतों को ध्यान में रखते हुए समूह अधिगम एवं स्व अधिगम पर बल देने का प्रयास किया गया है। इसके साथ ही पर्यावरणीय संचेतना, लिंग संचेतना आदि पहलुओं को ध्यान में रखकर पाठ्यपुस्तक संयोजित की गई है। पाठों में दी गई पाठ्यसामग्री एवं अभ्यास कार्य, भाषा शिक्षण की नवीन अवधारणाओं एवं लर्निंग आउटकम्स पर आधारित हैं। हम आशा करते हैं कि शिक्षक इस पाठ्यपुस्तक का प्रभावी ढंग से उपयोग कर सकेंगे।

अध्ययन–अध्यापन की प्रक्रिया रोचक और संपूर्ण कैसे बने इस पर सतत् प्रयास हो रहे हैं। यह पुस्तक भी इसी दिशा में एक कदम है।

इस पुस्तक की रचना शिक्षण के प्रति वैकल्पिक दृष्टिकोण उत्पन्न करने के उद्देश्य को सामने रखकर की गई है। इस पुस्तक में, आसपास होने वाली सहज क्रियाओं में भी भाषा के गणित के रूप को देखा जाएगा। इन क्रियाओं को रोचक गतिविधियों के साथ स्वयं करते हुए जब बच्चे आगे बढ़ेंगे तो अवश्य ही उनका आत्मविश्वास बढ़ेगा।

इस पुस्तक में हर अवधारणा की शुरूआत संदर्भ से की गई है। बच्चे पहले से जितना जानते हैं उसका उपयोग उनके सीखने में हो, और वे अपने अनुभवों में कुछ नया जोड़ते चलें, फिर नई परिस्थितियों में उसका प्रयोग करें और धीरे–धीरे सीखते चलें, सीखने की इस प्रक्रिया को इस पुस्तक का आधार बनाया गया है। कक्षा 1 में यह अपेक्षा है कि कक्षा में बच्चे की भाषा का उपयोग हो, जिससे उसे अवधारणाओं को अपने भाषायी ढाँचे के साथ जोड़ने का अवसर मिले।

स्कूल शिक्षा विभाग एवं राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्, छ.ग. द्वारा शिक्षकों एवं विद्यार्थियों में दक्षता संवर्धन हेतु अतिरिक्त पाठ्य संसाधन उपलब्ध कराने की दृष्टि से Energized Text Books एक अभिनव प्रयास है, जिसे ऑन लाईन एवं ऑफ लाईन (डाउनलोड करने के उपरांत) उपयोग किया जा सकता है। ETBs का प्रमुख उद्देश्य पाठ्यवस्तु के अतिरिक्त ऑडियो–वीडियो, एनीमेशन फॉरमेट में अधिगम सामग्री, संबंधित अभ्यास, प्रश्न एवं शिक्षकों के लिए संदर्भ सामग्री प्रदान करना है।

इस पुस्तक को तैयार करते समय शिक्षकों, शिक्षक–प्रशिक्षकों तथा शिक्षा क्षेत्र से सक्रिय रूप से जुड़े अनेक विद्वानों का सहयोग एवं मार्गदर्शन प्राप्त हुआ है। फिर भी सुधार करने और नया जोड़ने की संभावनाएँ तो हमेशा ही रहेंगी। इसलिए यह पुस्तक जिनके भी हाथ में है उनसे अनुरोध है कि इसे बच्चों के लिए और बेहतर बनाने के लिए अपने महत्त्वपूर्ण सुझाव परिषद् को अवश्य भेजें।

संचालक

राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्

छत्तीसगढ़, रायपुर

शिक्षकों से कुछ बातें

कक्षा पहली की पुस्तक को पढ़ाते समय आपने देखा होगा कि भाषा–शिक्षण का उद्देश्य बच्चों को सिर्फ लिपि सिखाना नहीं है। आपने यह भी जाना होगा कि भाषा बच्चे के लिए बातचीत का माध्यम ही नहीं है वरन् उसके सोच को आगे बढ़ाने व पुख्ता बनाने का आधार भी है। भाषा के विविध उपयोगों से बच्चों की तर्क समझने व तर्क रचने की क्षमता तो बढ़ती है ही पर इसके साथ–साथ उनकी दृष्टि भी ज्यादा पैनी होती है। वह ज्यादा पहलुओं को ध्यान में रख सकते हैं और ज्यादा विस्तृत विवरण प्रस्तुत कर सकते हैं। कक्षा–1 में प्रस्तुत सभी तरीकों को जारी रखें व बच्चों को आत्मविश्वास प्राप्त करने के अधिक–से–अधिक मौके दें।

कक्षा–2 में हिंदी भाषा सिखाने की प्रमुख आवश्यकताएँ, जिन पर ज़ोर दिया जाना है नीचे दी गई हैं–

- हिंदी में विविध कविताओं, कहानियों व विवरण को पढ़कर समझने की शुरुआत करना।
- कविता व कहानी को हाव–भाव अथवा उतार–चढ़ाव के साथ सुनाने का अभ्यास करना।
- नए शब्दों के संदर्भ से अर्थ सीखने का प्रयास।
- अपने आस–पास के जीवन को पाठ की सामग्री के साथ जोड़ना व उनमें तुलना करना।
- दिए गए निर्देश को समझना व धीरे–धीरे कुछ बड़े निर्देशों को समझकर उपयोग कर पाना।
- कविता, कहानी, नाटक आदि को बच्चे खुशी–खुशी पढ़ना चाहें व नई किताबों की तलाश करें। इसके लिए इस सामग्री को पढ़ने व समझने में निहित आनंद को वे महसूस करें।
- बच्चे हिंदी और अपनी बोली में चर्चा करें व एक भाषा में कही जाने वाली बात को दूसरी भाषा में प्रस्तुत करें।
- बच्चों की, लिपि पढ़ने की क्षमता को आगे बढ़ाकर और वर्णों की पहचान के संदर्भ में उनके आत्मविश्वास को बढ़ाना।
- पढ़ना सिखाने के प्रयास को जारी रखने के साथ–साथ कक्षा दो में लिखने को आगे बढ़ाना।
- यह अपेक्षा है कि बच्चे पाठ को पढ़कर नहीं तो कम–से–कम सुनकर अपने ढंग से समझने का प्रयास करेंगे। शिक्षक पाठ का विश्लेषण कर उसे पूरी तरह से समझा दें व बच्चे उसे याद कर लें यह भाषा सिखाने का उद्देश्य नहीं है।
- लिखने की क्षमता केवल अक्षर बनाने, शब्दों, वाक्यों अथवा वाक्यों की नकल करने तक नहीं है। यह तो सिर्फ लिख पाने की पहली सीढ़ी हो सकती है।
- अपने विचार, अपने मत, अपने उत्तर, अपने अनुभव बच्चे लिखें यह प्रयास शुरू होना है।
- लिख पाने के लिए अभिव्यक्ति की क्षमता, खुलापन व आत्मविश्वास तीनों ही बुनियादी जरूरतें हैं। इसके साथ ही कहीं पेंसिल पकड़ना, चलाना व अक्षर बना पाना भी शामिल हैं।

प्रत्येक पाठ में विभिन्न भाषाओं की शब्दावलियों का उल्लेख है। संबंधित शिक्षक अपने क्षेत्र विशेष की भाषा का सहयोग लें।

विषय–सूची

	वर्णमाला	i - vii
1.	तितली और कली	1 – 5
2.	गुड़िया रानी की शादी	6 – 8
3.	कौन बोला म्याऊँ	9 – 12
4.	भालू ने खेली फुटबॉल	13 – 18
5.	चालाक चीकू	19 – 21
6.	चींटी और हाथी	22 – 27
7.	एकता का बल	28 – 32
8.	कौन ?	33 – 36
9.	मिट्टी	37 – 39
10.	बहुत हुआ	40 – 42
11.	मड़ई–मेला	43 – 47
12.	ऊँट चला	48 – 50
13.	आई एक खबर	51 – 54
14.	चूहे को मिली पेंसिल	55 – 59
15.	धूप	60 – 62
16.	छोटे–छोटे कदम	63 – 65
17.	चित्रकोट जलप्रपात	66 – 69
18.	क्या है उसका नाम ?	70 – 74
19.	साहसी बनो	75 – 78
20.	परिशिष्ट	79 – 98

सीखने के प्रतिफल

सीखने–सिखाने की प्रक्रिया

सभी शिक्षार्थियों (भिन्न रूप से सक्षम बच्चों सहित) को व्यक्तिगत, सामूहिक रूप से कार्य करने के अवसर और प्रोत्साहन दिया जाए ताकि उन्हें :–

- अपनी भाषा में अपनी बात कहने, बातचीत करने की भरपूर आज़ादी और अवसर हों।
- हिंदी में सुनी गई बात, कविता, कहानी आदि को अपने तरीके और अपनी भाषा में कहने–सुनाने/प्रश्न पूछने एवं अपनी बात जोड़ने के अवसर उपलब्ध हों।
- बच्चों द्वारा अपनी भाषा में कही गई बातों को हिंदी भाषा और अन्य भाषाओं (जो भाषाएँ कक्षा में मौजूद हैं या जिन भाषाओं के बच्चे कक्षा में हैं) में दोहराने के अवसर उपलब्ध हों। इससे भाषाओं को कक्षा में समुचित स्थान मिल सकेगा और उनका शब्द–भंडार, अभिव्यक्तियों का भी विकास करने के अवसर मिल सकेंगे।
- 'पढ़ने का कोना' में स्तरानुसार विभिन्न प्रकार की और विभिन्न भाषाओं (बच्चों की अपनी भाषा/एँ, हिंदी आदि) में रोचक सामग्री; जैसे – बाल साहित्य, बाल पत्रिकाएँ, पोस्टर, ऑडियो–विडियो सामग्री उपलब्ध हों।
- चित्रों के आधार पर अनुमान लगाकर कर तरह–तरह की कहानियों, कविताओं को पढ़ने के अवसर उपलब्ध हों।

सीखने की संप्राप्ति (Learning Outcomes)

बच्चे –

LH201. विविध उद्देश्यों के लिए अपनी भाषा अथवा/और स्कूल की भाषा का इस्तेमाल करते हुए बातचीत करते हैं, जैसे– जानकारी पाने के लिए प्रश्न पूछना, निजी अनुभवों को साझा करना, अपना तर्क देना आदि।

LH202. कही जा रही बात, कहानी, कविता आदि को ध्यान से सुनकर अपनी भाषा में बताते/ सुनाते हैं।

LH203. देखी, सुनी बातों, कहानी, कविता आदि के बारे में बातचीत करते हैं और अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हैं।

LH204. अपनी निजी ज़िंदगी और परिवेश पर आधारित अनुभवों को सुनायी जा रही सामग्री; जैसे – कविता, कहानी, पोस्टर, विज्ञापन आदि से जोड़ते हुए बातचीत में शामिल करते हैं।

LH205. भाषा में निहित शब्दों और ध्वनियों के साथ खेल का मज़ा लेते हुए लय और तुक वाले शब्द बनाते हैं; जैसे – एक था पहाड़, उसका भाई था दहाड़, दोनों गए खेलने . ... ।

LH206. अपनी कल्पना से कहानी, कविता आदि कहते/सुनाते हैं/आगे बढ़ाते हैं।

LH207. अपने स्तर और पसन्द के अनुसार कहानी, कविता, चित्र पोस्टर आदि आनंद के साथ पढ़कर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हैं/प्रश्न पूछते हैं।

LH208. चित्र के सूक्ष्म और प्रत्यक्ष पहलुओं पर बारीक अवलोकन करते हैं।

LH209. चित्र में या क्रमवार सजाए चित्रों में घट रहीं अलग–अलग घटनाओं, गतिविधियों

- विभिन्न उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुए पढ़ने के विभिन्न आयामों को कक्षा में उचित स्थान देने के अवसर उपलब्ध हों, जैसे – किसी कहानी में किसी जानकारी को खोजना, कहानी में घटी विभिन्न घटनाओं के क्रम को तय करना, किसी घटना के होने के लिए तर्क दे पाना, पात्र के संबंध में अपनी पसंद या नापसंद के बारे में बता पाना आदि।

- कहानी, कविता आदि को बोलकर, पढ़कर सुनाने के अवसर हों और उस पर बातचीत करने के अवसर हों।

- सुनी, देखी, पढ़ी बातों को अपने तरीके से कागज़ पर उतारने के अवसर हों। ये चित्र भी हो सकते हैं, शब्द भी और वाक्य भी।

- बच्चे अक्षरों की आकृति को बनाने में अपेक्षाकृत सुघड़ता का प्रदर्शन करते हैं। इसे कक्षा में प्रोत्साहित किया जाए।

- बच्चों द्वारा अपनी वर्तनी गढ़ने की प्रवृत्ति को भाषा सीखने की प्रक्रिया का हिस्सा समझा जाए।

- संदर्भ और उद्देश्य के अनुसार उपयुक्त शब्दों और वाक्यों का चयन करने, उनकी संरचना करने के अवसर उपलब्ध हों।

और पात्रों को एक संदर्भ या कहानी के सूत्र में देखकर समझते हैं और सराहना करते हैं।

LH210. परिचित/अपरिचित लिखित सामग्री में रूचि दिखाते हैं और अर्थ की खोज में विविध प्रकार की युक्तियों का इस्तेमाल करते हैं; जैसे – चित्रों और प्रिंट की मदद से अनुमान लगाना, अक्षर–ध्वनि संबंध का इस्तेमाल करना, शब्दों को पहचानना, पूर्व अनुभवों और जानकारी का इस्तेमाल करते हुए अनुमान लगाना।

LH211. प्रिंट (लिखा या छपा हुआ) में मौजूद अक्षर, शब्द और वाक्य की इकाइयों की अवधारणा को समझते हैं, जैसे – 'मेरा नाम विमला है।' बताओ, इस वाक्य में कितने शब्द हैं? 'नाम' शब्द में कितने अक्षर हैं या 'नाम' शब्द में कौन–कौन से अक्षर हैं?

LH212. हिंदी के वर्णमाला के अक्षरों की आकृति और ध्वनि को पहचानते हैं।

LH213. स्कूल के बाहर और स्कूल के भीतर (पुस्तक कोना/पुस्तकालय से) अपनी पसंद की किताबों को स्वयं चुनकर पढ़ने का प्रयास करते हैं।

LH214. स्वेच्छा से या शिक्षक द्वारा तय गतिविधि के अंतर्गत चित्रों, आड़ी–तिरछी रेखाओं (कीरम–काटे), अक्षर आकृतियों से आगे बढ़ते हुए स्व–वर्तनी का उपयोग और स्व–नियत्रित लेखन (कनवैंनशनल राइटिंग) करते हैं।

LH215. सुनी हुई और अपने मन की बातों को अपने तरीके से और तरह–तरह से चित्रों/शब्दों/वाक्यों द्वारा (लिखित रूप से) अभिव्यक्त करते हैं।

LH216. अपनी निजी ज़िंदगी और परिवेश पर आधारित अनुभवों को अपने लेखन में शामिल करते हैं।

LH217. अपनी कल्पना से कहानी, कविता आदि आगे बढ़ाते हैं।

विषय–सूची (Contents)

अध्याय	पाठ का नाम	सीखने के प्रतिफल
	वर्णमाला	**LH211, LH212**
1.	तितली और कली	**LH201, LH202, LH203, LH204, LH205, LH210, LH211, LH212, LH213, LH215, LH216**
2.	गुड़िया रानी की शादी	**LH201, LH202, LH203, LH204, LH206, LH207, LH208, LH209, LH211, LH212, LH214, LH215, LH216, LH217**
3.	कौन बोला म्याऊँ	**LH201, LH202, LH203, LH204, LH206, LH207, LH208, LH209, LH211, LH212, LH214, LH215, LH216, LH217**
4.	भालू ने खेली फुटबाल	**LH201, LH202, LH203, LH204, LH206, LH207, LH208, LH209, LH211, LH212, LH214, LH215, LH216, LH217**
5.	चालाक चीकू	**LH201, LH202, LH203, LH204, LH205, LH210, LH211, LH212, LH213, LH215, LH216**
6.	चींटी और हाथी	**LH201, LH202, LH203, LH204, LH206, LH209, LH214, LH215, LH216, LH217**
7.	एकता का बल	**LH201, LH202, LH203, LH204, LH206, LH209, LH214, LH215, LH216, LH217**
8.	कौन?	**LH202, LH203, LH204, LH206, LH211, LH215, LH216, LH217**
9.	मिट्टी	**LH201, LH202, LH203, LH204, LH205, LH206, LH207, LH208, LH209, LH210, LH213, LH215, LH216**
10.	बहुत हुआ	**LH202, LH203, LH204, LH208, LH209, LH212, LH213, LH216, LH217**
11.	मड़ई–मेला	**LH202, LH204, LH206, LH215, LH216, LH217**
12.	ऊँट चला	**LH201, LH202, LH203, LH204, LH211, LH212,LH215, LH216, LH217**
13.	आई एक खबर	**LH201, LH202, LH203, LH205, LH207, LH208, LH209, LH212, LH213, LH216, LH217**
14.	चूहे को मिली पेंसिल	**LH201, LH202, LH203, LH204, LH205, LH210, LH211, LH212, LH213, LH215, LH216**
15.	धूप	**LH202, LH203, LH204, LH206, LH215, LH216, LH217**
16.	छोटे–छोटे कदम	**LH202, LH203, LH204, LH206, LH211, LH215, LH216, LH217**
17.	चित्रकोट जलप्रपात	**LH202, LH203, LH204, LH206, LH215, LH216, LH217**
18.	क्या है उसका नाम?	**LH201, LH202, LH204, LH207, LH210, LH211, LH212, LH215, LH216, LH217**
19.	साहसी बनो	**LH201, LH202, LH203, LH204, LH206, LH206, LH215, LH216**

उदाहराणार्थ रूब्रिक्स

Chapter अध्याय	Sub-Topics उप-विषय	Level -1 स्तर-1	Level -2 स्तर-2	Level -3 स्तर-3	Level -4 स्तर-4
After the lesson, students will be able to : **पाठ के बाद विद्यार्थी कर सकेंगे :**		Remember, Recall, List, Locate, Label, Recite **याद करना, स्मरण करना, सूचीबद्ध करना, खोजना लेबल करना, वर्णन करना**	Understand, explain, Illustrate, summaries, match **समझना, व्याख्या करना, संक्षेप में लिखना, उदाहरण देना, मेल करना**	apply, organize, use, solve, prove, draw **प्रयोग करना, व्यवस्थित करना, उपयोग करना, हल करना, साबित करना, चित्रण करना**	evaluate, hypothesis, analyses, compare, create, categories **मूल्यांकन करना, परिकल्पना करना, विश्लेषण करना, तुलना करना, सृजन करना, वर्गीकरण करना**
1	2	3	4	5	6
तितली और कली	• कविता हाव–भाव व लयबद्ध तरीके से सुना सकेगें। • नये कठिन शब्द सीख सकेगें। • नये शब्दार्थ सीख सकेंगे। • कविता का भावार्थ समझ सकेंगे। • प्रकृति से जुड़ाव महसूस कर सकेंगे।	• कविता लयबद्ध तरीके से सुनाते हैं। • नये शब्द पढ़ पाते हैं। • शब्दार्थ बता पाते हैं। • नये कठिन शब्द पढ़ व लिख सकते हैं।	• मिलते–जुलते शब्द ढूँढकर लिख सकते हैं। • तितली के आकार रंग–रूप पर समझ के साथ बताते हैं। • फूलों के बारे में बताते हैं। • महक से संबंधित पंसद–नापंसद चीजों के नाम लिखते हैं।	• रंग–बिरंगी गतिविधि करके रंगों के नाम बताते हैं। • कठिन शब्दों का प्रयोग कर पाते हैं।	• तितली–भौंरा फूलों के बारे में अपने शब्दों में बता पाते हैं।

वर्णमाला

हिंदी वर्णमाला में कुल 52 अक्षर हैं।

अ	आ	इ	ई	उ	ऊ	_
ए	ऐ	ओ	औ	अं	अः	
क	ख	ग	घ	ङ		
च	छ	ज	झ	ञ		
ट	ठ	ड	ढ	ण		
त	थ	द	ध	न		
प	फ	ब	भ	म		
य	र	ल	व			
श	ष	स	ह			
क्ष	त्र	ज्ञ				
ड़	ढ़	श्र				

शिक्षण संकेत : वर्णमाला का क्रम बच्चों को याद कराएँ। वर्णों की पहचान व उच्चारण कराएँ। क्ष त्र ज्ञ और श्र से बनने वाले शब्दों का अभ्यास कराएँ।

मात्रा लगती कौन कहाँ ?

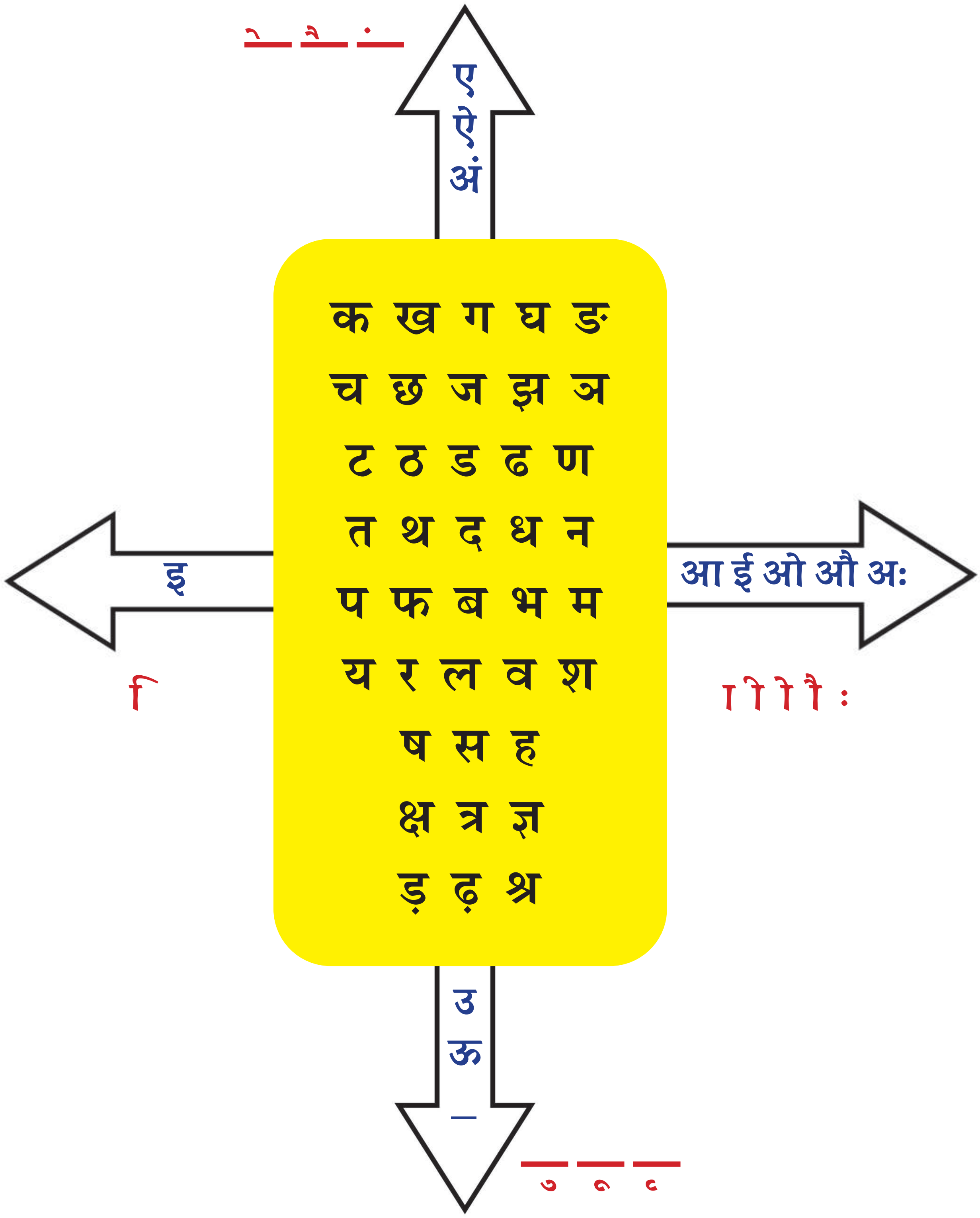

आ	इ	ई	उ	ऊ	_	ए	ऐ	ओ	औ	अं	अः
ा	ि	ी	ु	ू	ृ	े	ै	ो	ौ	ं	ः

बारहखड़ी

अ	आ	इ	ई	उ	ऊ	ए	ऐ	ओ	औ	अं	अः
क	का	कि	की	कु	कू	के	कै	को	कौ	कं	कः
ख	खा	खि	खी	खु	खू	खे	खै	खो	खौ	खं	खः
ग	गा	गि	गी	गु	गू	गे	गै	गो	गौ	गं	गः
घ	घा	घि	घी	घु	घू	घे	घै	घो	घौ	घं	घः
च	चा	चि	ची	चु	चू	चे	चै	चो	चौ	चं	चः
छ	छा	छि	छी	छु	छू	छे	छै	छो	छौ	छं	छः

ज	जा	जि	जी	जु	जू	जे	जै	जो	जौ	जं	जः
झ	झा	झि	झी	झु	झू	झे	झै	झो	झौ	झं	झः
ट	टा	टि	टी	टु	टू	टे	टै	टो	टौ	टं	टः
ठ	ठा	ठि	ठी	ठु	ठू	ठे	ठै	ठो	ठौ	ठं	ठः
ड	डा	डि	डी	डु	डू	डे	डै	डो	डौ	डं	डः
ढ	ढा	ढि	ढी	ढु	ढू	ढे	ढै	ढो	ढौ	ढं	ढः
ण	णा	णि	णी	णु	णू	णे	णै	णो	णौ	णं	णः
त	ता	ति	ती	तु	तू	ते	तै	तो	तौ	तं	तः

थ	द	ध	न	प	फ	ब	भ
था	दा	धा	ना	पा	फा	बा	भा
थि	दि	धि	नि	पि	फि	बि	भि
थी	दी	धी	नी	पी	फी	बी	भी
थु	दु	धु	नु	पु	फु	बु	भु
थू	दू	धू	नू	पू	फू	बू	भू
थे	दे	धे	ने	पे	फे	बे	भे
थै	दै	धै	नै	पै	फै	बै	भै
थो	दो	धो	नो	पो	फो	बो	भो
थौ	दौ	धौ	नौ	पौ	फौ	बौ	भौ
थं	दं	धं	नं	पं	फं	बं	भं
थः	दः	धः	नः	पः	फः	बः	भः

म	मा	मि	मी	मु	मू	मे	मै	मो	मौ	मं	मः
य	या	यि	यी	यु	यू	ये	यै	यो	यौ	यं	यः
र	रा	रि	री	रु	रू	रे	रै	रो	रौ	रं	रः
ल	ला	लि	ली	लु	लू	ले	लै	लो	लौ	लं	लः
व	वा	वि	वी	वु	वू	वे	वै	वो	वौ	वं	वः
श	शा	शि	शी	शु	शू	शे	शै	शो	शौ	शं	शः
ष	षा	षि	षी	षु	षू	षे	षै	षो	षौ	षं	षः
स	सा	सि	सी	सु	सू	से	सै	सो	सौ	सं	सः

ह	हा	हि	ही	हु	हू	हे	है	हो	हौ	हं	हः
क्ष	क्षा	क्षि	क्षी	क्षु	क्षू	क्षे	क्षै	क्षो	क्षौ	क्षं	क्षः
त्र	त्रा	त्रि	त्री	त्रु	त्रू	त्रे	त्रै	त्रो	त्रौ	त्रं	त्रः
ज्ञ	ज्ञा	ज्ञि	ज्ञी	ज्ञु	ज्ञू	ज्ञे	ज्ञै	ज्ञो	ज्ञौ	ज्ञं	ज्ञः

शिक्षण संकेत : बारहखड़ी का क्रम बच्चों को याद कराएँ। वर्णों की पहचान व उच्चारण कराएँ।

सड़क सुरक्षा एवं यातायात संकेत

यातायात सिग्नल (संकेत) सुरक्षित आवागमन में हमारी सहायता करती हैं। ये हमें सड़क पर सुरक्षित चलने के लिए निर्देश देती हैं। यह सड़क सुरक्षा के लिए आवश्यक है। संकेतक में तीन रंग होते हैं। सभी रंगों का अपना महत्व होता है। आइए, इन रंगों के बारे में जानें कि ये कैसे काम करते हैं :-

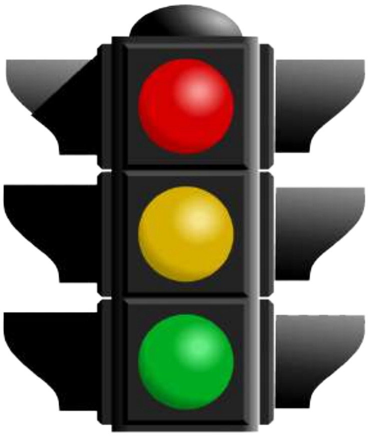

- लाल बत्ती जलने पर हमेशा स्टॉप लाईन के पीछे रुकना चाहिए।
- पीली बत्ती जलने पर यदि स्टॉप लाईन पार कर चुके हैं तो तुरंत आगे बढ़ें और यदि स्टॉप लाईन के पीछे हैं तो वहीं रुकना चाहिए।
- हरी बत्ती जलने पर सावधानीपूर्वक आगे बढ़ना चाहिए।

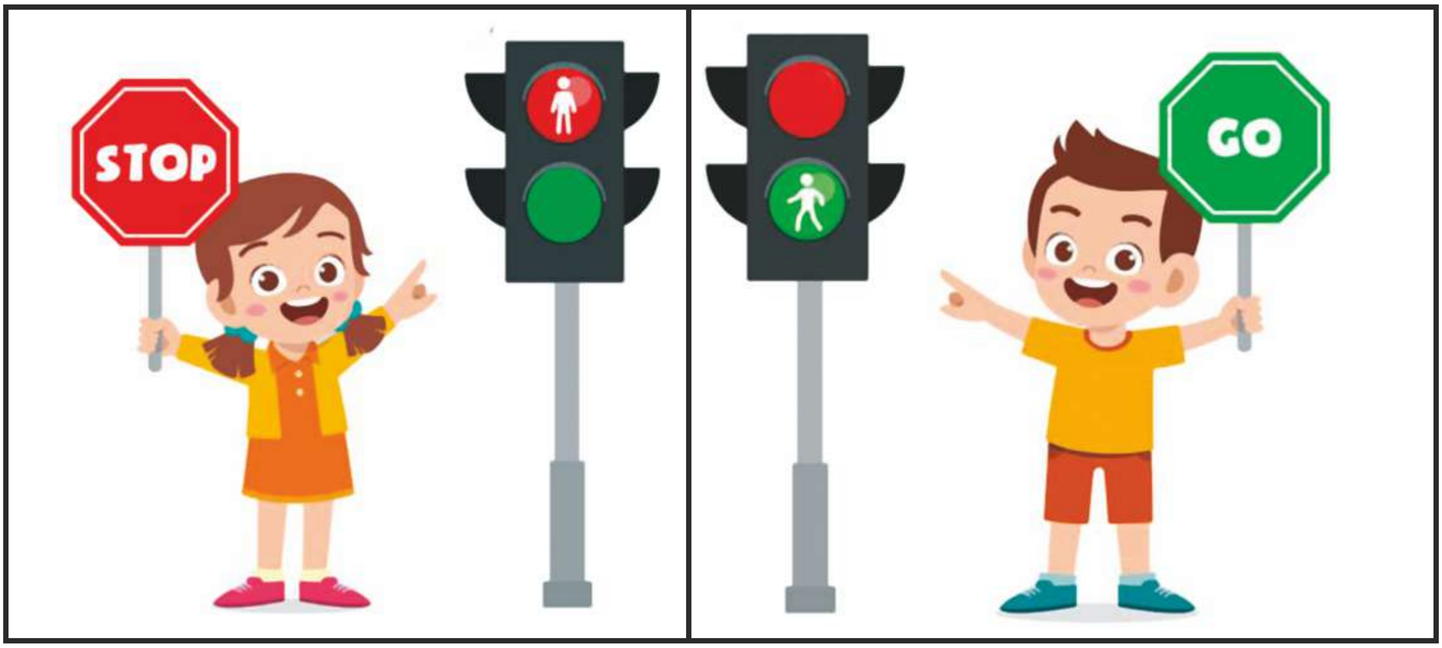

उत्तर दो

सही शब्द चुनिए -

प्रश्न 1. यातायात सिग्नल (संकेत) में .... रंग होते हैं। (एक/दो/तीन/चार)

प्रश्न 2. लाल बत्ती जलने पर हमें .... चाहिए। (चलना / रुकना/आगे बढ़ना)

प्रश्न 3. पीली बत्ती जलने पर यदि स्टॉप लाईन के पीछे हैं तो वहीं ....चाहिए। (चलना / रुकना/आगे बढ़ना)

प्रश्न 4. हरी बत्ती जलने पर हमें .... चाहिए। (चलना / रुकना/आगे बढ़ना)

शिक्षण संकेत: शिक्षक बच्चों को यातायात सिग्नल (संकेत) एवं सड़क सुरक्षा के बारे में विस्तार से बताएँ।

तितली और कली

छिटककर, महक, रंगीली, सुंदर

हरी डाल पर लगी हुई थी,
नन्ही सुंदर एक कली।
तितली उससे आकर बोली,
तुम लगती हो बड़ी भली।

अब जागो तुम आँखें खोलो,
और हमारे संग खेलो।
फैले सुंदर महक तुम्हारी,
महके सारी गली–गली।

कली छिटककर खिली रंगीली,
तुरंत खेल की सुनकर बात।
साथ हवा के लगी भागने,
तितली छूने उसे चली।

शिक्षण संकेत – कविता को गाकर सुनाएँ फिर दुहराने को कहें। आसपास में पाए जाने वाले कीट – पतंगों के बारे में बच्चों से प्रश्न पूछें। अभ्यासमाला को पेंसिल से पूरा करवाएँ। पाठ में आए कठिन शब्दों के अर्थ क्षेत्रीय भाषा/बोली में बताएँ।

बातचीत के लिए

1. कली खेल की बात सुनकर खुश हो गई, आप किन–किन बातों से खुश होते हैं?
2. ऐसी चीजों के नाम बताइए जिनकी महक आपको पसंद है और जिनकी पसंद नहीं है।
3. तितली और कली ने क्या–क्या खेल खेला होगा? आप अपने साथियों के साथ कौन–कौन से खेल खेलते हैं?
4. आपके घर में किन–किन चीजों की महक आती है? (जैसे – साबुन या तेल की महक)

सोचिए और लिखिए

नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए –

1. इस कविता में कौन–कौन हैं?

   इस कविता में .... और .... हैं।
2. तितली कली से खेल की बात करती है। आप खेल की बातें किससे करते हैं?

   मैं खेल की बातें ....से करता/करती हूँ।
3. इस कविता में तितली और कली हैं। 'त' और 'क' से शुरु होने वाले कुछ शब्दों की सूची बनाइए–

'त' वाले शब्द	'क' वाले शब्द
....	....
....	....
....	....

शब्दों का खेल

1. नीचे कुछ वर्ण और कुछ मात्राएँ दी गई हैं। इन्हें जोड़कर अपने शब्द बनाइए और अपनी कॉपी में लिखिए –

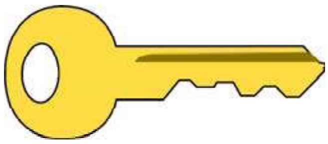

त	र	ब	प	ा	आ
क	म	स	घ	ि	इ
ल	ख	च	न	ी	ई

2. वर्णमाला के कुछ अक्षर छूट गए हैं। उन्हें लिखिए–

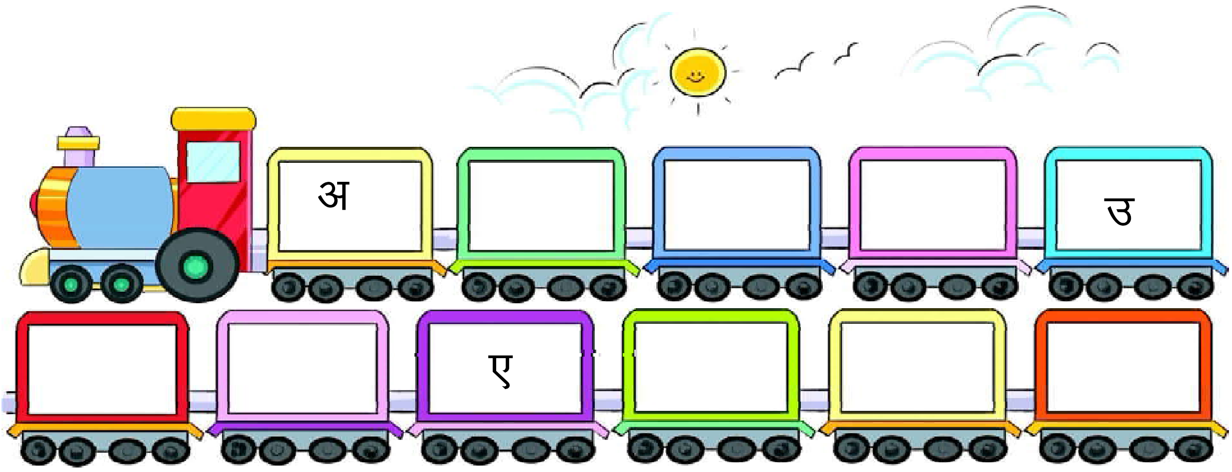

3. कविता में 'सुंदर' शब्द आया है।

अक्षर के ऊपर लगने वाली बिंदी को अनुस्वार कहते हैं। **'सुदर'** में जैसे ही **'सु'** के ऊपर बिंदी लगाई **'सुंदर'** शब्द बन गया। आइए, ऐसे ही कुछ अन्य शब्दों को देखते हैं–

अक्षर समूह	अनुस्वार लगाने पर	चित्र
पखा	..........पंखा..............	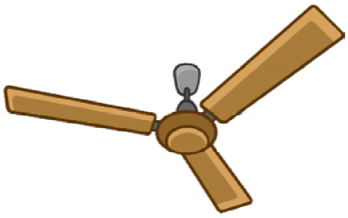
अगूर	....	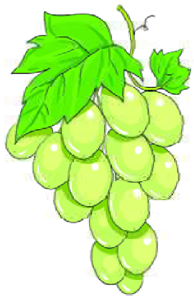
पतग	....	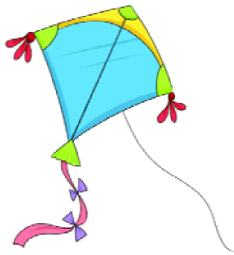
बदर	....	
घटी	....	

मिलते–जुलते शब्द

कविता में से ढूढ़ँकर ऐसे शब्द लिखिए जो सुनने में 'कली' जैसे लगते हैं।
जैसे – कली, भली

नीचे दिए गए शब्दों जैसे कुछ शब्द अपने मन से जोड़कर लिखिए।

बोलो	तितली	डाल
....	....	....
....	....	....

सोचिए और लिखिए

महक आपको अच्छी भी लग सकती है और बुरी भी।

अच्छी लगने वाली महक को कहेंगे ....

बुरी लगने वाली महक को कहेंगे ....

ऐसी चीजों के नाम लिखिए जिनकी महक आपको पसंद है और जिनकी पसंद नहीं है।

पसंद है	पसंद नहीं है
....	....
....	....
....	....
....	....
....	....
....	....

2SV65H

पाठ 2

गुड़िया रानी की शादी

गहरी, मित्रता, तय करना, मदद, माला, बधाई गाना, जुट जाना

चंपा और मंजु दो थीं। दोनों में गहरी मित्रता थी। चंपा के पास थी। मंजु के पास था। दोनों रोज शाम को में खेलती थीं। उनके भी पास–पास थे। में भी वे एक साथ पढ़ती थीं।

एक दिन दोनों ने तय किया कि वे और की शादी करेंगी। अगले दिन से ही वे शादी की तैयारी में जुट गईं। दोनों ने अपनी–अपनी माँ से मदद माँगी। इधर चंपा की माँ ने का लहंगा और दुपट्टा बनाया। उधर मंजु की माँ ने का कुर्ता और तैयार की। सब मित्रों को शादी का निमंत्रण कार्ड भेजा गया। शादी के दिन सूरज की माँ ने फूलों की दो बना दीं। भैया मिठाई की दुकान से 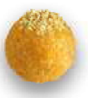 और ले आए। उन्होंने पंडित को भी बुलवाया। रामू काका ने 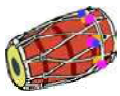 बजाया और ने बधाई गाई। इस तरह और की शादी हुई।

बातचीत के लिए

1. आपने अपने गाँव/घर में शादियाँ देखी होंगी। शादियों में क्या–क्या होता है, उसके बारे में बताइए।

2. शादियों में कई तरह के काम होते हैं। उन कामों को करने के लिए किन–किन व्यक्तियों की आवश्यकता होती है?

3. आप किसी न किसी की शादी में गए होंगे। वहाँ आपको क्या–क्या अच्छा लगा?

4. ऐसे कामों के बारे में बताइए, जिसे आप अपनी सहेलियों/मित्रों के साथ मिलकर करते हैं।

सोचिए और लिखिए

1. खाली स्थान भरिए –

1. चंपा के पास ....। (गुड़िया थी/गुड्डा था।)
2. चंपा और मंजू के घर .... । (पास–पास थे/दूर–दूर थे।)
3. गुड्डा व गुड़िया की शादी के लिए उन्होंने .... सहायता माँगी। (माँ से/पिता से)
4. मंजू की माँ ने .... कपड़े बनाए। (गुड्डे के/गुड़िया के)
5. सूरज की माँ ने ....। (मिठाई बनाई/मालाएँ बनाईं)
6. रामू काका ने ....।(ढोलक बजाया/बधाई गाई)

2.अपनी सहेलियों/अपने मित्रों के नाम लिखिए –

....

....

....

खोजे–जानें

1. क्या आपने अत्ती (अक्षय तृतीया) त्योहार के बारे में सुना है। यह त्योहार कैसे मनाया जाता है, पता कीजिए।
2. अपने परिवार के लोगों से बात करके पता कीजिए और लिखिए –

परिवार के लोग	आप किस नाम से बुलाते हैं?
आपकी माँ की बहन	....
आपकी माँ के भाई	....
आपके पिताजी की बहन	....
आपके पिताजी के भाई	....

आइए कुछ बनाएँ

1. अपने घर में पुराने कपड़ों से गुड़िया और गुड्डा बनाइए।
2. बिंदुओं को मिलाकर चित्र पूरा करिए और रंग भरिए।

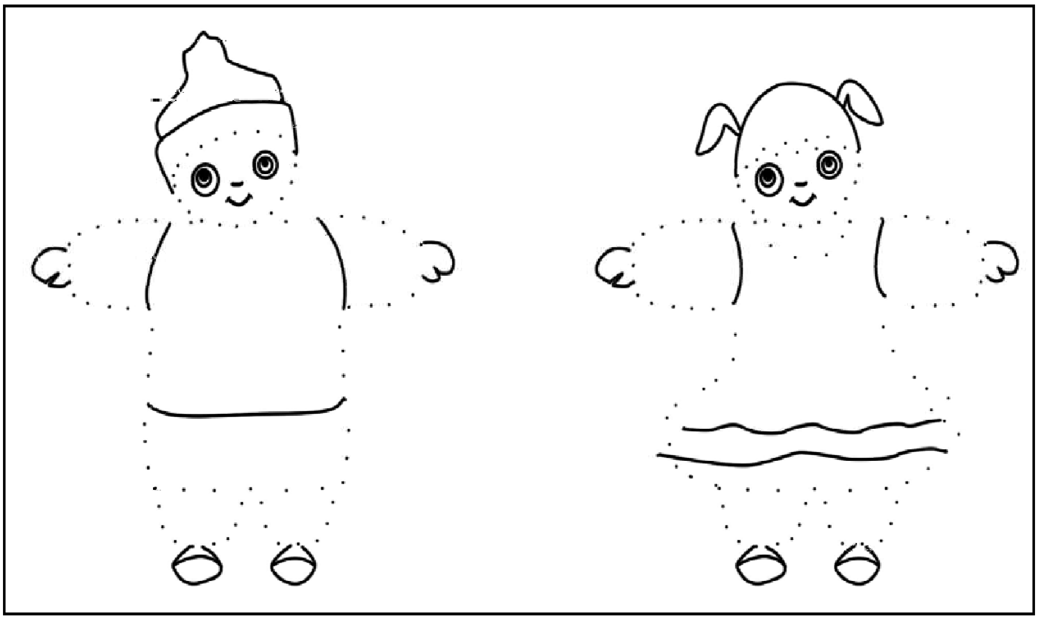

2TDX8S

पाठ 3

कौन बोला म्याऊँ ?

पिल्ला	म्याऊँ	आवाज	मेंढक	फुदक
भिन्–भिन्	मधुमक्खी	झाड़ी	टर्र–टर्र	

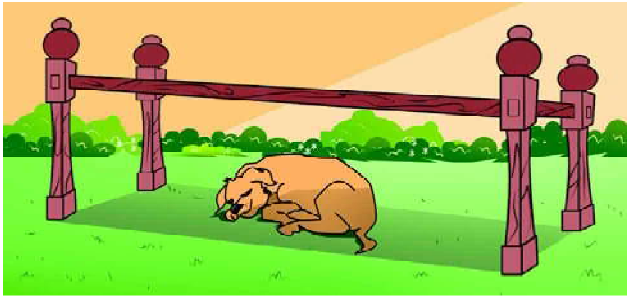

एक पिल्ला खाट के नीचे सो रहा था। तभी आवाज सुनाई दी .... म्याऊँ! पिल्ला झट उठ बैठा। इधर–उधर देखा आवाज कहाँ से आई ? कहीं कोई

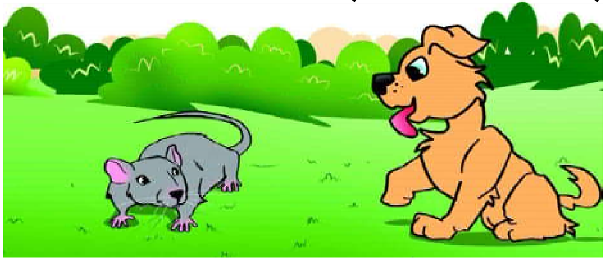

नहीं था। वह घर से बाहर आया। तभी पास की झाड़ी में से एक चूहा कूदकर सामने आया।

पिल्ले ने पूछा– "क्या तुम बोले म्याऊँ ?"
"नहीं, मैं तो 'चीं–चीं' बोलता हूँ"– चूहा बोला। पिल्ला फूल के पौधे के पास पहुँचा। फूल पर एक मधुमक्खी बैठी थी। पिल्ले ने पूछा–"क्या तुम बोली म्याऊँ ?" "नहीं, मैं तो भिन्–भिन् करती हूँ।"

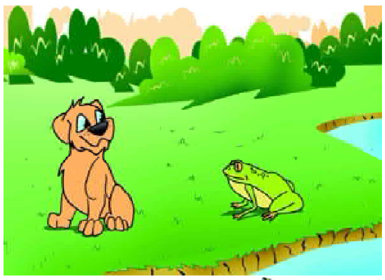

फिर आवाज आई "म्याऊँ।"
तालाब के किनारे एक मेंढक बैठा था।
पिल्ले ने मेंढक से पूछा– "क्या तुम बोले म्याऊँ ?"
"मैं तो टर्र–टर्र बोलता हूँ।" फिर आवाज आई, "म्याऊँ।"
"कौन बोला म्याऊँ ?"

मैं बोली म्याऊँ...

शिक्षण संकेत – पाठ आरंभ करने के पूर्व कुछ पालतू जानवरों की आवाज के संबंध में बच्चों से चर्चा करें। उसे बच्चों से निकालने को भी कहें तत्पश्चात पाठ आरंभ करें। पाठ के अंत में कुछ प्रश्न भी पूछें और उनको उत्तर देने हेतु प्रेरित करें। अभ्यासमाला को पेंसिल से पूरा करवाएँ। पाठ में आए कठिन शब्दों के अर्थ उनकी भाषा में बताएँ।

बातचीत के लिए

1. पाठ में तालाब के किनारे मेंढक बैठा था। तालाब में और कौन–कौन से जीव–जंतु होते हैं?
2. फूल पर मधुमक्खी बैठी थी। वह फूल पर क्यों बैठी होगी?
3. 'म्याऊँ' की आवाज सुनकर पिल्ला झट उठ बैठा। आप कब–कब झट उठ बैठते हैं?
4. आपके अनुसार पिल्ला अपने प्रश्न का उत्तर पाने के लिए और किनके पास जा सकता था?

लिखिए

1. पिल्ले को किसकी आवाज सुनाई दी?

(क) पिल्ले को.........................की आवाज सुनाई दी।

(ख) झाड़ी में से एक ....कूदकर बाहर आया।

(ग) मैं तो भिन्– ....करती हूँ।

(घ) पिल्ला फूल के पौधे के ....पहुँचा।

2. कहानी के अनुसार पिल्ला अंत में किसके पास गया? सही उत्तर चुनकर लिखिए।

(क) मधुमक्खी के पास।

(ख) मेंढक के पास।

(ग) चूहे के पास।

(घ) फूल के पास।

....

3. पिल्ला किसके–किसके पास गया?

....

4. आपने कहीं–न–कहीं इन आवाजों को सुना होगा। ये आवाजें जिनकी हैं उनके नाम अपनी कॉपी में लिखिए –

भिन्–भिन्
टर्र–टर्र
भौं–भौं
म्याऊँ–म्याऊँ

5. विराम–चिह्न का सही प्रयोग करते हुए नीचे दिए गए वाक्यों को अपनी कॉपी में लिखिए –

क्या तुम बोले म्याऊँ
मैं तो टर्र–टर्र बोलता हूँ

आओ बूझें पहेली

अक्षरों को जोड़कर 'कौन बोला म्याऊँ' बनाइए। रेखा खींचकर शब्दों को जोड़िए –

म्या, कौ, का, मैं, ल, न, में, बो, ला, क, ढ, थी, का, व, बै, ठा, ऊँ, था

शब्दों का खेल

1. कौन – कहाँ मिलेगा ?

स्थान 1	स्थान 2	जीव – जंतु
....	....	साँप
....	....	तोता
....	....	हाथी
....	....	गाय

2. नीचे बने वर्ग में पशुओं एवं जंतुओं के नाम छिपे हैं, ढूँढ़कर घेरा लगाइए।

c

हा	थी	गि	घो	ड़ा	म
गा	ऊँ	ल	में	ढ	क
य	ट	ह	लो	म	ड़ी
ब	क	री	ना	ग	धा
त	शे	र	हि	र	न
ख	र	गो	श	भा	लू

चित्रकारी

चित्र पूरा कर रंग भरिए–

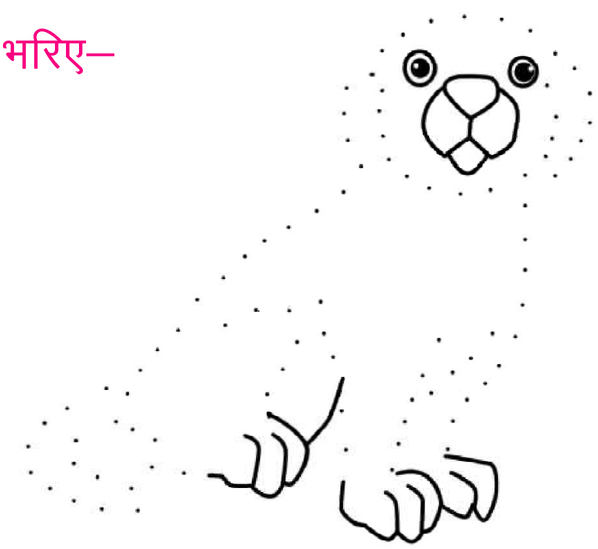

पाठ 4

भालू ने खेली फुटबॉल

गर्मी, नजर, हड़बड़ी, कोहरा, फुर्ती, आफत

सर्दियों का मौसम था। सुबह का वक्त। चारों ओर कोहरा ही कोहरा। एक शेर का बच्चा सिमटकर गोल–मटोल बना जामुन के पेड़ के नीचे सोया हुआ था।

इधर भालू, साहब सैर पर निकल तो आए थे लेकिन पछता रहे थे। तभी उनकी नज़र जामुन के पेड़ के नीचे पड़ी।

आखें फैलाई, अक्ल दौड़ाई – अहा! फुटबॉल। सोचा, चलो इससे खेलकर कुछ गर्मी हासिल की जाए।

आव देखा न ताव। भालू जी ने पैर से उछाल दिया शेर के बच्चे को।

हड़बड़ी में शेर का बच्चा दहाड़ा और फिर पेड़ की एक डाल पकड़ ली।

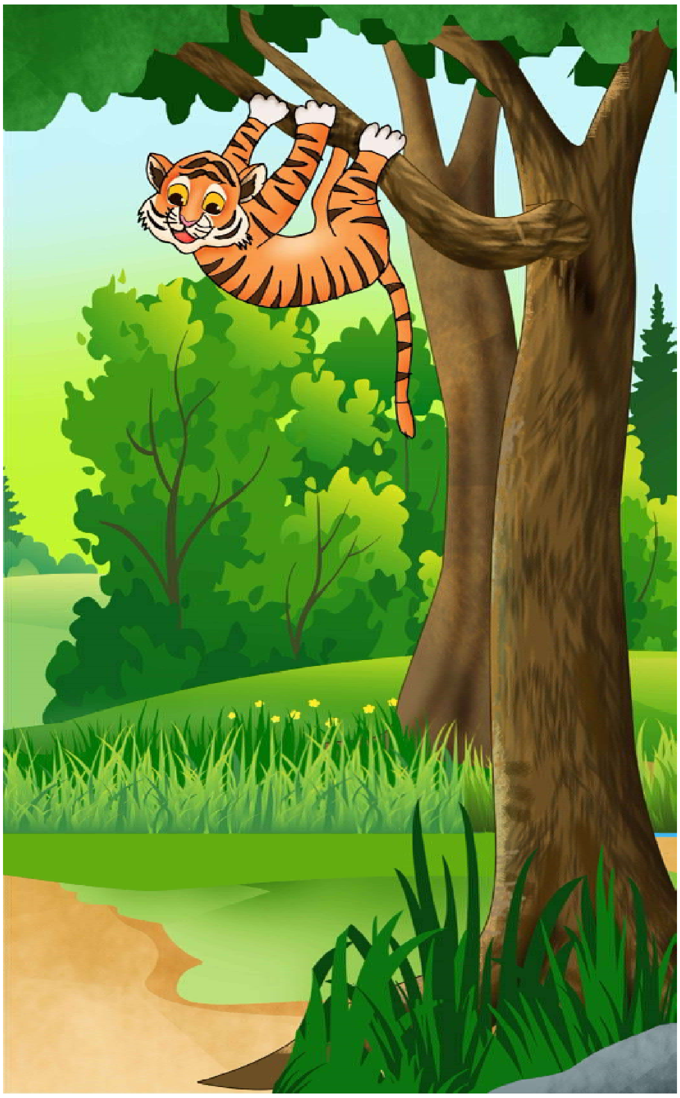

मगर डाल टूट गई। भालू साहब जल्दी ही मामला समझ गए। पछताए, लेकिन अगले ही पल

दौड़कर फुर्ती से दोनों हाथ बढ़ाए और शेर के बच्चे को लपक लिया।

अरे यह क्या! शेर का बच्चा फिर से उछालने के लिए कह रहा था।

एक बार फिर भालू दादा ने उछाला। दो बार तीन बार फिर बार–बार यही होने लगा। शेर के बच्चे को

उछलने में मज़ा आ रहा था। परंतु भालू थककर परेशान हो गया था।

ओह, किस आफत में आ फँसा। बारहवीं बार उछालते ही भालू ने घर की ओर दौड़ लगाई और गायब हो गया।

अब की बार शेर का बच्चा धड़ाम से ज़मीन पर आ गया। डाल भी टूट गई।

तभी माली वहाँ आया और शेर के बच्चे पर बरस पड़ा –''डाल तोड़ दी पेड़ की। लाओ हर्जाना।''

शेर के बच्चे ने कहा –''ज़रा ठीक तो हो लूँ।'' माली ने कहा ''ठीक है।

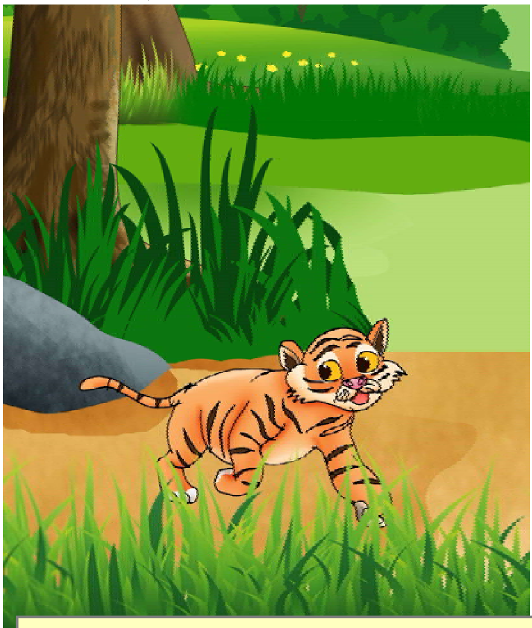

मैं अभी आता हूँ।'' माली के वहाँ से जाते ही शेर का बच्चा भी नौ दो ग्यारह हो लिया। उसने सोचा –''जान बची तो लाखों पाए।''

शिक्षण संकेत – पाठ आरंभ करने के पूर्व सर्दियों के मौसम और कोहरे के बारे में एवं ठंड से बचने के लिए किए जाने वाले उपाय के बारे में चर्चा करवाएँ। साथ ही बच्चों के द्वारा खेले जाने वाले खेलों के विषय में बातचीत करें। पाठ में आए कठिन शब्दों के अर्थ उनकी भाषा में बताएँ।

बातचीत के लिए

1. अगर भालू शेर के बच्चे को न पकड़ता, तो क्या होता?
2. घर पहुँचकर शेर के बच्चे ने अपनी माँ से क्या बताया होगा?
3. जब भालू ने शेर के बच्चे को उछाला, वह दहाड़ा। सोचिए वह क्यों दहाड़ा होगा?
4. भालू साहब सुबह सैर के लिए निकले थे। आप सैर के लिए कब निकलते हैं?

शब्दों का खेल

चंद्रबिंदु का कमाल

'फसा' के ऊपर चंद्रबिंदु लगाने से 'फँसा' हो गया।

1. नीचे दिए गए चित्रों को देखिए, शब्दों को पढ़िए और उन्हें लिखने का प्रयास कीजिए–

आँख	आँख	....
चाँद	....	....
साँप	....	....
पाँव	....	....
बाँसुरी	....	....

2. नीचे दिए गए शब्द उलट–पलट कर लिखे गए हैं। शब्दों को सही क्रम में लगाकर वाक्य अपनी कॉपी में लिखिए –

(क) वक्त का सुबह था।

(ख) टूट थी डाल गई।

(ग) हूँ मैं अभी आता।

(घ) बची लाखों पाए जान तो।

3. ठंड से बचने के लिए उपाय

भालू ने ठंड से बचने के लिए फुटबॉल खेलने की बात सोची। आप ठंड से बचने के लिए क्या–क्या करते हैं ? (✓) का निशान लगाइए।

(क) दौड़ लगाते हैं।

(ख) गर्म कपड़े पहनकर घर में बैठते हैं।

(ग) रज़ाई ओढ़ते हैं।

(घ) आग तापते हैं।

(ड) ठंडा पानी पीते हैं।

(च) गर्म पानी में नहाते हैं।

(छ) गर्म–गर्म चाय पीते हैं।

झटपट कहिए

1. पीतल के पतीले में पपीता पीला–पीला।
2. ऊँट ऊँचा, ऊँट की पीठ ऊँची, पूँछ ऊँची ऊँट की।

पाठ 5

चालाक चीकू

बिल्ली मौसी हिस्सा
अंदर दौड़

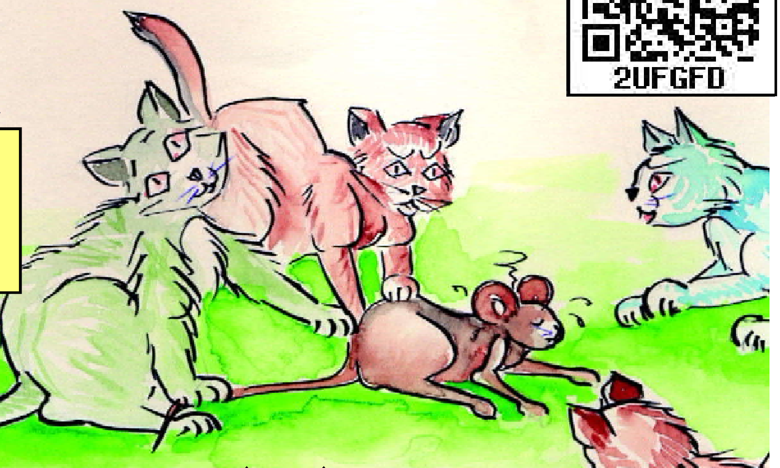

चार बिल्लियों ने मिलकर, चीकू चूहे को पकड़ा।
"मैं खाऊँगी, मैं खाऊँगी," हुआ सभी में झगड़ा।।

बोला चीकू– "अरी मौसियो,
आपस में मत झगड़ो।

दूर नीम का पेड खड़ा है,
जाकर उसको पकड़ो।।

जो भी उसको छूकर सबसे पहले आ जाएगी।
बिना किसी को हिस्सा बाँटे, वह मुझको खाएगी।।"

मूर्ख बिल्लियाँ समझ न पाईं, सरपट दौड़ लगाई।
बिल के अंदर भागा चीकू , अपनी जान बचाई।।

शिक्षण संकेत – कविता पठन के पूर्व चूहे तथा बिल्ली के स्वभाव को लेकर बच्चों से बातचीत करें। लय तथा अभिनय के साथ कविता को प्रस्तुत करें। चूहे की चालाकी के संबंध में बच्चों से प्रश्न करें। पाठ में आए कठिन शब्दों के अर्थ अपनी भाषा में बताएँ।

बातचीत के लिए

1. कविता को कहानी बनाकर सुनाइए।
2. चूहा और बिल्ली में कौन अधिक चालाक था ?
3. चूहा बिल्लियों से बचने के लिए और क्या तरीका अपना सकता था ?
4. चीकू की जगह पर आप होते, तो अपनी जान कैसे बचाते?

इस कविता के आधार पर कुछ और प्रश्न बनाइए और अपने मित्रों से पूछिए।

शब्दों का खेल

1. शब्दों में सही जगह पर चंद्रबिंदु लगाकर लिखिए –

(क) बिल्लिया – ....

(ख) खाऊगी – ....

(ग) बाटे – ....

(घ) बासुरी – ....

2. कविता में कुछ शब्द नीचे दिए गए हैं। उनका प्रयोग करते हुए कुछ पंक्तियाँ अपनी कॉपी में लिखिए–

बिल्ली, चूहा, मौसी, पेड़

3. कविता के जिन शब्दों में 'ड़' वर्ण आया है, उन शब्दों को छाँटकर लिखिए।

दौड़ ________ __________ __________

________ __________ __________

________ __________ __________

सोचिए और लिखिए

1. चूहा और बिल्ली में कौन अधिक चालाक था ?

....

2. चूहा बिल्लियों से बचने के लिए और क्या तरीका अपना सकता था ?

....

3. एक दिन अचानक खरगोश की मुलाकात कछुए से हो गई। सोचिए और लिखिए वे आपस में क्या–क्या बातचीत कर रहे होंगे।

....

....

....

....

....

33P4B6

पाठ 6

चींटी और हाथी

सूँड़	जंग	धक्का–मुक्की	फूँक	बित्ता	जुगत अक्ल

एक रानी चींटी थी। भोजन की तलाश में वह रोज जंगल जाती। सभी चींटियाँ उसके साथ जातीं।

उस जंगल में एक हाथी रहता था। वह दिनभर घूमता रहता था। कभी इस पेड़ को तोड़ता, कभी उस पेड़ को तोड़ता। कुछ खाता, कुछ फेंक देता। लंबी सूँड़ में पानी भरता और नहाता। दूसरे जानवरों को पानी से भिगोता। जानवरों से वह धक्का–मुक्की भी करता, चींटियों को मसल देता। सभी उससे डरते थे। उससे कोई कुछ न कहता। हाथी से सभी तंग थे।

एक दिन की बात है। रानी चींटी हाथी से मिली। वह बोली, ''तुम दूसरों को सताते हो, यह ठीक नहीं।''

हाथी बोला, ''चुप रह! छोटी–सी जान, बित्ता भर जुबान। मेरी मर्जी, मैं चाहे जो करूँ।

रानी चींटी बोली–''शेर जी से कह दूँगी।''
हाथी हँसकर बोला,
''शेर से क्या कहेगी ?
वह मेरे दम पर मुखिया है।''

रानी चींटी चुप हो गई। वह घास में जाकर छिप गई। हाथी इधर–उधर घूम रहा था।

रानी चींटी चुपके से उसकी सूँड़ में घुस गई। हाथी अपनी मौज में था। चींटी सूँड़ के अंदर घुसती ही गई।

अब रानी चींटी ने हाथी की सूँड़ को काटना शुरू किया। हाथी परेशान होने लगा। उसने जोर–जोर–से सूँड़ पटकी। फूँक लगाई। कोई जुगत काम न आई। रानी चींटी ने काटना बंद नहीं किया। हाथी चीख पड़ा।

तब रानी चींटी बोली, "आया मजा बच्चू! अब क्यों रोते हो ? आई नानी याद ?"

रानी चींटी हाथी को काटती रही। हाथी गिर पड़ा। बोला, ''चींटी रानी, चींटी रानी! माफ करो, माफ करो। अब किसी को नहीं सताऊँगा। किसी को छोटा न मानूँगा।'' रानी चींटी ने सोचा, "हाथी को अब आई अक्ल"। रानी चींटी सूँड़ से बाहर आई; बोली, ''हाथी दादा! हाथी दादा! जमाना बदल गया है।''

हाथी ने सूँड़ उठाकर हामी भरी।

शिक्षण संकेत – पाठ में निहित उद्देश्य एवं मूल्य को बच्चों को समझाएँ। अन्य छोटी–छोटी कहानियों से बच्चों में सुनने की क्षमता विकसित करें। स्थानीय परिवेश को ध्यान में रखते हुए कहानी में निहित मूल्यों का ज्ञान कराएँ। पाठ में आए कठिन शब्दों का अर्थ उनकी भाषा में बताएँ।

बातचीत के लिए

1. जंगल के सभी जानवर हाथी से क्यों डरते थे?
2. क्या आप दूसरों की सहायता करते हैं? कैसे?
3. अगली बार जब चींटी और हाथी मिलेंगे तो आपस में क्या बातचीत करेंगे?
4. चींटी ने जंगल में क्या–क्या खाया होगा? आप क्या–क्या खाते हैं?

लिखिए

नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर अपनी कॉपी में लिखिए–

1. कहानी में आए जीव–जंतुओं के नाम लिखिए।
2. वाक्य पूरा कीजिए – रानी चींटी बोली – ''शेर जी से कह दूँगी।'' फिर भी हाथी नहीं डरा क्योंकि...

....

3. अपने आस–पास में पाए जाने वाले जीव–जंतुओं के बारे में पता कीजिए। उनके नाम भी लिखिए–

जमीन में रहने वाले	पानी में रहने वाले	उड़ने वाले
....	....	....
....	....	....
....	....	....
....	....	....
....	....	....
....	....	....

आइए कुछ बनाएँ

पत्तियाँ इकठ्ठी कीजिए :

विभिन्न रंगों और आकारों की सूखी पत्तियाँ लीजिए।

पत्तियाँ चिपकाइए :

किसी कागज या कार्डबोर्ड पर इन पत्तियों को गोंद लगाकर चिपकाइए।

कोलाज बनाइए :

पत्तियों को विभिन्न तरीकों से चिपकाकर हाथी, मछली, चूहा, मेंढक, खरगोश या अन्य आकृतियाँ बनाइए।

रंगों का उपयोग कीजिए :

पत्तियों को रंग भी सकते हैं।

शब्दों का खेल

1. पढ़िए, समझिए और लिखिए–

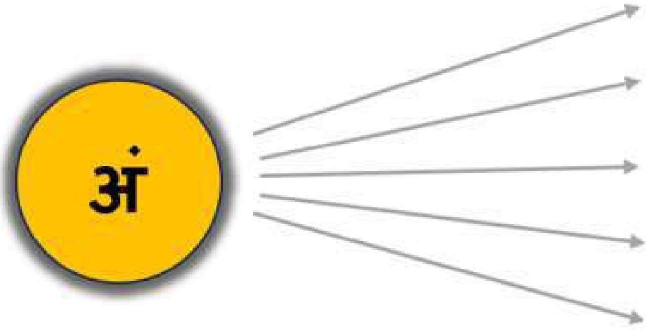

गूठी अंगूठी

धेरा ....

कुर ....

दर ....

गूर ....

2. नीचे लिखे शब्दों की सहायता से वाक्य पूरे करिए –

सूपा	सूँड़	पैर	पंख	चोंच	दाँत	आँखें

क. तोते की ————————— लाल होती है।

ख. हाथी की ————————— लंबी होती है।

ग. चिड़िया के दो ———————— होते हैं।

घ. जानवरों के चार ———————— होते हैं।

ङ. हाथी के कान ————————— जैसे होते हैं।

च. हाथी के ——————————— बड़े–बड़े होते हैं।

छ. हाथी की ——————————— छोटी होती हैं।

3. चींटी को जंगल में खाने के लिए और क्या – क्या मिला होगा, उनके नाम लिखिए।

....

....

....

....

सोचकर बताइए

4. अगली बार जब चींटी और हाथी मिलेंगे तो आपस में क्या बातचीत करेंगे ?

.... ।

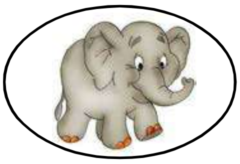

.... ।

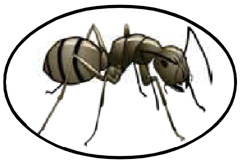

.... ।

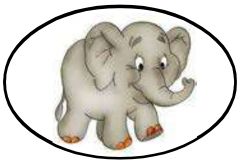

.... ।

5. जंगल का चित्र बनाकर रंग भरिए और कुछ वाक्य भी लिखिए–

....

....

....

....

पाठ 7

एकता का बल

पीपल	कबूतर	भोजन	धरती	चिल्लाना	बहेलिया	
क्षमा	इशारा	मित्र	उन्हें	मदद	बूढ़ा	धन्यवाद

जंगल में पीपल का एक पेड़ था। उस पेड़ पर बहुत–से कबूतर रहते थे। कबूतर दिनभर भोजन की खोज में उड़ते रहते। रात होने पर वे सब पीपल के पेड़ पर लौट आते।

एक दिन की बात है। कबूतर भोजन की तलाश में उड़े। थोड़ी दूर उड़ने पर एक छोटा कबूतर बोला, ''देखो, उधर देखो। धरती पर कितना दाना बिखरा पड़ा है।''

सभी कबूतर उधर देखने लगे। उन्हें धरती पर बहुत–सा दाना दिखाई पड़ा। वे धीरे–धीरे नीचे उतरने लगे।

तभी एक बूढ़ा कबूतर बोला, ''ठहरो, ठहरो। अभी वहाँ मत जाओ। जंगल में इतना दाना कहाँ से आया?''

दूसरा कबूतर बोला, ''कहीं से भी आया हो। आओ, हम सब मिलकर दाना चुगें।''

कबूतर धरती पर उतर गए। वे दाना चुगने लगे। पर बूढ़ा कबूतर उनके साथ नहीं गया। वह दूर से ही देखता रहा। कबूतरों ने पेट भर दाना खाया। अब वे उड़ना चाहते थे, पर उड़ न सके। वे जाल में फँस गए थे। कबूतर चिल्लाने लगे, ''बचाओ, बचाओ, हम जाल में फँस गए हैं।''

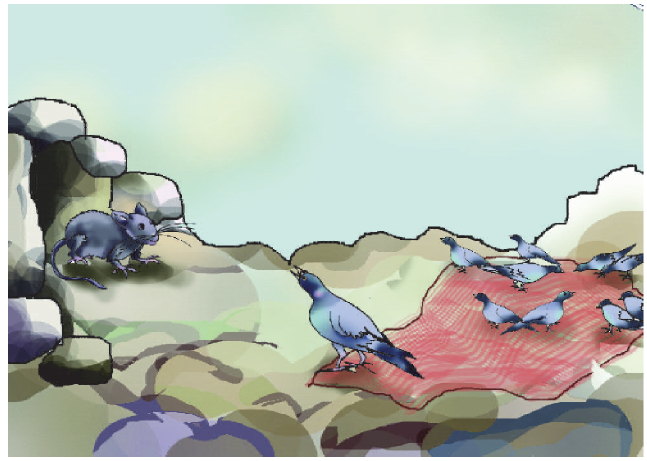

तभी एक कबूतर चिल्लाया, ''उधर देखो। अरे, अरे, वह तो बहेलिया है। वह हमें पकड़ने आ रहा है।''

बूढ़ा कबूतर बोला, ''घबराओ मत। सब मिलकर जोर लगाओ। जाल को लेकर एक साथ उड़ चलो।''

सभी कबूतरों ने मिलकर जोर लगाया। जाल कुछ ऊँचा उठा तो कबूतरों ने और जोर लगाया।

अब कबूतर जाल लेकर उड़ने लगे। बूढ़ा कबूतर आगे–आगे उड़ रहा था। सब कबूतर उसके पीछे थे।

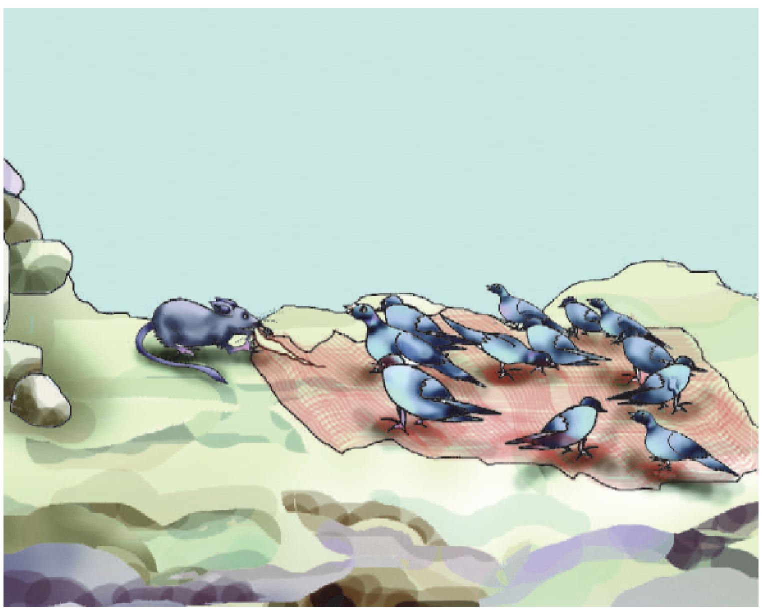

बूढ़ा कबूतर उन्हें लेकर बहुत दूर उड़ गया। उसने एक टूटे–फूटे मकान की तरफ इशारा किया। वह बोला, ''यहाँ एक चूहा रहता है। वह मेरा मित्र है। वह हमारी मदद करेगा। यहीं उतर जाओ।''

बूढ़े कबूतर ने चूहे को बुलाया। चूहे ने जाल काट दिया। कबूतर जाल से निकल आए। उन्होंने चूहे को धन्यवाद दिया। सभी कबूतरों ने अब बूढ़े कबूतर से क्षमा माँगी और उसे धन्यवाद दिया।

शिक्षण संकेत – एकता का अर्थ बच्चों को बताएँ। कक्षा में रखी मेज को किसी एक बच्चे से हटाने को कहें फिर वही मेज उस बच्चे के साथ पाँच अन्य बच्चे मिलकर हटाएँ। बच्चे ने क्या महसूस किया उसे कक्षा के अन्य बच्चों से साझा करवाएँ। एकता की कोई अन्य कहानी कक्षा में सुनाएँ। कठिन भावों को बच्चों की भाषा में स्पष्ट करें।

बातचीत के लिए

1. कबूतर हमेशा समूह में रहते हैं। ऐसे पक्षियों के नाम बताइए जो समूह में रहते हैं।
2. बूढ़ा कबूतर दूसरे कबूतरों के साथ क्यों नहीं गया?
3. क्या होता अगर बूढ़ा कबूतर दूसरे कबूतरों की सहायता नहीं करता?
4. आपको इस कहानी की सबसे अच्छी बात क्या लगी?

शब्दों का खेल

1.बेमेल शब्द को ढूँढ़कर लिखिए –

क.	कबूतर	तोता	मुर्गी	मछली	....
ख.	पीपल	बरगद	नीम	जाल	....
ग.	चूहा	दाना	कुत्ता	बिल्ली	....
घ.	पेड़	खिड़की	छत	दरवाजा	....
ङ	पंख	पेट	जड़	चोंच	....

2.सही शब्द चुनकर ✓ का निशान लगाइए–

क. बहुत–सा दाना ––––––––– पर बिखरा था। (धरती, आसमान)

ख. जंगल में इतना ––––––––– कहाँ से आया ? (दाना, खाना)

ग. कबूतर ––––––––– में फँस गए। (जाल, कीचड़)

घ. चूहा हमारी ––––––––– करेगा। (मदद, दया)

ङ कबूतरों ने बूढ़े कबूतर से –––––––– माँगी। (क्षमा, सहायता)

सोचिए और लिखिए

1. हमारे मददगार कौन–कौन हैं –

भोजन के लिए	**स्वास्थ्य के लिए**
....	....
शिक्षा के लिए	**कपड़ों के लिए**
....	....

2. इन शब्दों को पढ़िए और वाक्य बनाकर अपनी कॉपी में लिखिए–

1. धीरे–धीरे
2. आगे–आगे
3. जल्दी–जल्दी

चित्रकारी और लेखन

चित्र में रंग भरकर वाक्य पूरा कीजिए–

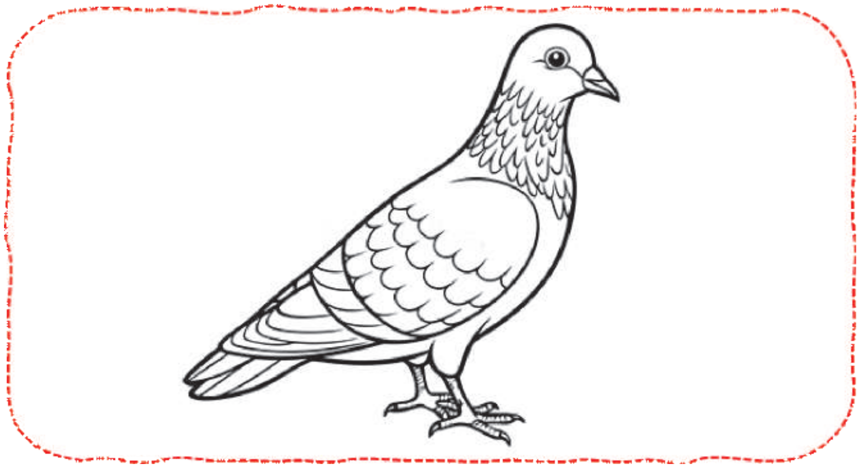

कबूतर पेड़ पर रहता है। कबूतर .... चुगता है।

कबूतर आसमान में .... है। कबूतर .... रंग का होता।

पहेली

1. चिड़िया को उसके घोंसले तक पहुँचने में उसकी सहायता कीजिए–

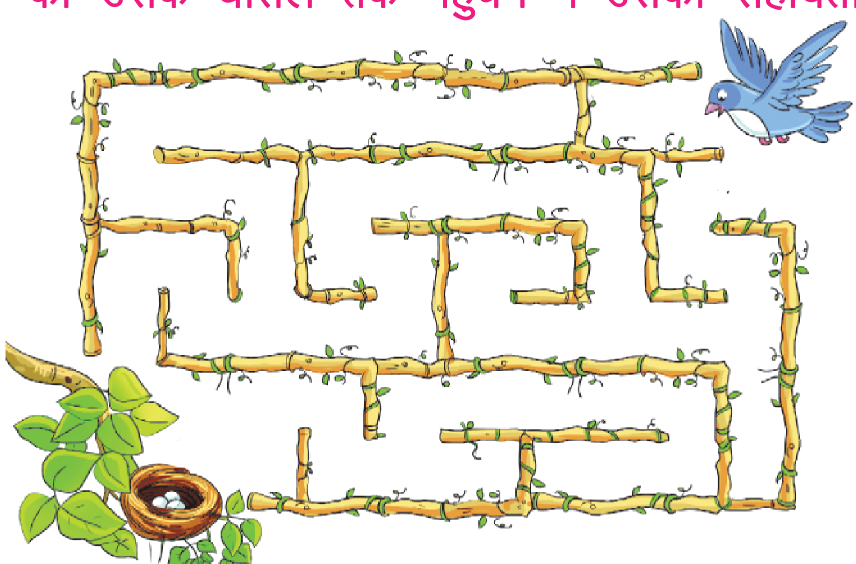

2.नीचे दी गई शब्द–पहेली में पक्षियों के नाम पर घेरा लगाइए–

क	त	र	उ	ल्लू	लो	न
को	बू	म	ज	य	क	ची
हं	जो	त	मो	को	य	ल
स	मै	स	र	मो	ल	प
क	ला	ना	द	कौ	आ	मु
सी	तो	ता	लू	य	जा	र्गी

रंग भरिए

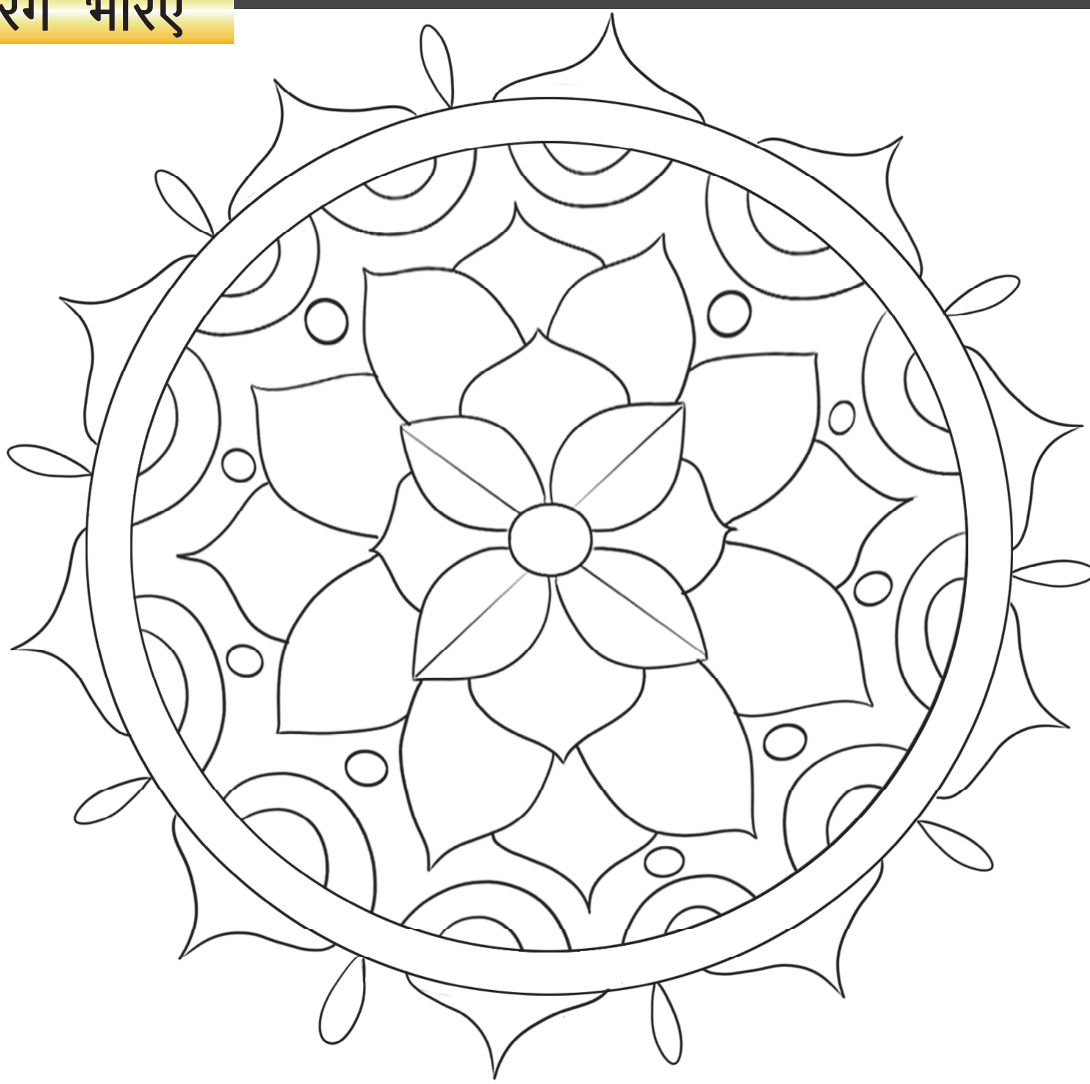

पाठ 8

कौन ?

चाँद	प्यास	मुस्काता
प्रश्न	निर्मल	इन्द्रधनुष

अगर न होता चाँद, रात में
हमको दिशा दिखाता कौन ?
अगर न होता सूरज, दिन को
सोने–सा चमकाता कौन ?
अगर न होतीं निर्मल नदियाँ
जग की प्यास बुझाता कौन ?
अगर न होते पर्वत, मीठे
झरने भला बहाता कौन ?
अगर न होते पेड़, भला फिर
हरियाली फैलाता कौन ?
अगर न होते फूल बताओ,
खिल–खिलकर मुस्काता कौन ?
अगर न होते बादल, नभ में
इंद्रधनुष रच पाता कौन ?
अगर न होते हम, तो बोलो,
ये सब प्रश्न उठाता कौन ?

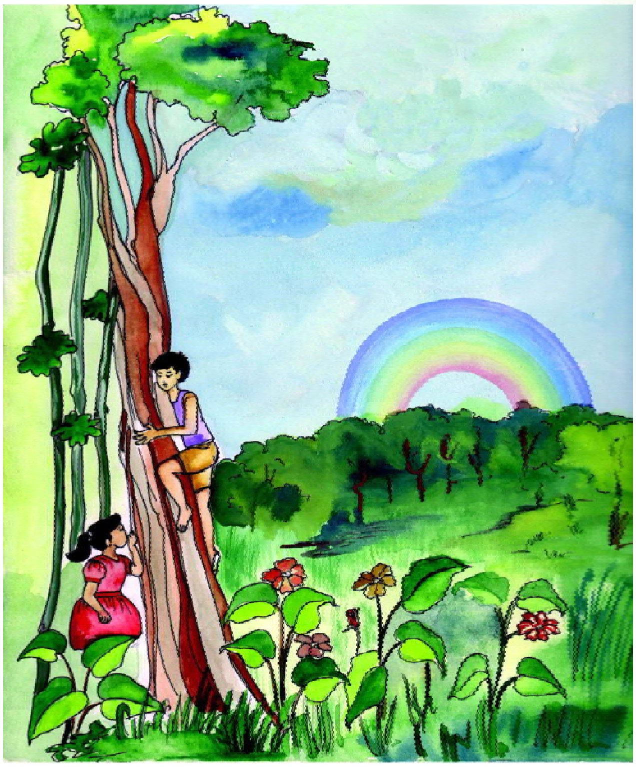

शिक्षण संकेत – लयबद्ध कविता पाठ करें और बच्चों को दुहराने को कहें। पहाड़, नदी, झरने, पेड़–पौधे, आदि पर चर्चा कर पर्यावरण की सरल छोटी–छोटी बातों से अवगत कराएँ। कविता का अर्थ एवं कठिन शब्दों के अर्थ उनकी भाषा में बताएँ।

बातचीत के लिए

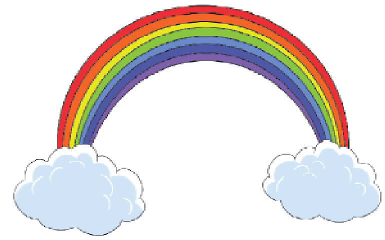

1. अगर चाँद और सूरज न होते तो क्या होता?
2. क्या आपने इंद्रधनुष देखा है?
3. इंद्रधनुष कब बनता है? पता कीजिए।
4. आपने इंद्रधनुष में कौन–कौन से रंग देखे हैं?

सोचिए और लिखिए

1. इन शब्दों से प्रश्न बनाइए –

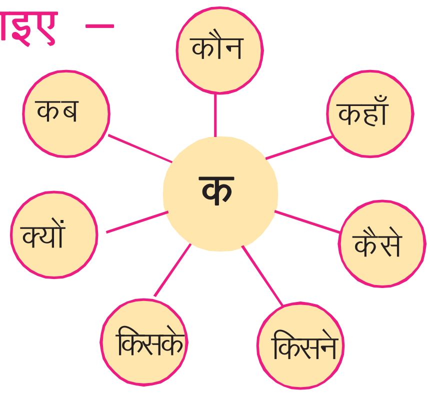

2. कविता के आधार पर नीचे दिए गए वाक्यों को पूरा कीजिए –

(क) अगर पेड़ न होते तो ....

(ख) अगर नदियाँ न होतीं तो ....

(ग) अगर पर्वत न होते तो ....

(घ) अगर फूल न होते तो ....

इसी तरह के कुछ और वाक्य बनाइए और अपनी कॉपी में लिखिए।

3. समझकर एक–एक वाक्य में उत्तर लिखिए।

क. दिन में उजाला हमें किससे मिलता है ?

____

ख. हरियाली किनके कारण दिखाई पड़ती है ?

____

ग. इंद्रधनुष में कितने रंग होते हैं ?

____

आइए कुछ बनाएँ

1. जब आसमान में बादल हों, आसमान को ध्यान से देखिए। आपको कौन–कौन से आकार दिखाई देते हैं? इन बादलों के आकारों के बीच इन्द्रधनुष का चित्र भी बनाइए।

2. नीचे दिए गए चित्रों का मिलान सही शब्द से कीजिए–

झरना

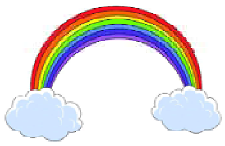

इन्द्रधनुष

नभ

पर्वत

खोजें–जानें

- क्या आपके घर के पास कोई तालाब, नदी, झरना आदि है? क्या वह साफ–सुथरा और खुश है? उसे साफ–सुथरा और खुश करने के लिए हम क्या कर सकते हैं?

- अपने परिवार के दो सदस्यों को चुनिए और उनसे कुछ ऐसे प्रश्न पूछिए जो आप हमेशा पूछना चाहते हैं। प्रश्नों को पहले ही लिख लीजिए, जैसे– आप भाई–बहन से पूछ सकते हैं कि उनका मनपसंद खेल कौन–सा है। माँ से पूछ सकते हैं कि वे बचपन में क्या नटखटी थीं और पिताजी से पूछ सकते हैं कि उन्हें छुट्टी पर कहाँ जाना पसंद है। कक्षा में आकर मित्रों को अपनी बातचीत सुनाइए और उनकी बातचीत भी ध्यान से सुनिए।

अपने बारे में

हर रंग के सामने अपने बारे में कुछ लिखिए–

लाल		मेरी उम्र .... साल है।
नारंगी		मेरे घर में .... लोग रहते हैं।
पीला		मैं .... में रहता/रहती हूँ।
हरा		मुझे .... खाना बहुत पसंद है।
नीला		मेरा मनपसंद रंग .... है।
जामुनी		मुझे .... बहुत पसंद हैं। (जानवर का नाम)
बैंगनी		मैं .... बनना चाहता/चाहती हूँ।

359EL2

पाठ 9

मिट्टी

मिट्टी, बूँद, सोंधी–सोंधी, सुंदर, रंग–बिरंगे, खिलौने, सलोने, मोल

गाँव, गली, खेतों में मिट्टी
बाहर मिट्टी, घर में मिट्टी।
टप–टप, टप–टप बूँद पड़ी तो,
महकी सोंधी–सोंधी मिट्टी।।

मिट्टी से घर बने हैं कितने,
मिट्टी पर वे खड़े हैं कितने।
सुंदर फूल खिलाती मिट्टी,
सबका बोझ उठाती मिट्टी।।

गमले, मटके सजे सलोने,
रंग–बिरंगे बने खिलौने।
कुछ भी मोल न लेती मिट्टी,
सोचो क्या–क्या देती मिट्टी।।

शिक्षण संकेत :– कविता का सस्वर वाचन करें एवं बच्चों को दुहराने के लिए कहें। कविता में आए अपरिचित शब्दों का उनकी भाषा में अर्थ बताएँ।

बातचीत के लिए

1. मिट्टी से कौन–कौन सी चीजें बनती हैं?
2. सोचिए, अगर मिट्टी नहीं होती तो क्या होता?
3. मिट्टी सोंधी–सोंधी कब महकती है?
4. क्या हर तरह की मिट्टी से खिलौने बनाए जा सकते हैं? अपने शिक्षक से पता कीजिए ।

शब्दों का खेल

1. पढ़िए और समझकर लिखिए–

गाँव	–	पाँव	छाँव
महकी	–	....	....
गली	–	....	....
फूल	–	....	....
खिलाती	–	....	....

2. आपने कविता में पढ़ा कि मिट्टी से रंग–बिरंगे खिलौने बनते हैं।
अब आप भी ऐसे ही कुछ और चीजों के नाम लिखिए जो रंग–बिरंगे होते हैं–

रंग-बिरंगे

गुब्बारे

....

....

....

....

खोजें–जानें

पता कीजिए कुम्हार मिट्टी से कौन–कौन सी चीजें बनाता है? इसके लिए वह कौन–कौन सी प्रक्रियाएँ करता है?

आइए, कुछ बनाएँ

मिट्टी लाकर खिलौने बनाइए, जैसे– चक्का, बेलन, लोटा, गिलास आदि।

सूख जाने पर उन्हें मनपसंद रंगों से सजाइए और अपनी कक्षा में रखिए।

सोचिए और लिखिए

1. आपके मनपंसद खिलौनों के नाम लिखिए।

- लकड़ी के खिलौने ....
- प्लास्टिक के खिलौने ....
- रबर के खिलौने ....

2. आपने खेत की मिट्टी तो देखी होगी। खेत की मिट्टी में उगने वाली कुछ वस्तुओं के नाम लिखिए–

1. .... 2. ....

3. .... 4. ....

5. .... 6. ....

पाठ 10

बहुत हुआ

कीचड़, बोरियत, सुआ, दुआ, मौन

बादल भइया
बहुत हुआ !
कीचड़–कीचड़
पानी पानी,

याद सभी को
आई नानी,
सारा घर
दिन रात चुआ।

जाएँ कहाँ !
कहाँ पर खेलें ?
घर में फँसे
बोरियत झेलें।
ज्यों पिंजरे में
मौन सुआ।

सूरज दादा
धूप खिलाएँ,
ताल नदी
सड़कों से जाएँ,
तुम भी भैया
करो दुआ !

शिक्षण संकेत – लयबद्ध कविता पाठ करें और बच्चों को दुहराने को कहें। बरसात के मौसम और उस समय होने वाली परिवर्तनों पर चर्चा करें। उनकी भाषा में कविता का अर्थ बताएँ एवं कठिन शब्दों के अर्थ से भी परिचित कराएँ।

बातचीत के लिए

1. 'बारिश' कहने पर आपके मन में कौन–कौन सी बातें आती हैं?
2. जब बारिश होने लगती है, तब आप कहाँ–कहाँ खेलते हैं?
3. आपको कौन–सा मौसम सबसे अच्छा लगता है और क्यों?
4. सोचकर बताइए, यदि बारिश नहीं होती तो क्या होता?

लिखिए

नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर अपनी कॉपी में लिखिए –

1. सही या गलत पर घेरा लगाइए और कारण बताइए –

क. जब तेज बारिश होती है तो घर के आसपास सूखा ही सूखा दिखाई देता है। (सही/गलत)

ख. बारिश के होने पर बच्चे घर में बच्चे फँसे हुए हैं। (सही/गलत)

ग. बच्चे घर में बोर हो रहे थे। (सही/गलत)

2. 'क्ष' अक्षर की पहचान कीजिए और 'क्ष' से बनने वाले शब्दों को पहचान करके दुबारा लिखिए–

'क्ष' अक्षर की पहचान कीजिए और 'क्ष' से बनने वाले शब्दों को पहचान करके दुबारा लिखिए

शब्द	खुद लिखिए	'क्ष' वाले नए शब्द
पक्षी	....	....
अक्षर	....	....
कक्षा	....	....

आइए कुछ बनाएँ

कागज की एक नाव बनाइए, इसे बनाने में आप अपने मित्र और शिक्षक की सहायता ले सकते हैं।

खोजें–जानें

पता कीजिए, ऐसा क्यों होता है कि तेज बारिश होने पर सड़कें नदियाँ बन जाती हैं।

शब्दों का खेल

जीवों के नाम को उनके चित्र से रेखा खींचकर जोड़िए–

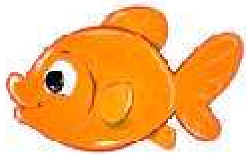

कछुआ

मगर

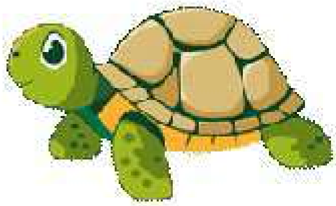

मोर

साँप

मेंढक

मछली

घोंघा

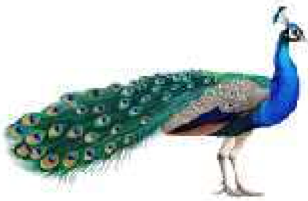

केकड़ा

पहेली

मेंढक को तालाब तक पहुँचने में उसकी सहायता कीजिए –

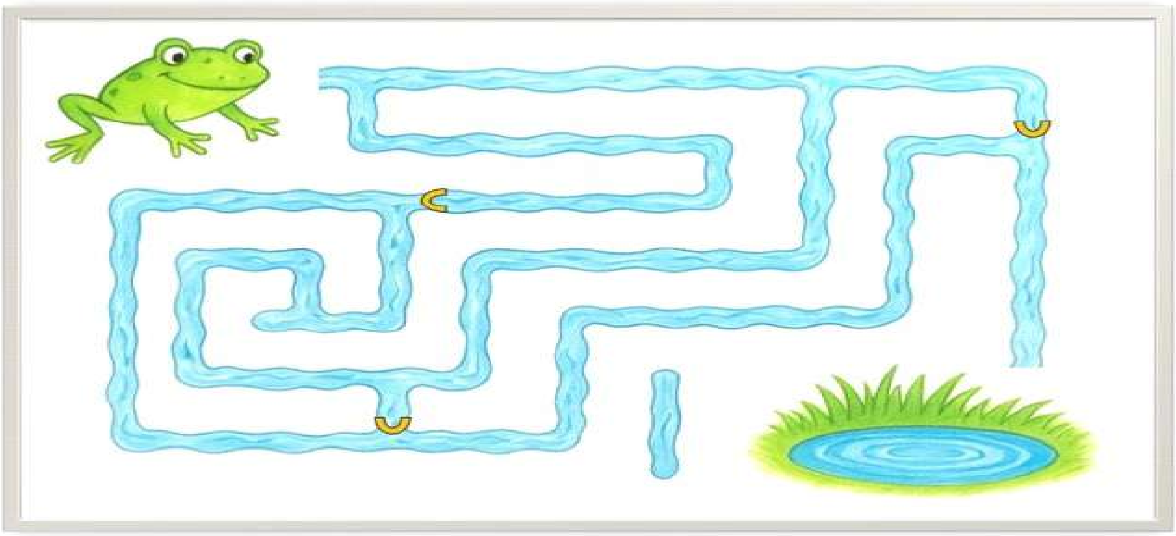

पाठ 11

मड़ई–मेला

36AXSM

चिल्लाना मोहरी फुग्गा मुश्किल

आज हमारे गाँव में मड़ई–मेला है। बुधिया, सुकवारो और संगीता आज सुबह से ही मेले में जाने के लिए तैयार हैं। चैतू, मंगल और समारू भी तेल, कंघी कर तैयार हैं। सभी बच्चे खाना खाकर मेला देखने चल पड़े।

वे मेले के करीब पहुँचे तभी उन्हें रहँचुली की आवाज सुनाई पड़ने लगी। जल्दी–जल्दी चलकर सब मेले में पहुँचे। सभी झूले के पास जाकर डट गए। जैसे ही झूला रुका सभी बच्चे बैठने के लिए कूद पड़े। बैठ जाने के बाद झूला शुरू हुआ। बच्चे खुशी से चिल्लाने लगे। समारू को बहुत डर लग रहा था। उसने अपना मुँह छुपा लिया था।

सभी झूला झूलकर वहाँ से आगे बढ़े। इतने में ही दफड़ा, निसान और मोहरी बाजे की आवाज सुनाई पड़ने लगी। सभी ओर खुशी का शोर उठा– ''मड़ई आ गई, मड़ई आ गई।''

सुंदर रंग–बिरंगी पोशाकों और फूल–मालाओं से सजे राउत लोगों का समूह दिखाई पड़ा। सभी लोग बाजे की धुन पर नाचते हुए आगे बढ़ रहे थे।

राउतों के मुखिया के हाथ में मड़ई थी। राउत लोग इसे गाँव से परघाकर मेले में लेकर आ गए थे। मड़ई को मेले में गाड़कर लोग उसकी पूजा करते रहे। राउतों का नाच बाजे–गाजे के साथ चल रहा था। अब मेला पूरी तरह से भर चुका था।

मेले में तरह–तरह की दुकानें थीं। रंगीन फुग्गों से मेले में बहार आ गई थी। बच्चों ने गुलगुला, भजिया, मुर्रा लाड़ू, करी लड्डू खरीदे और खाते हुए घूमते रहे। सुकवारो ने जलेबी खाई। समारू एक बड़ा–सा गन्ना खरीद लाया। गन्ने के टुकड़े बनाकर सभी गन्ना चूसते रहे।

सभी बच्चे खिलौने की दुकान पर पहुँच गए। सुकवारो ने जहाज़, संगीता ने गुड़िया और बुधिया ने रेल खरीदी। चैतू ने मोर, मंगल ने कार और समारू ने एक बड़ी गेंद ली। सब बच्चे घूम–घूमकर सामान खरीदते रहे। अंत में सभी ने तरह–तरह के फुग्गे खरीदे। सभी बच्चे एकत्र हो जाने के बाद वापस घर की ओर चल पड़े। वे बहुत खुश लग रहे थे।

शिक्षण संकेत :– संयुक्त वर्ण वाले शब्दों के उच्चारण एवं लेखन का अभ्यास करवाएँ। कठिन शब्दों के अर्थ उनकी भाषा में बताएँ। प्रश्नों के अभ्यास यथास्थान पेंसिल से करवाएँ। बच्चों को आरोह–अवरोह के साथ पढ़ना सिखाएँ।

बातचीत के लिए

1. आपके गाँव में मड़ई–मेला कब लगता है? उसमें आप क्या–क्या करते हैं?
2. मड़ई–मेले में आपको सबसे पहले क्या करना अच्छा लगेगा और क्यों?
3. आप मेले में जाएँगे तो क्या–क्या खरीदेंगे?
4. मड़ई–मेले में आप अपने साथ किन्हें ले जाना चाहेंगे और क्यों?

सोचिए और लिखिए

1. आपने मड़ई–मेले में कौन–कौन सी वस्तुएँ देखी हैं? नाम लिखिए –

   ....

2. मड़ई–मेले में बच्चे किन–किन चीजों का आनंद ले सकते हैं? उनके नाम लिखिए –

   ....

शब्दों का खेल

1. शब्दों की रेलगाड़ी

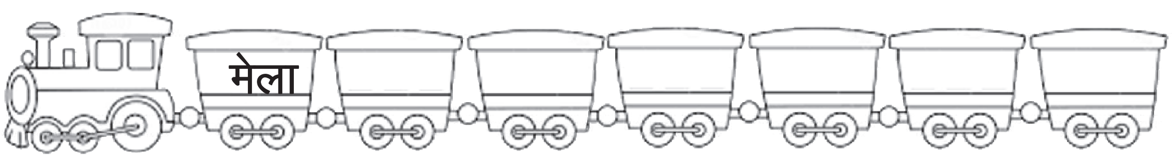

2. इन शब्दों को पढ़िए। बच्चों और वस्तुओं के नाम अलग–अलग लिखिए –

बुधिया, दफड़ा, फूल, चैतू, जहाज, मंगल, समारू, गेंद, फुग्गा, संगीता, झूला, सुकवारो

बच्चों के नाम	वस्तुओं के नाम
....	....
....	....
....	....

आइए, कुछ बनाएँ

1. झूले के चित्र में रंग भरिए –

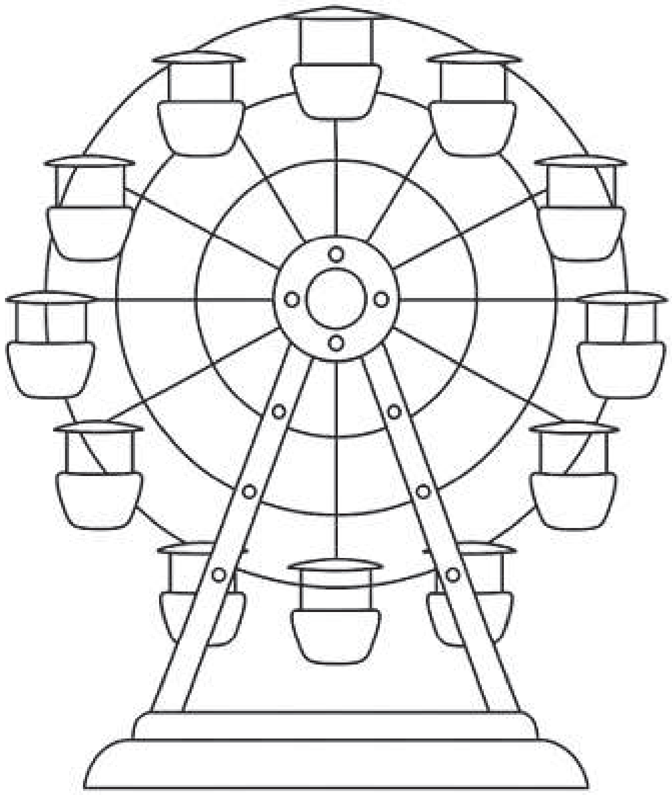

2. खिलौने की इस दुकान से आप क्या–क्या खरीदना चाहेंगे –

कहानी लिखिए

ऊपर दिए गए चित्रों में एक कहानी छुपी है। छुपी कहानी को अपने शब्दों में लिखिए।

....

....

....

....

पाठ 12

ऊँट चला

ऊँट बोझ फँसेगा ऊँचा गर्दन करवट

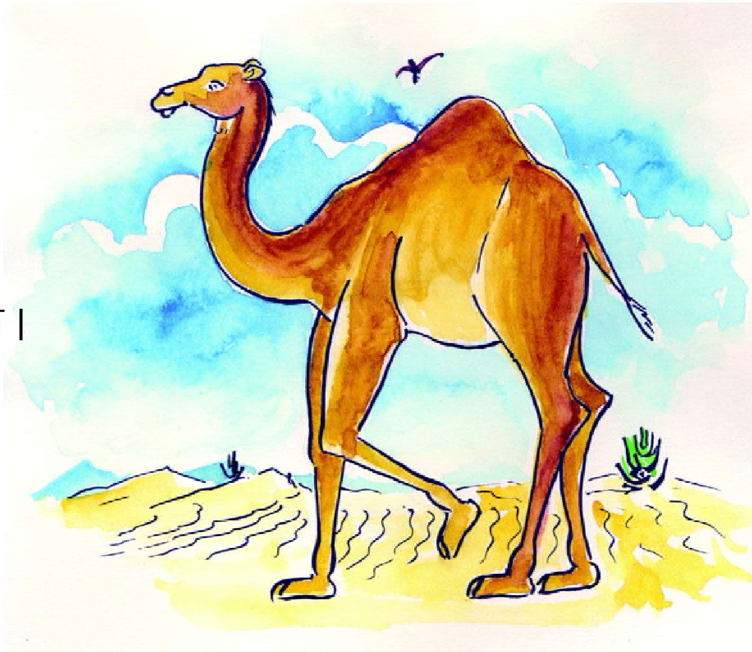

ऊँट चला भई, ऊँट चला
हिलता–डुलता ऊँट चला।

इतनी लंबी टाँगों वाला
ऊँची लंबी गर्दन उसकी।

ऊँची गर्दन, ऊँची पीठ,
पीठ उठाए, ऊँट चला।

बालू है तो होने दो,
बोझ ऊँट को ढोने दो।

नहीं फँसेगा बालू में,
बालू में भी ऊँट चला।

जब थककर बैठेगा ऊँट,
किस करवट बैठेगा ऊँट?

बता सकेगा कौन भला?
ऊँट चला भई, ऊँट चला।

शिक्षण संकेत – कविता को लयपूर्वक गाएँ और बच्चों को दुहराने को बोलें। अपरिचित शब्दों के अर्थ उनकी भाषा में बताएँ। चंद्रबिंदु वाले शब्दों का उच्चारण करना सिखाएँ।

बातचीत के लिए

1. ऊँट की ऐसी कोई दो विशेषताएँ बताइए, जो उसे अन्य किसी भी जानवर से अलग करती हैं।

2. सवारी के काम आने वाले जानवरों के नाम बताइए।

3. कविता पढ़कर आपको ऊँट की कौन–सी आदत सबसे अच्छी लगी और क्यों?

4. लंबी टाँगों वाले अन्य जानवर कौन–कौन से हैं?

सोचिए और लिखिए

1. ऊँट से ऊँची और छोटी चीजों तथा जीवों के नाम लिखिए –

ऊँचे	छोटे
पेड़	खरगोश
....	....
....	....
....	....

2. नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर लिखिए –

क. ऊँट की गर्दन कैसी होती है?

....

ख. ऊँट किस काम आता है?

....

ग. अगर ऊँट बातें करता तो आप ऊँट से क्या–क्या बातें करते? बताइए।

....

शब्दों का खेल

चंद्रबिंदु वाले तथा बिना चंद्रबिंदु वाले शब्दों को छाँटकर अलग–अलग लिखो।

पूँछ, फूल, ऊन, झूठ, ऊँच, ठूँठ, खूँट, छूट, धूप, ऊँट, आँसू।

चंद्रबिंदु वाले शब्द	बिना चंद्रबिंदु वाले शब्द
________, ________	________, ________
________, ________	________, ________

चित्रकारी और लेखन

चित्रों में रंग भरिए। सोचिए ये दोनों आपस में क्या–क्या बातचीत करेगें? लिखिए–

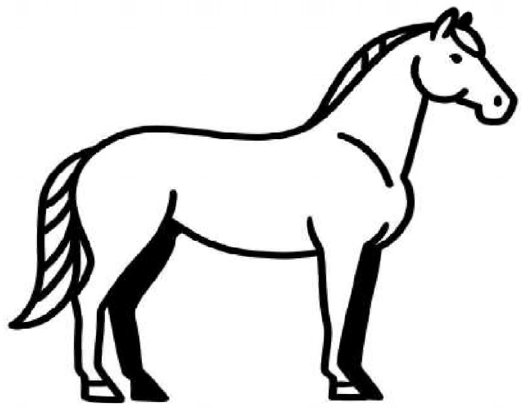

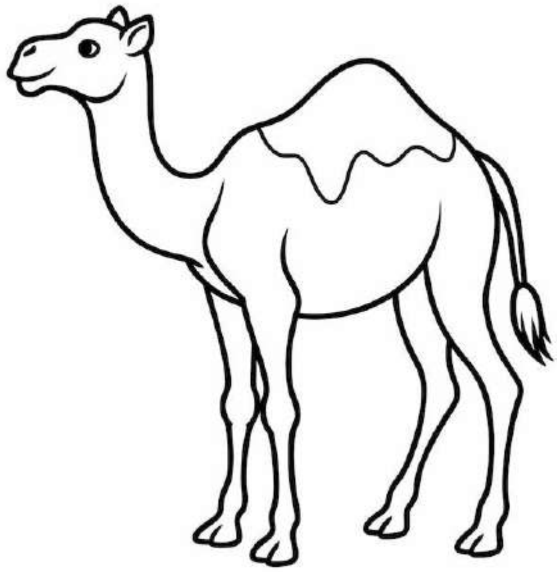

....

....

....

....

....

झटपट कहिए

कविता पढ़कर मजा लीजिए।

कुछ ऊँट ऊँचा
कुछ पूँछ ऊँची
कुछ ऊँचे ऊँट की
पीठ ऊँची

"ऊँट" शब्द जल्दी–जल्दी बोलकर देखिए।

पाठ 13

आई एक खबर

दिल्ली मच्छर मक्खी आँसू टिड्डे समंदर

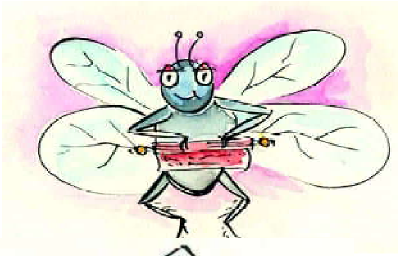

अभी खबर दिल्ली से आई,
मक्खी रानी उसको लाई।
टिड्डे ने हाथी को मारा,
हाथी क्या करता बेचारा?

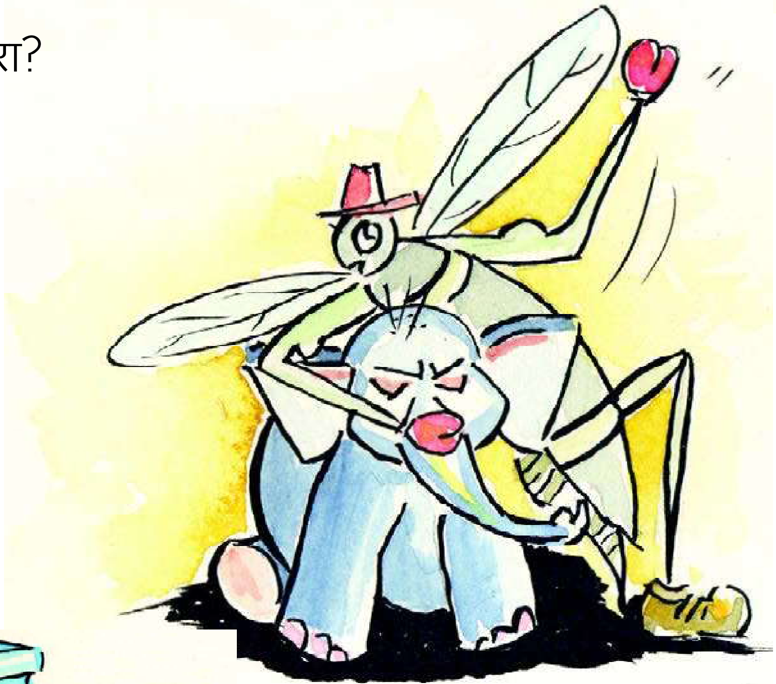

घुस बैठा मटके के अंदर,
मटके में थे ढाई बंदर।
उन्हें देखकर हाथी रोया,
रोते–रोते फिर वह सोया।

रुकी नहीं आँसू की धारा,
मटका बना समंदर खारा।
लगे डूबने हाथी बंदर,
फँसे हुए थे उसके अंदर।

रोना सुनकर आया मच्छर,
लात जमाई उसने कसकर।
मटका फूटा बहा समंदर,
निकल पड़े सब हाथी, बंदर।

शिक्षण संकेत :– कविता का उचित लय के साथ पाठ करें और बच्चों से दुहराने के लिए कहें। संयुक्ताक्षर वाले शब्दों का अभ्यास करवाएँ। पाठ के बाद अनुस्वार – तथा आधे 'न' (न्) को आपस में बदलकर शब्द लिखवाएँ। जैसे – 'अन्दर से अंदर'। चित्रों का उपयोग करें। पाठ में आए कठिन शब्दों के अर्थ उनकी भाषा में बताएँ।

बातचीत के लिए

1. मटका कितना बड़ा रहा होगा कि उसके अंदर हाथी आ गया?
2. मक्खी रानी क्या खबर लाई?
3. आपको खबरें कहाँ–कहाँ से मिलती हैं?
4. अपने गाँव शहर में हुई किसी घटना की खबर सुनाइए।

शब्दों का खेल

1. कविता में आए संयुक्ताक्षर वाले शब्दों को छाँटकर बताइए और लिखिए –

जैसे – मक्खी, ...

....

2. मिलते जुलते शब्द लिखिए।

उदाहरण– धारा चारा खारा

अंदर ——————, ——————, ——————

लात ——————, ——————, ——————

3. वाक्य बनाइए–

मटका ....

बंदर ....

खोजें–जानें

कविता की इस पंक्ति को पढ़िए–

अभी खबर दिल्ली से आई, मक्खी रानी उसको लाई।

इस पंक्ति में 'खबर शब्द का क्या अर्थ हो सकता है? जरा सोचिए! हमें खबरें कहाँ–कहाँ से मिलती हैं। जैसे– अखबार।

अखबार में से खोजकर अपनी पसंद की किसी दो खबर का टुकड़ा काट कर अपनी कॉपी में चिपकाइए।

आइए कुछ बनाएँ

कोई एक पुराना गत्ता लीजिए। उसमें अपने शिक्षक की मदद से हाथी, बंदर और अन्य जानवरों की आकृतियाँ छापिए। कैंची से उसके किनारे सावधानी से काटिए। उसमें रंग भरकर झाड़ू की मोटी सींक चिपकाइए। सूखने के बाद इन पपेट्स से अपने साथियों के साथ मिलकर कहानी का अभिनय कीजिए।

झटपट कहिए

फूफा के फुग्गा पर
फिर मिला फलाहारी
फाफड़ा।

भैया भाभी को भायी
भागलपुर की भारी भरकम
भेंट।

पाठ 14

चूहे को मिली पेंसिल

पेंसिल	ढूँढ़	आखिरी	अजीब

एक बार एक चूहा खाने के लिए कुछ ढूँढ़ रहा था।

1

उसे एक पेंसिल मिली। चूहा पेंसिल लेकर उसे उलट–पलट कर देखने लगा।

2

''मुझे छोड़ दो, मुझे जाने दो'' ,पेंसिल चूहे से गिड़गिड़ाकर बोली, ''मैं तुम्हारे किस काम की हूँ, लकड़ी का टुकड़ा हूँ। खाने में भी अच्छी नहीं लगूँगी।''

3

''मैं तुम्हें कुतरूँगा,'' चूहे ने कहा।

''मुझे अपने दाँत पैने और छोटे रखने के लिए हमेशा कुछ–न–कुछ कुतरना पड़ता है।'' और चूहे ने पेंसिल कुतरना शुरू कर दिया।

''उई! मुझे दर्द हो रहा है। तुम मुझे आखिरी चित्र बना लेने दो, फिर तुम चाहे जो करना।''

4

''ठीक है,'' चूहे ने कहा। ''तुम चित्र बना लो; फिर मैं चबाकर तुम्हारे टुकड़े–टुकड़े कर दूँगा।''

पेंसिल ने ठंडी साँस ली। फिर उसने एक बड़ा–सा गोला बना दिया।

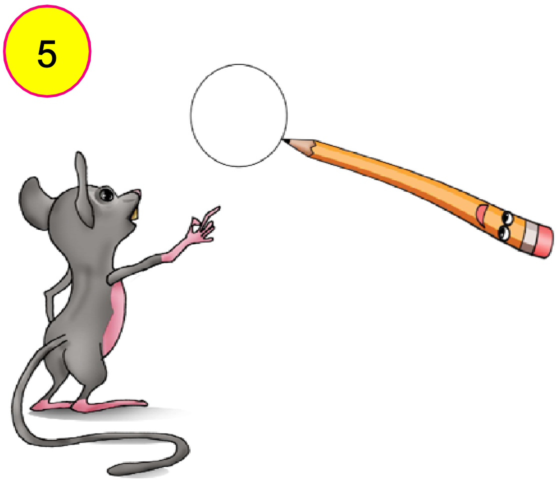

''यह क्या पनीर का टुकड़ा है?'' चूहे ने पूछा।

''हाँ, हम इसे पनीर ही कहेंगे'' पेंसिल ने कहा।

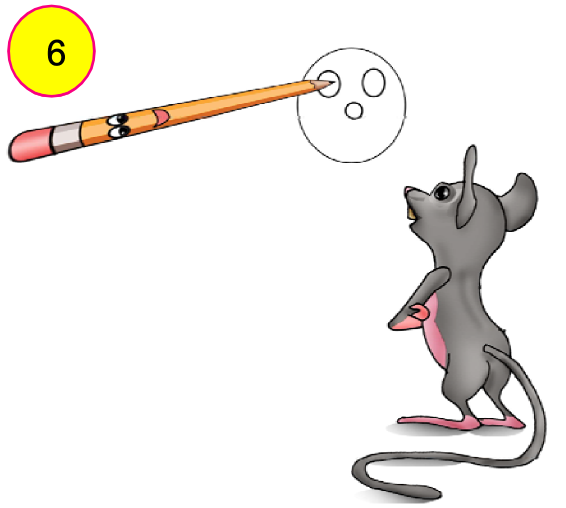

फिर पेंसिल ने बड़े गोले के अंदर तीन छोटे गोले बना दिए।

''हाँ, अब यह पनीर ही लग रहा है।'' चूहे ने कहा। ''इसमें तो छेद नजर आ रहे हैं।''

''चलो, हम इन्हें पनीर में छेद बोलेंगे।'' पेंसिल ने मान लिया और उसने बड़े गोले के नीचे एक और बड़ा गोला बनाया।

''अरे, यह तो सेब है,'' चूहा चहका। ''हाँ, इसे सेब कह लेते हैं,'' पेंसिल ने कहा।

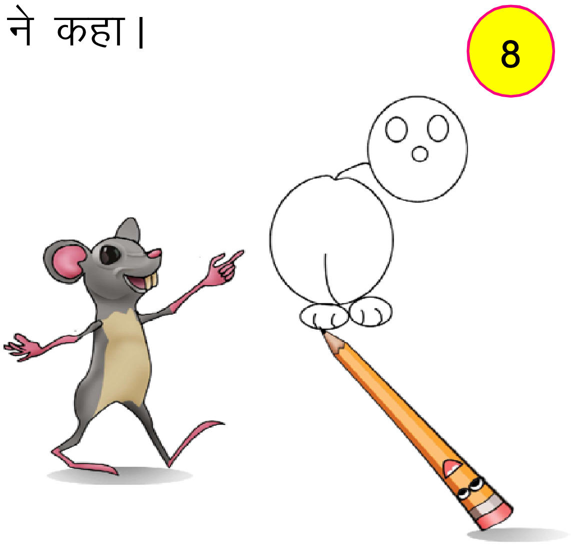

पेंसिल फिर दूसरे बड़े गोले के पास कुछ अजीब–से चित्र बनाने लगी।

''अरे, वाह! अब तो मजा ही आ गया। यह तो चमचम है।''

9

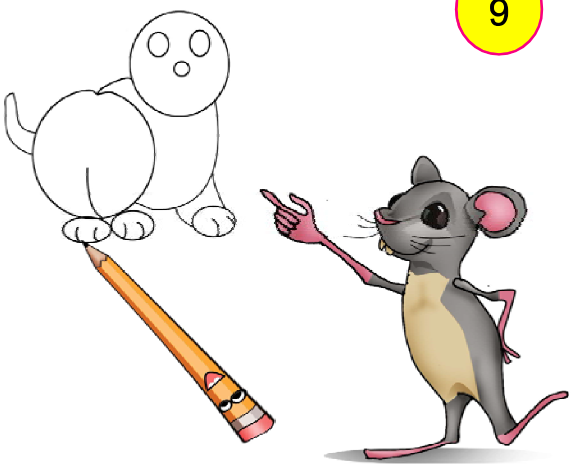

चूहे के मुँह में पानी आने लगा। ''जल्दी करो! मुझे खाना है।''

पेंसिल ने ऊपरवाले गोले के ऊपर दो छोटे तिकोन बना दिए।

10

''अरे, अरे'' चूहा चीखा। ''अब तो तुम उसे बिल्ली की तरह बनाने लगीं। और आगे मत बनाओ।''

लेकिन पेंसिल बनाती गई। उसने ऊपर के गोले पर लम्बी–लम्बी मूँछें और मुँह बनाया।

11

चूहा डरकर चिल्लाया, ''अरे, बाप रे! यह तो बिल्कुल असली बिल्ली लग रही है। बचाओ।''

ऐसा कहकर वह भागकर अपने बिल के अंदर घुस गया।

12

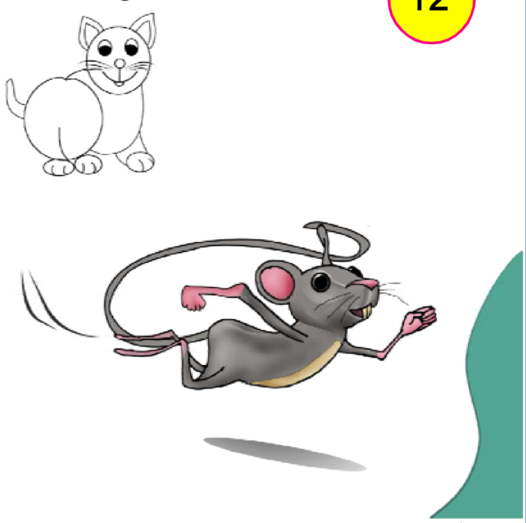

क्या तुम भी एक बिल्ली का ऐसा चित्र बना सकते हो, जिसे देखकर चूहा डर जाए?

बातचीत के लिए

1. यदि आपको पेंसिल मिल जाए तो आप क्या–क्या करेंगे?
2. चूहा क्या–क्या चीजें कुतर सकता है?
3. पेंसिल ने बिल्ली का ही चित्र क्यों बनाया होगा?
4. यदि चूहा पेंसिल की बात नहीं मानता तो क्या होता?
5. क्या होता अगर चूहे ने पेंसिल से दोस्ती कर ली होती?

शब्दों का खेल

1. 'ढ', 'ड', 'ड़' और 'ढ़' वाले शब्द बनाइए फिर सभी शब्दों को जोर से पढ़िए। क्या 'ढ', 'ड', 'ड़' और 'ढ़' की ध्वनियाँ बोलने–सुनने में अलग लगती हैं?

'ढ' वाले शब्द	'ड' वाले शब्द	'ड़' वाले शब्द	'ढ़' वाले शब्द
मेंढक	डमरू	घड़ी	कढ़ाई
....	....	....	....
....	....	....	....
....	....	....	....

2. उलट–पलट का खेल –

ता	ज	म	ह	ल

ऊपर दिए गए ताजमहल शब्द के वर्णों से कुछ नए शब्द बने हैं जैसे – ताज, महल, लता, हल, ताल, मल

इसी तरह नीचे लिखे शब्द में से तुम भी कुछ शब्द बनाइए –

क	म	ल	क	क	ड़ी

3. सही शब्द चुनकर खाली स्थान भरिए –

(कुतरना, भागकर, चिल्लाया, आखिरी, तीन)

क. चूहा —————————————— दूसरे बिल में घुस गया।

ख. चूहे ने पेंसिल —————————— शुरू कर दिया।

ग. पेंसिल ने कहा,– "मुझे एक ———————— चित्र बना लेने दो।"

घ. फिर पेंसिल ने बड़े गोले के अंदर ——————— छोटे गोले बना दिए।

ङ. चूहा डरकर ————————————, "अरे बाप रे!"

सोचकर लिखिए

1. चूहा पेंसिल क्यों कूतरना चाहता था?

....

2. पेंसिल ने किसका चित्र बनाया?

....

3. चमचम क्या होता है?

....

चित्रकारी

रंग – बिरंगे कागज के टुकड़े करके चूहे के चित्र में चिपकाइए–

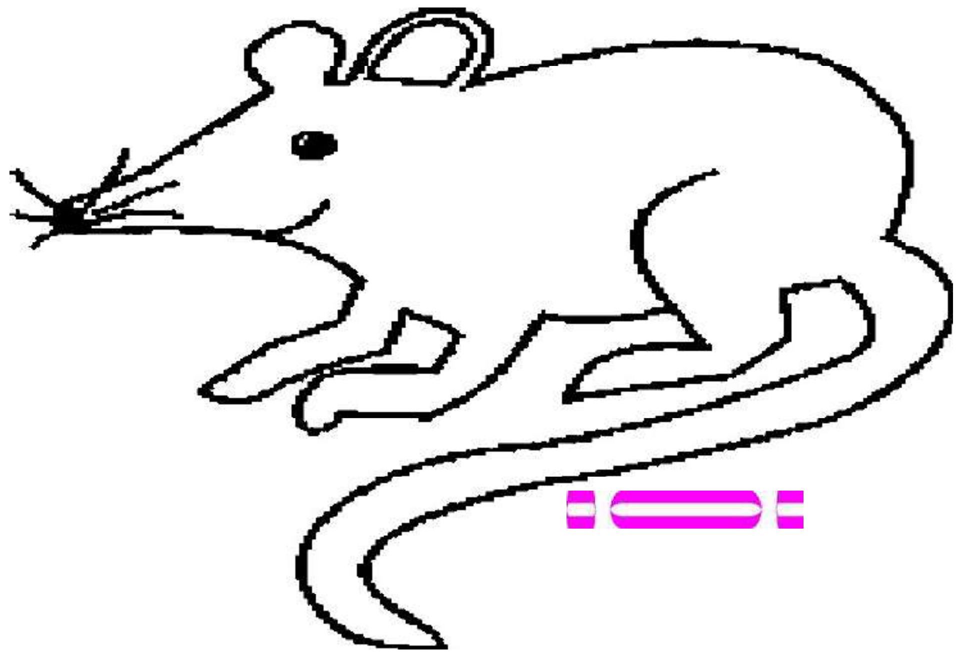

38E16T

पाठ 15

धूप

कण	पर्वत	आँगन	पंछी	पत्ते	पंख

बीती रात हुआ उजियारा
घर–आँगन में उतरी धूप।
कण–कण में, पत्ते–पत्ते पर
हँसती–गाती बिखरी धूप।
पर्वत की चोटी पर उछली
झरनों के सँग खेली धूप।

सागर की लहरों पर नाची
सबकी बनी सहेली धूप।
पंछी के पंखों पर चमकी
फूलों पर लहराई धूप।
धरती के कोने–कोने तक
देने लगी दिखाई धूप।

शिक्षण संकेत :– शिक्षक कविता का वाचन सस्वर, उचित यति–गति, लय तथा हाव–भाव के साथ करें और बच्चों से दुहराने को कहें। सूरज के साथ प्राकृतिक दृश्यों वाले चित्र का उपयोग कर पाठ को पढ़ाएँ। कठिन शब्दों को पूछकर बच्चों से ही उनके अर्थ निकलवाने का प्रयास करें। यथा अनुसार विलोम शब्द, वाक्य प्रयोग इत्यादि द्वारा उनकी सहायता भी करें।

बातचीत के लिए

1. धूप को, सबकी सहेली क्यों कहा गया है?
2. अगर धूप न निकले तो क्या होगा?
3. आपको धूप कब अच्छी लगती है, और कब अच्छी नहीं लगती है?
4. आप धूप को एक सहेली दोस्त मानें, तो उससे क्या–क्या बातें करेंगे?
5. धूप किस–किस काम आती है?

शब्दों का खेल

1. दी गई पंक्तियों को पूरा कीजिए –

.... में उतरी धूप।

.... बिखरी धूप।

.... के संग खेली धूप।

.... पर लहराई धूप।

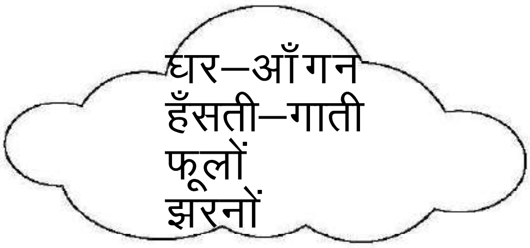

2. 'मित्र' शब्द में 'त्र' वर्ण आया है।

नीचे कुछ शब्द दिए गए हैं जिनमें 'त्र' वर्ण है। उन शब्दों को छाँटकर नीचे लिखिए–

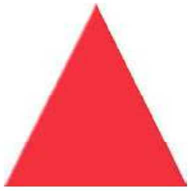

पत्र, दोस्त, पात्र, कमल, त्रिकोण, त्रिशूल, मक्खी, अचार, वस्त्र

----------- -----------

----------- -----------

3. दिए गए शब्दों में का, की, के, को जोड़कर शब्द बनाइए और पढ़िए –

	का	की	के	को
उस	.....उसका.......	....	....	....
किस	....	....	....	....
सब	....	....	....	....

4. पाठ में आए जोड़े वाले शब्द छाँटकर लिखिए, जैसे–

घर–आँगन पत्ते–पत्ते

....

5. नीचे दी गई तालिका से दिए गए शब्दों के विपरीत अर्थ वाले शब्द ढूँढ़कर लिखिए –

इ	शा	आ	च	ढ़ी	क
से	दो	म	ग	ला	छाँ
पु	रा	नी	रो	ई	व
ना	सू	जे	नी	ना	न

नई	.......पुरानी......	सुबह	....
आई	....	हँसना	....
उतरी	....	धूप	....

चित्रकारी

सूरज चिड़िया और फूल का चित्र बनाइए–

38HSA4

पाठ 16

छोटे–छोटे कदम

कदम, खूब, सुंदर

छोटे–छोटे कदम हमारे,
आगे बढ़ते जाएँगे।
पढ़ना कभी न छोड़ेंगे हम,
हर दिन पढ़ने जाएँगे।

छोटे–छोटे हाथ हमारे,
गड्ढे खूब बनाएँगे।
इन गड्ढों में अच्छे, सुंदर,
पौधे खूब लगाएँगे।

घर–आँगन को साफ रखेंगे,
गलियाँ साफ बनाएँगे।
कैसे जीना हमें चाहिए,
जीकर हम दिखलाएँगे।

शिक्षण–संकेत – बच्चों को लय के साथ कविता पढ़ने के लिए प्रोत्साहित करें। वे अपनी अलग लय के साथ भी पढ़ सकते हैं। बच्चों को बताएँ कि कोई भी कार्य छोटा नहीं होता। उन्हें यह भी बताएँ कि मेहनत करने से कभी घबराना नहीं चाहिए, जो काम हाथ में लें उसे पूरा करके ही छोड़ना चाहिए। कठिन शब्दों के अर्थ उनकी भाषा में बताएँ।

बातचीत के लिए

1. पढ़ना क्यों जरूरी है?
2. घर, सड़क, स्कूल सभी जगह सफाई क्यों जरूरी है?
3. कविता में किसके बारे में बात कही गई है?
4. यदि हम साफ–सफाई का ध्यान न रखें तो हमारे जीवन पर क्या असर पड़ेगा?
5. अगर कोई बच्चा स्कूल नहीं जा पाता, तो हम उसकी मदद कैसे कर सकते हैं?
6. छोटे बच्चे भी अपने से बड़े लोगों को कैसे प्रेरित कर सकते हैं?

शब्दों का खेल

1. पढ़िए, समझिए और लिखिए–

(अ) गली	–	गलियाँ	पेड़	–	पेड़ों
कली	–	....	बैल	–	....
सखी	–	....	घर	–	....
चक्की	–	....	दिन	–	....

2. कविता में जिन शब्दों में क, ह, ग, का प्रयोग हुआ है, उन्हें लिखिए,

जैसे –

क	–	कदम,	....	....
ह	–	हम,	....	....
ग	–	गलियाँ,	....	....

मिलकर पढ़िए

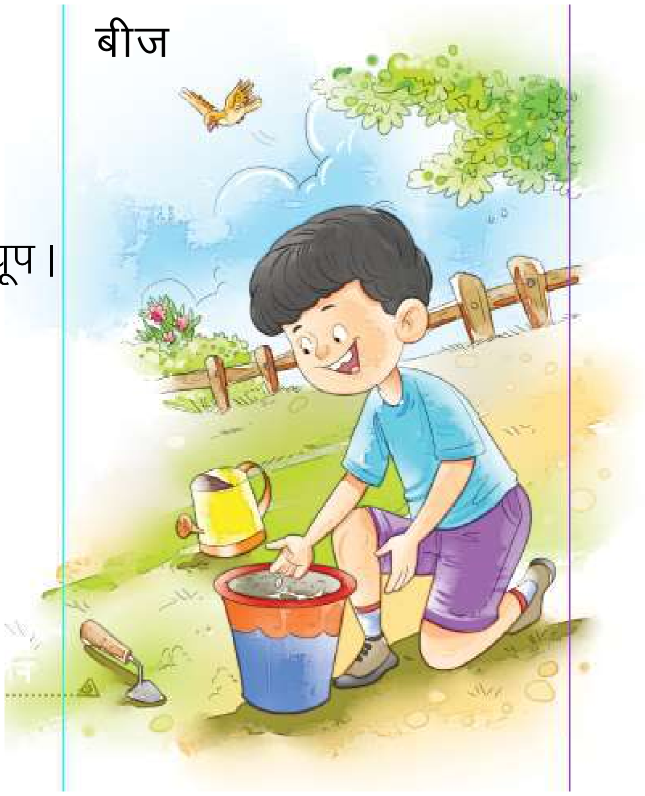

मुझे एक बीज मिला।
मैंने उसको गमले में डाला।
मैंने उसे पानी दिया और बहुत सारी धूप।
क्या यह पेड़ है?
क्या यह झाड़ी है?
क्या इसमें फूल होंगे?
क्या इसमें फल होंगे?
क्या यह लम्बा ऊँचा होगा?
क्या यह छोटा ही रहेगा?
मुझे नहीं पता।
कोई फर्क नहीं पड़ता!

–दीपा बलसावर

खोजें–जानें

■ किसी पुराने बर्तन या गमले में काले चनों को बोएँ। कुछ ही दिनों बाद चनों से हरे–भरे, छोटे–छोटे डंठल और पत्ते उगने लगेंगे। देखें, उन्हें उगने में कितना समय लगता है और कितना पानी और धूप।

■ अखबार में से खोजकर पर्यावरण से संबंधित किन्हीं चित्रों खबरों को काटकर नीचे दी गई जगह पर चिपकाइए। घर में किसी बड़े व्यक्ति से इनके बारे में पूछकर आइए और कक्षा में इनके बारे में बताइए.–

पाठ 17

चित्रकोट जलप्रपात

39FJDE

मनोरम	जलप्रपात	संगीत	अस्त होना	बैठक कक्ष	आनंद

ऋचा और रजनीश छुट्टियों में बस्तर घूमने आए हैं। इनके मामा जगदलपुर में रहते हैं। मामा की बैठक कक्ष में चित्रकोट जलप्रपात का एक बहुत बड़ा चित्र टँगा था। रजनीश ने मामा से पूछा, ''मामा जी! प्रपात का यह चित्र कहाँ का है?''

मामा ने कहा – ''अरे! यह चित्र तो बस्तर के ही जलप्रपात का है। हम तुम्हें कल यह प्रपात दिखाने ले चलेंगे।''

दूसरे दिन मामा किराए की जीप लेकर आ गए। सभी लोग तैयार होकर बैठे थे। जल्दी ही सब जीप में सवार हो गए। चित्रकोट जगदलपुर से लगभग 40 किलोमीटर दूर है। जीप 1 घंटे में चित्रकोट पहुँच गई। जलप्रपात अब उनके सामने था।

लगभग 30 मीटर (100 फीट) की ऊँचाई से इन्द्रावती नदी यहाँ गिरती है। जलधारा यहाँ दूध की तरह दिखाई दे रही थी। नीचे जहाँ धारा गिर रही थी, वहाँ से धुआँ–सा उठता दिखाई दे रहा था। पानी के गिरने से जो शोर हो रहा था, वह संगीत का आनंद दे रहा था। हवा के कारण जल की नन्ही–नन्ही बूँदें बड़ा आनंद दे रहीं थीं।

अब मामा के साथ सब लोग नीचे की तरफ आ गए। यहाँ से जलप्रपात और भी मनोरम लग रहा था। सभी लोग जाकर एक चट्टान पर बैठ गए। सबने वहीं बैठकर खाना खाया। वे सब वहीं बैठे–बैठे प्रपात का आनंद लेते रहे।

सूर्य अब अस्त होने ही वाला था। मामा ने कहा, ''यहाँ से हटने का जी तो किसी का नहीं है, पर अब हमें चलना चाहिए। मामा की आज्ञा थी।

शिक्षण संकेत :– चित्रकोट के जलप्रपात का चित्र प्रदर्शित करें। बच्चों से चित्र के संबंध में प्रश्न पूछें। पानी की बूँदें कैसी दिखाई दे रही थीं। पानी की धारा कैसी ध्वनि कर रही थी ? चर्चा करें। पाठ पढ़ने के लिए हर विद्यार्थी को अवसर दिया जाए। पाठ में आए कठिन शब्दों को उनकी भाषा में बताएँ।

चित्रकोट जलप्रपात

सबने चलते–चलते प्रपात को फिर देखा। अब वे सब जीप की ओर बढ़ रहे थे। चित्रकोट का दृश्य वे सब कभी न भूल पाए।

बातचीत के लिए

1. आप छुट्टियों में कहाँ–कहाँ घूमने जाना चाहते हैं?
2. अपने रिश्तेदारों के नाम बताइए।
3. अगर वहाँ जलप्रपात की जगह केवल नदी होती, तो क्या उतना ही आनंद आता? क्यों?
4. सूर्यास्त के पहले पर मामा ने उन्हें वहाँ से चलने के लिए क्यों कहा?
5. अगर किसी दर्शनीय स्थान पर साफ–सफाई का ध्यान न रखें, तो वहाँ की सुंदरता पर क्या असर पड़ेगा?

नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर अपनी कॉपी में लिखिए –

1. चित्रकोट जलप्रपात जगदलपुर से कितनी दूरी पर है?
2. चित्रकोट जलप्रपात किस नदी पर है?
3. चित्रकोट जलप्रपात की ऊँचाई कितनी है?
4. पानी की बूँदें कैसी दिखाई दे रही थीं?

शब्दों का खेल

1. 'मामा' शब्द को उल्टा लिखने पर 'मामा' ही बनता है। ऐसे ही दूसरे शब्द बनाइए –

....

2. शब्द अंत्याक्षरी को पूरा कीजिए–

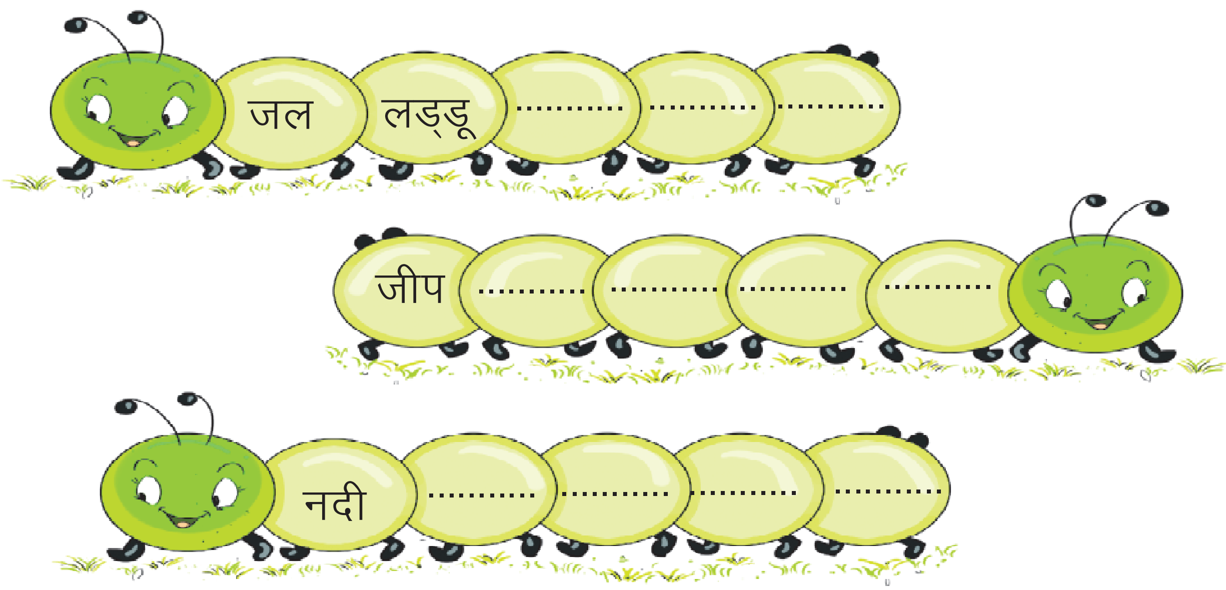

3. सही शब्द चुनकर खाली जगह में लिखिए –

(अस्त, जलप्रपात, आनंद, मनोरम दृश्य)

क. चित्रकोट का ——————————— उनकी आँखों के आगे था।

ख. वहीं बैठे–बैठे वे प्रपात का —————————— ले रहे थे।

ग. सूर्य अब ————————— होने ही वाला था।

घ. यह ————————— का चित्र कहाँ का है?

4. इन शब्दों के उल्टे अर्थ वाले शब्दों को लिखिए –

जल्दी	–	दिन	–
ऊँचा	–	जागा	–
नीचे	–	प्रश्न	–
गिरना	–	आना	–

5. सोचिए, समझिए और लिखिए।

	मैं	हम	तुम	वह	वे
खाना	खाता हूँ।	खाते हैं।	खाते हो।	खाता है।	खाते हैं।
गाना	------	------	------	------	------
खेलना	------	------	------	------	------
दौड़ना	------	------	------	------	------

खेल–खेल में

वर्षा की बूँदें धरती पर गिरती हैं तो कैसी ध्वनि सुनाई देती है? इस तरह करके देखिए –

1. आँखें बंद कीजिए और बाईं हथेली खोलकर रखिए।
2. दाएँ हाथ की तर्जनी से बाईं हथेली पर बजाकर देखिए।
3. फिर से दो उँगलियों से बजाकर देखिए।
4. फिर से तीन उँगलियों से बजाकर देखिए।
5. फिर से चार उँगलियों से बजाकर देखिए।

पाठ 18

क्या है उसका नाम ?

पक्षी,	अक्षर,	तड़के,	कलगी,	मानुष,	पूँछ

1. बड़े सवेरे घर की छत पर, मिलता गाँव–गाँव।
काले रंग का पक्षी होता, करता काँव–काँव।।
बोलो क्या है उसका नाम ------ ?

2. चाँदी जैसी खूब चमकती, घर है उसका पानी।
तीन अक्षर का नाम निराला, है वह जल की रानी।।
बोलो क्या है उसका नाम ------ ?

3. कुकड़ूँ–कूँ बोला करता है, रोज सवेरे तड़के।
सिर पर लाल–लाल कलगी है, चलता खूब अकड़ के।।
बोलो क्या है उसका नाम ------ ?

4. जंगल का राजा कहलाता, खाकर माँस गरजता।
उसे देखकर सब छिप जाते, पत्ता नहीं खड़कता।।
बोलो क्या है उसका नाम ------ ?

5. पेड़ों पर वह उछले–कूदे, झुंड बनाकर रहता।

मानुष जैसी काया उसकी, पूँछ झुलाता रहता।।

बोलो क्या है उसका नाम —————— ?

6. रंग–बिरंगे पंखोंवाली, फूलों पर मँडराती।

हाथ बढ़ाओ तो उड़ जाती, हाथ नहीं वह आती।।

बोलो क्या है उसका नाम —————— ?

7. नदी किनारे बैठा रहता, मछली खाना काम।

लंबी टाँगें, लंबी गर्दन, बोलो जी क्या नाम ?

बोलो क्या है उसका नाम —————— ?

8. तोते का प्यारा खाना है, लेकिन मेरी सी–सी है,

इसका उत्तर दे सकते हो, यह तो बात जरा–सी है।

बोलो क्या है उसका नाम —————— ?

शिक्षण संकेत – इस पाठ में पहेलियाँ पूछी गई हैं। पहेलियों से बच्चे परिचित हैं। हर पहेली को बच्चों से पढ़वाएँ। उत्तर के लिए संकेत दें और पहेली का हल पाठ्यपुस्तक में दिए गए स्थान पर पेंसिल से लिखवाएँ। कुछ अन्य पहेलियाँ पूछने के लिए बच्चों को प्रोत्साहित करें। कक्षा में दो दल बनाकर बच्चों से परस्पर पहेलियाँ पूछने को कहें। बच्चों को पहेली का भाव समझाएँ। पाठ में आए कठिन शब्दों के अर्थ उनकी भाषा में बताएँ।

बातचीत के लिए

1. आपके घर में आपसे पहेलियाँ कौन पूछता है?
2. अपने घर के आसपास पाए जाने वाले पशु–पक्षियों के नाम बताइए।
3. अपने मनपसंद पशु–पक्षियों के बारे में बताइए।
4. निम्नलिखित शब्दों के अर्थ अपनी भाषा में बताइए।

   पक्षी, पहेली, तड़के, कलगी, मानुष, पूँछ
5. नीचे कुछ शब्द दिए हैं। इन शब्दों से एक–एक पहेली बनाइए और कक्षा में सुनाइए–

   तोता, मछली, फूल, पेड़, तितली

खेल–खेल में

1. दिए गए पशु–पक्षियों के बोलने का अभिनय कीजिए–

(क)	कौआ	–	काँव–काँव
(ख)	कोयल	–	....
(ग)	गाय	–	....
(घ)	गधा	–	....
(ङ)	शेर	–	....
(च)	मेंढक	–	....

2. रेखा खींचकर सही जोड़ी बनाइए।

काँव–काँव	–	बंदर
कुहू–कुहू	–	मुर्गा
खों–खों	–	कौआ
टें–टें	–	कोयल
कुकड़ूँ–कूँ	–	तोता

3. एक–एक शब्द में उत्तर लिखिए – **उत्तर**

क. लाल कलगी किसके सिर पर होती है ? ....

ख. फूलों पर कौन मँडराता है ? ....

ग. कौन जंगल का राजा कहलाता है ? ....

घ. जल की रानी किसे कहते हैं ? ....

ङ. पेड़ों पर उछल–कूद कौन करता है ? ....

4. समान तुक वाले शब्द लिखिए।

जैसे– पाला – माला – ताला – नाला

ऐसी – ————————, ————————, ————————

आता – ————————, ————————, ————————

राजा – ————————, ————————, ————————

खाना – ————————, ————————, ————————

5. शाला के आसपास आपको कौन – कौन से जानवर या पक्षी दिखाई देते हैं लिखिए।

पक्षी ....

जानवर ....

आइए कुछ बनाएँ

विभिन्न पत्र – पत्रिकाओं से पक्षियों और जानवरों के चित्र खोजकर उन्हें अपनी कापी में चिपकाइए और उनके नाम लिखिए ।

शब्दों का खेल

अक्षरों को सही क्रम में रखते हुए शब्द बनाइए–

ग रं – ....

ल ज – ....

ग ल जं – ....

ली म छ – ....

ल क गी – ....

सोचिए और लिखिए

	मैं	हम	तुम	वह	वे
खाना	खाता हूँ।	खाते हैं।	खाते हो।	खाता है।	खाते हैं।
गाना	....	....	....	....	....
खेलना	....	....	....	....	....
दौड़ना	....	....	....	....	....

पहेलियाँ

बिना पंख ही उड़ जाती,बाँध गले में डोर।
खींचो तो ऊपर चढ़ जाती,रहे हाथ में छोर।

....

एक थाल मोती से भरा, सिर के ऊपर औंधा धरा। जैसे–जैसे थाल फिरे, मोती उससे एक न गिरे।

....

चार पाँव पर चल न पाऊँ, बिना हिलाए हिल न पाऊँ। फिर भी सबको दूँ आराम,झटपट बोलो मेरा नाम।

....

–साभार, जयप्रकाश भारती,एन.सी.ई.आर.टी.

3I7YCH

पाठ 19

साहसी बनो

प्रसिद्ध, दृश्य, हिम्मत, व्यक्ति

गंगा नदी के किनारे एक प्रसिद्ध शहर है बनारस। बात काफी पुरानी है। उन दिनों बनारस में गंगा के घाट पर बहुत अधिक बंदर हो गए थे। वे इतने निडर थे कि लोगों के हाथ से सामान छीन लेते थे। खाने का सामान तो वे छोड़ते ही नहीं थे।

एक दिन की बात है। नरेन्द्र नाम का एक लड़का बाजार से वापस आ रहा था। उसने कंधे पर एक झोला लटका रखा था। नरेन्द्र थोड़ी दूर ही गया होगा कि एक बंदर उसके पीछे लग गया। बंदर को पीछे आते देख नरेन्द्र ने अपनी चाल बढ़ा दी। बंदर भी तेज चलने लगा।

बंदर को करीब आते देख नरेन्द्र भागने लगा। इस सारे दृश्य को एक सज्जन देख रहे थे। उन्होंने नरेन्द्र को भागने से रोका और कहा– "भागते क्यों हो?"

शिक्षण संकेत – स्वामी विवेकानंदजी का चित्र कक्षा में दिखाएँ। उनके विषय में संक्षेप में बताएँ। बच्चों को बताएँ कि एक बार अमेरिका में संसार के धर्मों के संदर्भ में एक बहुत बड़ी सभा हुई उसमें स्वामी जी ने जो भाषण दिया उसे दुनियाभर के लोगों ने सराहा। साहस और दुस्साहस में अंतर उदाहरण देते हुए समझाएँ।

नरेन्द्र बोला– ''क्या करूँ, बंदर पीछे पड़ा है।'' उस व्यक्ति ने कहा– ''डरकर भागो मत। तुम डर रहे हो इसलिए वह डरा रहा है। रुको, खड़े होकर हिम्मत से उसका मुकाबला करो।''

नरेन्द्र ने हिम्मत दिखाई। वह खड़ा हो गया। उसके खड़े होते ही बंदर भी खड़ा हो गया। नरेन्द्र ने अपना झोला उठाया और मारने दौड़ा। नरेन्द्र को अपनी ओर आता देखकर बंदर भाग गया। बालक को साहस की यह नई सीख मिली। वही बालक नरेन्द्र आगे चलकर दुनिया में स्वामी विवेकानंद के नाम से प्रसिद्ध हुआ।

बातचीत के लिए

1. अगर कोई कुत्ता आपको दौड़ाने लगे, तो आप क्या करेंगे?
2. यदि आप नरेंद्र की जगह होते, तो क्या करते और क्यों?
3. यदि नरेंद्र डरकर भागता ही रहता, तो क्या होता?
4. हमें साहसी होना क्यों आवश्यक है?

शब्दों का खेल

1. 'बाजार' शब्द सुनने पर आपको ठेला, फल आदि तरह अन्य के कौन–से शब्द याद आते हैं? इन शब्दों को लिखिए और आपके शब्द 'बाजार' शब्द से कैसे जुड़ते हैं, सभी को बताइए –

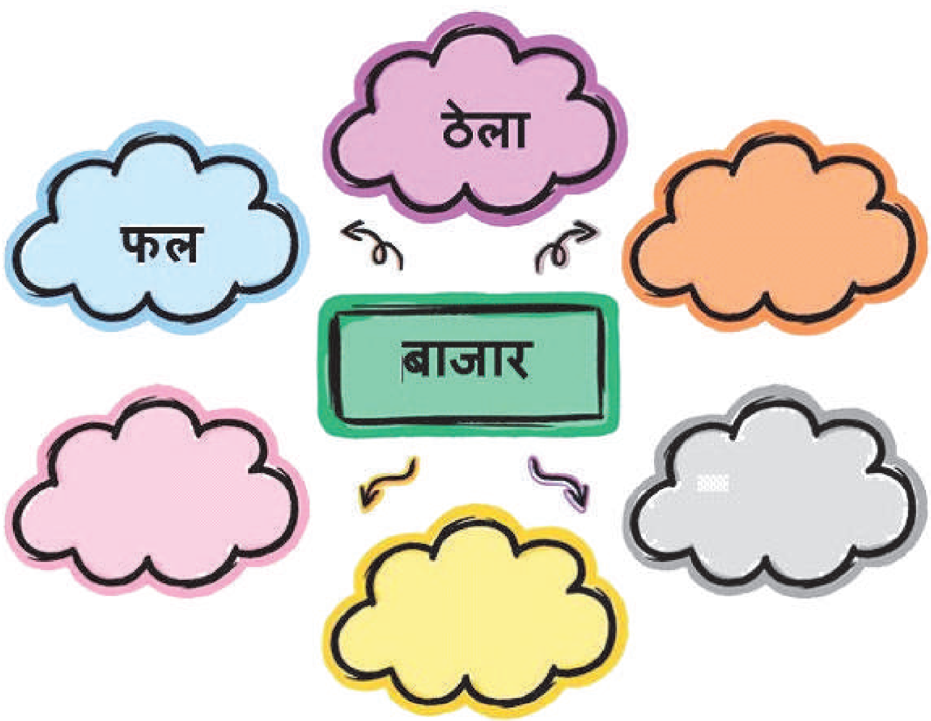

2. आइए शब्दों की अंताक्षरी बनाएँ –

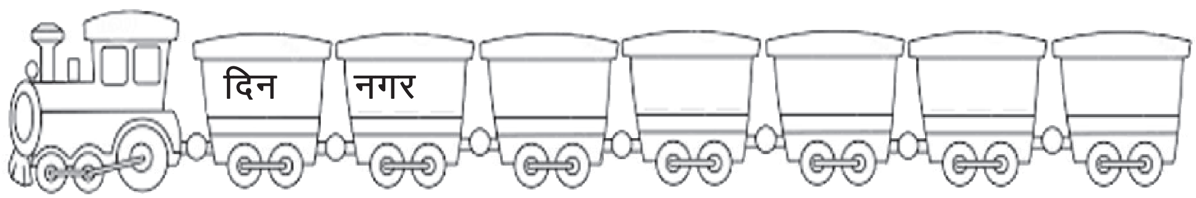

3. मिलान कीजिए और नए शब्द बनाइए–

क.	रेल	मलाई	रेलगाड़ी
ख.	गुलाब	मुखी	....
ग.	चिड़िया	जामुन	....
घ.	सूरज	घर	....
ङ.	रस	गाड़ी	....

4. नीचे लिखे कथन आपके अनुसार सही हैं या गलत। लिखिए।

क. बाजार में नरेन्द्र बंदर के पीछे लग गया। (————————)

ख. बंदर, नरेन्द्र का झोला लेकर भाग गया। (————————)

ग. बंदर, नरेन्द्र से डरकर भाग गया। (————————)

5. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर अपने कॉपी में लिखिए–

क. बनारस का दूसरा नाम क्या है ?

ख. स्वामी विवेकानंद के बचपन का नाम क्या था ?

ग. नरेन्द्र क्यों दौड़ रहा था ?

शब्दों का खेल

कुत्ते हमारे घरो की रखवाली करते हैं ये हमारे सच्चे मित्र हैं। आज वह अपने घर का रास्ता भूल गया है। उसे उसके घर तक पहुँचने में सहायता कीजिए–

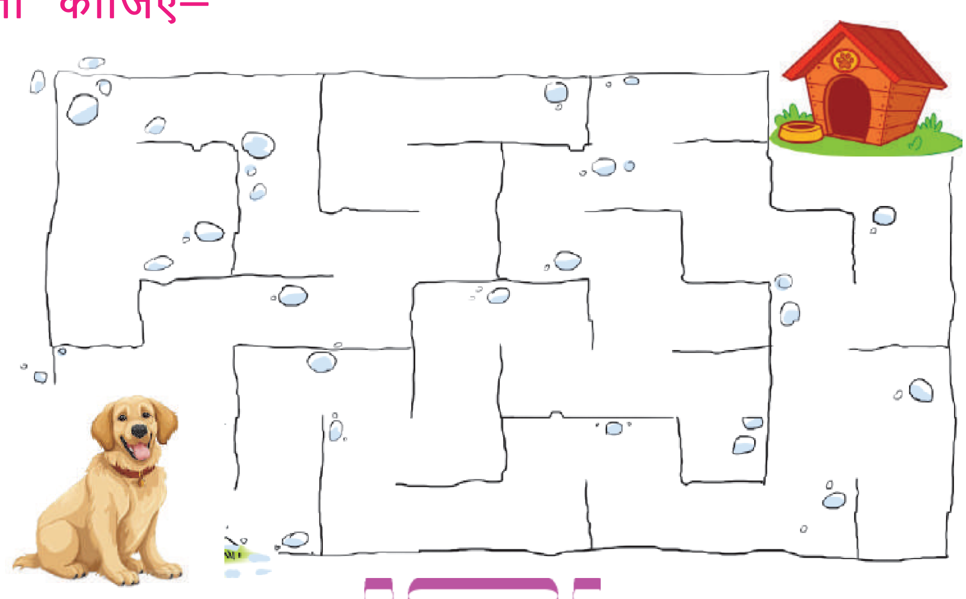

परिशिष्ट

विभिन्न भाषाओं की शब्दावली

हिन्दी	छत्तीसगढ़ी	गोंडी (दंतेवाड़ा)	हल्बी	गोंडी (कांकेर)	सरगुजिहा	कुँड़ुख
पाठ–2 गुड़िया रानी की शादी						
सहेलियाँ						
मित्रता	मिताई	संगवारि	मित	गोत	संगता	संगवारी
गुड़िया	पुतरी	नुनी	पुतरी	पुतरी(खिलौना)	पुतरी	पुतली
गुड्डा	पुतरा	पुतरा	पुतरा	पुतरा	पुतरा	पुतला
बगीचा	बगाइचा	–	बाड़ी	बनबाड़	फुलवारी	बगीचा
पास–पास	तीर–तीर	–	लगे–लगे	हेरे–फेरे	लिघे–लिघे	हेद्दे–हेद्दे
तय करना	तय करना	–	सोर–होलोर	कूर–कियना	निठुर	तय नन्ना
शादी	बीहाव	–	विया	मरमिंग	बियाह	बेंजा
जुट जाना	जुटना	लगेम आयनाद	भिड़ना	–	जुटना	लगना
माँ	दाई	–	टोपा	लगे–मायना	दाई	अयंग
मदद माँगी	मदत माँगना	सहायता तलकानाद	सायता मांगली	संगतलिक्त (स्त्री)	मदेत मांगीस	सहाड़ा–नेया
निमंत्रण	मदत माँगिस	करगंनाद	नेवता	केयना कबीर	नेवता	नेवता
फूल	फूल	फूंगार	फूल	मुगार	फूल	पूंप
माला	माला	नेरेक	माला	नेर्क	माला	माला
भैया	भइया	दादा	दादा	दादा	ददा	कोहां दादा
मिठाई	मिठाई	मिटेय	मिठई	सरबोन	मिठई	मिठाई
घर	घर	लोन	लोन	लोन	घर	एड़पा
पंडित	महराज	–	वामन	–	पंडित	बैगा
ढोलक	ढोलकी	–	ढोल	–	ढोलकी	ढुलकी
बधाई गाना	बधई गाना	–	–	–	बधाई गाना	बेंजा डण्डी
पाठ–3 कौन बोला म्याऊँ						
पिल्ला	कुकुर के पिला	पुसाल पिल्ला	कुकुर पिला	पीला	छउवा	अल्ला खद्दो
उठ बैठा	उठ के बइठगे	तेदी उद्ता	उठुन बसलो	तेद्स् उदीतूर	उइठ बइठिस	चोचा ती उकिया
झाड़ी	झाड़ी (झाड़ी–झखरी)	झिपते	लाटा	टुट्टा	झुरमुट	खोप्पा
खाट	खटिया	कटूल	खटेया	कट्टुल	खाटी	खटी
इधर, उधर	एती–ओती /एती–उती	इके–आके	ए बाट–हुन बाट	हिक्के–होक्के	इते उते	अतरा–इतरा
चूहा	मुसवा	उप्पे	मुसा	हुप्पे, उप्पे	मुसटा	ओसगा
सोना	सुमना/सुतई	गुड़तेनद	सोवतोर	हुंजना	सुतना	खंदरना
देखना	देखई/देखना	उड़नेद	दखतोर	हूड़ना	देखेक	ऐरना
कूदना	कुदई/कूदना	लंगनेद	कुदतोर	डेवना	कूदिस	डेगना
सो रहा था	सुते रहिसे /रहीसे	गुड़सो मतोर	सोवते रए /सोवते रलो	हुंचोर मंदूर	सुतत रहिस लगिया	खंदरःआ

देखा	देखिस	उड़तान	दखलो	हूड़तान	देखिस	इरिया
कूदकर	कूदके	लंगीमेंज	कुदुन	डेवस्	कूइद के	डेगअःरकी
आवाज	अवाज	लेंग	गरजन	लेंग	अखोर	सड़ा/सड़ह
कोई नहीं	को नो नहीं	बेनो इले	कोनि नाईं	बोरे हिलेर	कोनो निये	ने हूं–मला
सामने आना	आघू आना	मुन्नेवर	पुरे एतोर	मुन्ने वायना	आगू आ	मुन्धवारे बरना
उठ बैठना	तेदी उदना	उठुनबसतोर	तेद्स उद्ना	तेद्स उदना	उठ बैठिस	चोअना ती ओकना
घर	घर	लोन	घर	लोन	घर	एड़पा
सामने आया	आघू अइस	मुनेवत्तोर	पुरे इलो	मुन्ने वातूर	आगू आइस	मुंधवारे बरचा
पूछना	पुछई/पूछना	पूछीकियना	पुछतोर	पूचेमायना	पूछ न	मेन्ना
पूछा	पूछिस	पूछीकितीन	पुछलो	पूचे मातूर	पूछिस	मेंजस
बोलना	बोलना/बोलई	केत्ना	बलतोर	इंदना	गुठियाना	बअःना
बोलता हूँ	बोलत हौं/हँव	केतितान	बलु आँय	इंतोना	गुठियाथों	बअःदन
मेमना	छेरी पिला	मेमना	छेरि पिला, मेण्डि पिला	चितरलपैया	पठरू	पठरू
फूल	फूल	पूंगार	फुल	पुंगाई	फूल	पूंप
पौधा	राई	कर्रे	बुटा	पोदेला	पउधा	ख़ोप्पा
पौधे	राईमन	पोदला	बुटा मन	पोदेलंग	पउधा मन	ख़ोपद
पहुँचना	पहुँचना/हबरना	एवद्ना	अमरतोर	अव्ना	लमरना	अंडसना
पहुँचा	पहुँचगे/हबरगे	एवतोर	अमरलो	अवतूर (पु.)	पहुचिस	अंड़सिया
मधुमक्खी	भँवर मछेर	उरवे	ओण्डार माछि	पूकवीस	रस माई	तीनी, भौंरो
बैठना	बइठना	उदना	बसतोर	उद्ना	बइठबे	ओक्कना
बैठी थी	बइठे रहिस	उदीमता	बसुन रए/बसुन रली	उद्समत्ता	बइठे रहिस	उक्कीचा
तालाब	तरिया	कूट्ठा	तरइ	तड़य	तलवा	पोखरा
किनारे	तीर	उट्टूल	कठा, रेठे	ओदा	धरी	धरी नू
मेंढक	मेचका	पंडे	मेण्डका	पन्ने	बेंगचा	मूंख़ा
चूजा	चियाँ/चिरई पिला	चूजा	चियाँ	पीसे	चियां	चिंया
बछड़ा	बछरू	पिल्ला	बाछा	कोंदापैया	बछरू	बछिरा
छौना	जिनावर के पिला	छौना	चितर पिला	बेड़पीला	छानी	चितरा खद्द
कुत्ता	कुकुर	नय	कुकुर	नय	कुकुर	अल्ला

मुर्गी	कुकरी	कोर्र	कुकड़ी	तलुर कोर्र	मुरगी	खेर
भेड़	भेंड़ी	मेंडा	मेण्डि	बेड़	भेड़ी	भेण्डो
गाय	गाय	गोड	गाय	टाली	गरू	गाय
हिरन	हिरना / हइना	लूप	चितर	चितरल	हरिन	चितरा
			पाठ–5 चालाक चीकू			
चार	चारों कोती / चारों डहर	नालू	चार	नालुंग	चायर	नाख
बिल्ली	बिलइ	पुसाल	बिलइ	बिल्लय	बिलाई	बेरख़ा
बिल्लियाँ	बिलइमन	पुसाली	बिलइ मन	बिलईंग	बिलाई मन	ढेर बग्गे बेरख़ा
मिलकर पकड़ना	मिलके धरना, धरइ	कालसमेंज पोयतना	मिसुन धरतोर	मीलेमास पैयना	जुटके धरना	जुमररकी धरना
पकड़ा	धरिस	पोयतोर	धरला	पयतूर	धरिस	धरचा
खाना	जेंवन	डोडा	खातोर	तिंदना	जेवन	मोख़ना
खाऊँगी	खाहूँ	तिन्तान	खायन्दे	तिंद्का	खाहू	मोख़ोन
सभी	सबे,सब्बो,जम्मो	जमाय	सपाय, जमाय	सप्पय	सबझन	ओरमर
झगड़ा	झगरा	मुंडाड	झगड़ा	वहच्ना	झगरा	अरबानखरना
मौसी	मोसी	कुची	मावसी,नानी आया	कूच यायाल	मोसी	मुसी
मौसियाँ	मोसीमन	जमाय कुची	मावसी मन, नानी आया मन	कूच यायाह	मोसी मन	मूसीबगर
आपस में	एक दूसर ले /आपसी म	झपसते	एक–दुसर संगे	एर–ओर	अपन मे	तंगआ मझिनू
नीम का पेड़	नीम के रुख	नीम था मराम	लीम रुख	कैयले लीम	लीम कर रूख	नीम ही मन्न
खड़ा है	खड़े हे / ठाढ़े हे	नित्ता	उबा आसे	नित्तीतोर	ठढ़ोइस हे	इज्जकीरःई
छूना	छूना / छुवइ	केटा	छिया	इट्टाना	छूइस	ऐसेरना
छूकर	छूके	केटीमेंज	छिउन	इट्स	छूइ कर	ऐसेरअरकी
जाना	जवइ	अन	जाहा	दायना	गइस	काना
जाकर	जाके	अनजमेंज	जाउन	हंज	जाएके	कालरकी
उसको	ओला / वोला	ओन	हुनके	ओन	ओला	आदिन
हिस्सा	हिस्सा / बाँटा	भागा	भाग	बाटा, वाचा	बांटा	बटा
बाँटना	बँटइ	तुसना	बाटतोर	तूसना	खेजा	खट्टना
बाँटे	बाँटिस(एकवचन) बाँटिन(बहुवचन)	तूसतोर	बाटला	तूसीट	बॉटिस	खट्टियर
मूर्ख	मुरूख	मूर्ख	भकवा, मुरुख	होगंटाहल	बोया	बोका
समझ	समँझ	लेजा	समंज	पुंज	बुझ	बूझ
समझना	समझथँव	समझेमयना	समजा	पुंदाना	समझाइस	बुझूरना
सरपट	पल्ला	सरपठ	सरलगा	सर्रपड़	सरसराय के	चांढ़हे
दौड़	दउँड़	मिरना	परातोर	वित्ना	दउड़	बोंग्गना

बिल	बिला	बोहका	बिल	बूका	बिला	लाता
अंदर	भितरी	लोपा	भितरे	लोप्पा	भितर	भितरे
भागना	भगइ	मिरना	परातोर	वित्ताना	भाग	बोंग्गन
भागा	भागिस	मिरतोर	परालो	वित्तीतूर	भागिस	कोरच
अपनी	अपन	तनवा	आपन चो	आपुना	मोर	तग्है
अपना	अपन	तनवा	आपन चो	आपुना	मोर	तंगआ
जान	जीव	जीवा	जीव	जीवा	जीव	जिया
जान बचाना	जीव बचइ	जीवा बचाकिना	जीव बचातोर	जीवा पिसह्ना	जीव बचाइस	जिया बछाबअःना
जान बचाई	जीव बचइस	जीवा बचाकिता	जीव बचालो	जीवा पिसीह्त	जीव बचाइस	जियान बछाबचास
पाठ–6 चींटी और हाथी						
रानी	रानी	श्रानी	रानी	रानी	रानी	रानी
चींटी	चाँटी	पेत्तें / गोड़ो	चाटि	होर्रे	चांटी	पोक
भोजन	जेवन	तिन्देनद	खाद–कोण्डा	गाटों	जेवन	मण्डी
तलाश	खोज	मेहकना	डगर	पड़कना	ढुंढे	बेद्दना
रोज	रोज	दिनाल	रोजे	रोज्जे	रोयज	उरमी, उल्ला
जंगल	बन	गुपा	रान	कोट्टुम	पहार	टोड़ंग
सभी	सबो	जमाय	सपाय, जमाय	सपाय	सबला	ओरमर
हाथी	हाँथी	एन	हाति	हत्ती, एनी	हाथी	हथी
दिनभर	दिनभर	पयालपोड़द	दिन भर,	मुल्लनह,	दिनभेर	उल्ला भइर
घूमना	घुमई किंदरई, गिंजरई	तिरयना	बुलतोर	वलियना	किंदरना	कूद्दना
तोड़ना	टोरइ	देहतना	टुटातोर	देहना, ओह्ना	टोरना	एस्सना
तोड़ता	टोरत	देहतिता	टुटाए	दोह्च	टोरना	इसई
फेंकना	फेंकई	एसना	पकातोर,	वाटना फिङ्गतोर	सरकना	हेबेड़ना
फेंक देता	फेंक देवय	एसीता	पकाउन / हिबड़ी	वाट्समनेना फिङ्गुन देये	झटक देहीस,	हिबड़ी
लंबी	लम्हरी	लट्ट	लाम	लाट	लमा	दीगहा
सूँड़	सोंड़	सूंड	चोण्डा	होण्ड	सूड	सोंड़हे
भरना भरता	भरना / भरइ भरय	निहतना निहतिता	भरतोर भरे	निह्ना निहेना	हिंचना भरेल	निंदना निदई
नहाना	नहइ	एरमियना	नाहातोर	मियना	असनान	एमना
नहाता	नहावय	एरमिता	नाहाए	मियेना	असनानीस	इमई:
जानवर	जिनावर	जानवर	पसु, जियाद	काजेर	जनावर	जऊन्त
जानवरों	ढोर	माल–माता जियाद मन	पसु मन,	काजेर्क	जनावर मन	जऊन्त गने
धक्का–	धक्का–मुक्की	धक्का–मुक्की	ठेगला–मसका	दकंग–दुमड़िंम	हेला हेली	तुकुर मुक्की नखरना

मसलना	रउँदना	रगड़ाकिना	रमंदतोर	पिस्कना	रमूंदना	गिमचःअना
मसलदेता	रउँद देवय	रगड़ाकिता	रमदुन देये	पिस्केना	रंमूद देहिस	गिमचीःई
डरना	डेर्राना,डेरइ	वेरतना	डरतोर	वर्रियना	डरना	एलचना
डरता था	डेर्रावयय	वरसमथा	डरे	वर्रियदान	डरत रहिस	एलचा लगिया
तंग	परेसान, परसान	तंग	लाग, अस्कट	पिसकाट	उदबास	डाह
एक दिन	एक दिन	ओंड दिना	गोटक दिने	उंददिया	एक रोज	ओंदउल्ला
बात	गोंठ	भाता	गोठ	पल्लो	गोयठ	कत्था
मिलना	मिलइ	दोरकना	भेटतोर	मीलेमायना	भेटाना	भेंटारना
मिली	मिलिस	दोरककता	भेटली	पुट्त	भेटाइस	भेटारा
सताना	परसान करना	सताकियना	लागतोर	डंड कियना	डाहना	डाहना
सताते हो	परसान करथस	सताकितिन	लागु आस	डंड कियातोन	डाहथस	डाहदी
ठीक	सहीं	नला	नंगत, निको	सत्तेय, बेस	सही	बेस
चुपके से	चुपे चाप	कोटो	ओगाय	कमेक	कलेकस	कले–कले
छोटा	नानकुन	छुडला	नानी	हुडिलोर	नान	सन्नी
छोटी	नानकिन	छुडला	नानी	हुडिला	नान	सन्नी
जान	जीव	जीवा	जीव	जीवा	जीव	जिया
बित्ता भर	बीता भर	बित्तामेंड	भिताएक	बित्तामेंड	नानकुन	बिताभइर
जुबान	जीभ	माटा	टोण्ड	लेंग	जीभ	बई
मर्जी	मरजी	मर्जी	मन	बिच्चर	मन	मरजी
शेर	सेर	डुवाल	बाग	नीराल	बघवा	लकड़ा
हँसना	हँसई	कवदना	हाँसतोर	कवना	हंसी	अलखना
हँसकर	हाँस के	कवसमेंज	हाँसुन	कवस	हंयेस के	अलखरकी
अक्ल	अक्कल	बुद्ध	बुद	गोक	अकील	लूर
दम पर	बल म	दमते	बल ने	लाव दे	असान ले	संवागती
मुखिया	सियान	मुखिया	मुखया	मूड़िया	घर गोसिंया	उरबस
घास	काँदी	रोंडा	रोण्डा	रौंडा	बन	घांसी
छिपना	लुकइ	मिंजना	लुकतोर	मक्काना	लुकना	नुखुरना
छिप गई	लुकागे	मिंजता	लुकली	मक्त	लुकाह गइस	नुख़रा
चुपके से	चुपेचाप	आयोने	खुसखुसा	कुस–कुसा	कलेकस	कले कले
घुसना	खुसरगे	नेगना	ओलतोर	होड़ियना	ढुंकिस	कोरना
घुस गई	घुसरगे	नेगता	ओलली	होड़ियत	ढुंक गईस	कोरचा
अंदर	भितरी	लोपा	भितरे	लोप्पा	भीतरे	भितरे
काटना	चाबना	कचना	चाबतोर	कदना	काटिस	परमना

परेशान	परेसान	परेशान	बिरबिरा, हरयान	पिसकाट, कंजहाट	उदबास	ससईत
पटकना	पटकइ	पटकाकिना	अपटतोर, कचाड़तोर	हुक्काना	पटकिस	पखड़अःना
पटकी	पटकिस	पटकाकिता	अपटलो,	हुक्त	पटकिस	पखड़अःचा
			कचाड़लो¼ifYy³x fØ;k] ¼L=h½ dgkuh d vulkj½			
फूँक	फूँक	डदना	फुक	ऊह्का	फूंक	ऊरना
जुगत	जोखा	जुगत	जुगाड़, उआट	तरीका, उपय	जुगाड़	उपाय
चीख	चिचियई	तुमना	किरकिरइ	किर्री	गोहार	चिचियारना
रोना	रोवइ	केयना	गागतोर	किल्लाना	रोआसी	चींखना
रोते हो	रोवत हस	केयितिन	गागु आस	किलायतोन	रोवत रहिस	चींखदय
माफ करो	माफी दे	माफकिम	माफी देस, खेमा कर	माप कीम, कसूर माप	छमा करा	माफ़नना/ढ़प्पी
सताना	पदरिया के	सताकिना	लागतोर	डंड कियना	डहेल	डाहना
सताऊँगा	परसान करहूँ	सताकितान्	लागेन्दे	डंड कियका	डहथे	डाहओन
मानना	मनइ	मानेमायना	मानतोर	माने मायना	मानीस	मेन्ना
दादा	बबा	दादी	दादा, गुंडा	दादाल	बाबा	अज्जो
जमाना	कप्पी	जमाना/रोत्	समया	जुग	जबाना	परिया
बदलना	बदलइ	बदलाकिना	बदलतोर, पलटतोर	बदले मायना	बदलिस	बदलाअरना
बदल गया	बदल गे	बदलेमता	बदलली,पलटली	बदले मात	बदल गईस	बदलारा
हामी भरना	हुँका पारना	–	होय बलतोर	डोंग हायना	राजी भरिस	हॉ बअना
हामी भरी	हुँकारू पारिस	हो इंदना	होय बललो	डोंगहात	राजी भरिस	हॉ बाचा

पाठ–7 एकता का बल

पीपल	पीपर	आली	पीकड़	आल	पिपर	पकरी
कबूतर	परेवा	बोडे	परेवाँ/परेयाँ	पारेवा	परेवां	पेरंवा
खोजना	खोजइ	मेहकना	डगरातोर, खोजतोर	पड़क्ना	खोजबे	बेद्दना
खोज	खोज	मेहका	डगर	पड़क्स	खोज	बेद्दना
लौटना	लहुटइ	वायना	फिरतोर, बोहड़तोर	मलाना	फिरना	किर्रना
लौट आते	लहुट आवै	मलसक्ता	फिरोत, बोहड़ोत	मल्सवायेर	फिर आईस	किर्रीबरई
उड़ने पर	उड़े के बेर	तेड़ीमेंज	उड़ले	पर्रियतेक	उइड के	उड़ियारआरबी
दाना	दाना	दाना	दाना	पड़ेम	अन्न	चरा
बिखरना	बगरना	अलना	बिखरी होतोर	लीकाना	बगरना	बींड़ना

बिखरा	बगरे	अलता	बिखरलोर	लीकीआत	बगरी	बिड़िरका
बूढ़ा	सियान	मूयतोर	डोकरा	मुदियाल	सियान	पचगी
ठहरना	राहवन–राहव	केपी	थेबतोर	रोमना	रूकबे	इज्जना
ठहरो–ठहरो	रहा–रहा	–	थेबा	रोमा–रोमा	रूक	इजआ
चुगना	चुगना	–	चरतोर	पेहकना	चुगना	मोखना
चुगने लगे	चुगे लागिस	चरुक धरला	चरुक मुरयाला	पेहकंदूर	चुगे लागिन	मोखा हेल्लरर
पेट	पेट	पोट्टा	पेट	पोटा	ढ़ाढ	कूल
पेट–भर	पेट–भर	पोट्टामेंज	पेट भर	पोटा मेंड	ढ़ाढ भर	कूल उड़ना
फँसना	फँसइ	इरकना	लटकतोर	हिर्रना	बाझना	बझरना
फँस गए	फँसगें	इरकता	लटकला	हिर्रतूर	बायझ गईस	बझरा केरा
चिल्लाना	चिचियइ	केयना	चिचयातोर	किर्री	किरलाना	चिचियाराना
चिल्लाने लगे	चिचियाए लागिन	केयनोर धरला,	चिचयाउक लागिस	किर्री हियना हेलरर	किरलाय चिचयाउक	चिचियारा मुरयाला
बहेलिया	सिकारी	वेटातोर	बनवा, पारद बिता	पिटेंग हवकवाल	बिलहोर	ओड़ा धरऊ आलस
घबराना	डेर्रांना,डेरइ	वेरस	डरतोर	वर्रियाना	घबराबे	एलचना
घबराओ मत	डेर्रावव झन	वेरयमा	नी डरा मत	वर्रिया	झिन घबराबे	अमा एलचा
जोर लगाना	बल लगइ बअना	जोर लगाकिना	बल लगातोर	लाव कियना	बल लगाबे बअना	सवंग लगा
जोर	जोर	जोर लगाओकिन	बल लगावा, बपु करा	लाव (बागुर)	बल लगालगाओ	सवंग लगा बाचा
जाल	फँादा	जाल	जाल	राई	फांदा	जल्ली
टूटे–फूटे	टुटका–फुटका	डरगता–मिरगता	टुटलो–फाटलो	ओर्रलेंग	टूटल–फूटल	खोटोरक
मकान	घर	लोन	घर	लोन	घर	एड़पा
इशारा	इशारा	इशारा	इंगित	किशिमना	कनकी	ऐदना
धन्यवाद	धन्यवाद	धन्यवाद	–	जोहारआई	धन्यवाद	बाम्मे
क्षमा	माफी	माफी	छमा,खेमा,माफी	मापी	छमा	क्षमा, ढापी

पाठ–8 कौन ?

दिशा	दिसा / डहर	–	दिसा, बाटे	वड़का	खुंट	दिशा
निर्मल	साफ / फरी / आरुग	निर्मल नाहलो	सफा,मईल	निरकुल	फरी	सफा

नदियाँ	नदिया मन	कुये	नंदि मन	डोडक	नंदी मन	खाड़
जग	दुनिया / जग	दुनिया	सँवसार	बुम, दुनिया	भव सागर	धरती
प्यास	पियास	एरउंडावेयतना	पियास	उन्डावसले	पियास	ओनका
मीठा	मीठ / गुरतुर	मीगंता	मीठ	मिरंगुल	गुरवॅा	एम्बा
मीठे	मीगंताव	मीठ मन	मिरंगलेंग	मिरंग्ले	गुरवॉ	तीनना
झरना	झरना	झरना	झरन	गोदोर्रका	घाघी	पझरा
झरने	झरना मन	–	झरन मन	गोदोर्रकांग	घाघी मन	पझरा
हरियाली	हरियाली	–	रुख–राई	लह लहेमाले	हरियर	हरियर
बादल	बादर	मोयोल	बादरी	गूहरा	बदरी	बदाली
नभ	अगास	–	सरग	बुम, दुनिया	अगास	मेरखा
इंद्रधनुष	इंद्रधनुष	भीमालविल	इंदर धनु,	डोमा विल्ल	बीरो धनउ	बोरा
रचना	बनाना	माड़ना	बनातोर, गडतोर	पंडाना	रचना	गड़ना,कमना
रच	बनना	माड़ा	बनाव, गड़	पंड्स	रचा	गड़या
प्रश्न	सवाल	प्रश्न	प्रस्न	जबान	परसन	मेनता
पाठ–9 मिट्टी						
गाँव	गाव	नार	गाँव	नार्र	गॉव	पद्दा
गली	गली	गुड़ेम	खोर	गली	कोली	डुला
खेत	डोली	वेडा	बेड़ा	वेड़ा	खेत	खल्लों
मिट्टी	माटी	तोड्य	माटि	तोड़िय	माटी	खज्जों
बूँद	बूंद	बोटक	बुंद	डोंगे	टिपा	टिप्पा
महकना	ममहाना	महक	बासना	दैयंगले	बसना	चःअना
महकी	ममहाइस		बासना दिली	दैयंक्त	बसाइस	चांअचा
सोधी–सोंधी	सोंध–सोंध	सोधी–सोंधी	माटि चो बासना	दैयगले–दैयंगले	सोंध–सोंध	सोंधहा
बोझ	बोझा	बोझा	बोज, बोजा	बोजा	बोझा	ओत्था
मोल	मोल	मोला	मोल	मोला	पटाए	दाम
सलोने	साँवरे	सलौने	सुंदर	सजेमाले	सुघर	दौ–दौ
पाठ–11 मड़ई मेला						
गाँव	गाँव	नार	गाँव	नार्र	गांव	पद्दा
मड़ई मेला	मड़इ मेला	मंडई करसाड	मण्डई	मंडेय	मिलन मड़ई	मड़ई–जतरा

सुबह	बिहनिया	नरकोम	बिहान	नर्रकीय	बिहान	पइरी
जाना	जवई	दायना	जातोर	दायना	जाबे	काना
जाने के	जाए बर	दायनिक	जातो काजे	हंदला	जायबर	काला गे लिए
तैयार	तियार	तिहार	तियार	जोंग	तियार	तेयार
तेल	तेल	निय	तेल	निय	तेल	इसुंग
कंघी	कंधी	इच्चाड़	कंगी	कंगी	ककई	बघीरका
बच्चे	लइका मन	पितला	पिला मन	पीलंग	लइकामन	खद्दर
सभी	सबे, सब्बो	जमाय	सपाय, जमाय	सप्पाय	सबझन	ओरमर
खाना	जेंवन	डोडझ	भात–पेज (भोजन के अर्थ में)	गाटो	जेवन	मण्डी
खाकर	खाके	तिंजमंज	खाउन	तिंज	खायके	ओनर
देखना	देखइ	उड़ाना	दखतोर	हूड़ना	देखबे	एरना
चल पड़े	रेंगे ल धरिन	अत्ता	हिण्डुक धरला, हिण्डुक मुरयाला	हत्तूर	रेंग देहिन	चइल केरर
करीब	तीर म	आ पेरके	लगे	हेरे	लिघे	हेद्दे
पहुँचना	पहुँचई	पवद्ना	अमरतोर	अवना	पहुचिस	अड़सना
रहँचुली	रहचुली	मत्ता	रांहटा	रहटोली	रेहट	रमडिलवा
आवाज	अवाज	लेंग	गरजन	लेंग	अखोर	गूल
सुनना	सुनइ	केंजना	सुनतोर	केंज्ना	सुनबे	मेन्ना
सुनाई पड़ने लगी	सुनाए ल धरिस	केंजनानोर	सुनुक होली	केंजिहंद	सुनाई देइिस	मेंदरआलगिया
जल्दी	झटकुन –जल्दी	उभय–उभय	झटके–झटके,	सांडे–सांडे झपके–झपके,	हालू–हालू	चांड़हे –चांड़हे
झूलर	झुलना	उयल	झुलना	रहटोली	ढ़ेलवा	ढिलवा
पास	तीर	साठ	लगे	हेरे	लिघे	हेद्दे
कूदना	कुदइ	लग्ना	कुदतोर	डेवना	तरकना	डेगना
कूद पड़े	कूदिन	लग्तोर	कुदला	डेवतूर	तरक देहिन	डेगचर चिच्चर
शुरु हुआ	सुरु होइस	शुरू अत्ता	मुर होली	मूड़आत	ओर होइस	ओरे मन्जा

चिल्लाना	चिचियइ	केयना	चिचयातोर	किर्रीहियना	चिकरना	चिचियारना
चिल्लाने लगे	चिचियाए लगिन	केयनोर	चिचयाउक धरला, चिचयाउक मुरयाला	किर्रीहिया मूड़ कीतुर	चिकरे लागिन	चिचियारआ हेल्लर्र
डर	डर	वेरयाना	डर	वर्रे	डर	एलचना
मुँह	मुँह	टोड	मुँहु	टोड	थोथना	बई
छुपाना	लुकइ / लुकाना	मिसाना	लुकातोर	मोकह्ना	लुकाना	नुड़ना
छुपा लिया	लुका लिस लुकाए लेहिस	मिसतोर	लुकाली(स्त्रीलिङ्ग) लुकालो(पुल्लिङ्ग)	मोकिहतूर	लुकाए लेहिस (उभयलिङ्ग)	नुड़चर
आगे बढ़े	आगू लिस	मुन्ने अत्तोर	फयले गेला	मूनेक हत्तूर	आगू बढ़	मुन्धवारे केर्र
दफड़ा	दफड़ा	डफड़ा	डफली बाजा	डबर्रा	डफला	डफला
निशान	निसान बाजा	चिन्ह	बाजा	सीना	चिन्हा	चिन्हा
मोहरी	मोहरी	मोहरी	मोहरी	मोहिर	मोहरी	मोदरी
बाजे	बाजा मन	डोल्क	बाजा मन	नेक्ना	बाजा मन	बाजा
सुदंर	सुग्घर	सोभा	सुंदर	सोबले	सुघर	दौ
रंग बिरंगी	रंग बिरंग	रंग–रंगता	रंग–रंग चो, भिने–भिने रंग चो	आनित–बानि	रिकिम रिकिम	रिंगी–चिंगी के रंग
पोशाक	ओढ़ना कपड़ा	गिसड़ी	पिन्दतो कपड़ा, पिन्दतो फटइ	साजु	ओढ़ना	किचरी
फूल माला	फूल माला	फूंगानेरक	ढोण्डा–माल	पुंगाई नेर	फूल–माला	फूल–माला
सजे	संभरे	सजे	सिंगार होलोर	सजेह	सजाल	अईनका
समूह	दल	रोत्	गोहड़ा	कुप्पा	दल	खोड़हा
नाचना	नचइ	एड्ना	नाचतोर	ऐंदना	नाचबे	नलना
नाचते हुए	नाचत–नाचत	ऐंदो	नाचते	एदसोर	नाचत	नलते
मुखिया	मुखिया	मुखियान	मुखया	मूड़िया	सियान	उरबस
हाथ	हाँथ	कैय	हात	कय	हाथ	खेक्खा
परघाकर	परघा के	परघाकिस	परघाउन	पड़गेह कीस	परिघायके	पइरघअरकी
गाड़ना	गड़ियाना	गाड़ाकिना	गाड़तोर	मिसना	तोपना	गड़ना
गाडकर	गड़िया के	गाड़ाकिस	गाड़ुन	मिस्स	तोपकर	गड़अरकी
पूजा करना	पूजा करइ	पूजा कियना	पुजा करतोर	सेवा कियना	पूजा करना	पूजा नन्न

तरह–तरह	आनी–बानी के	अलग–अलग	बानि–बानि	आनित–बानित	रिकिमरिकिम	अरन–बरन
दुकानें	दुकान मन	दुकानी	दुकान मन	दुकानींग	दोकान	बग्गे दोकान
रंगीन	रंगीन	रंगता	रंग बिती	रंगता	रंग	रिगी–बिगी
फुग्गे	फुग्गा	फूंगा	फुगा मन	फुगंग	फूग्ग लाड़ू	बग्गेम फुगा
गुलगुला	गुलगुला	गुलगुला	गुलगुजा भजेया	गुल–गुला	गुलगुल	गुल–गुला
भजिया	भजिया	भदिया	भजेया	बजिया	भजिया	पकोड़ी
लाड़ू	लाड़ू	लाड़ू	लाडु	लाड़ू	लड्डू	लड्डू
करी लड्डू	करी लाड़ू	कारी लाड़ू	केरी लाडु	सेव लाड़ू	लड्डू	करी लड्डू
खरीदना	बिसाना/बिसइ	असाना	घेनतोर	अस्ना	बेसाना	खेंदना
खरीदे	बिसइन	असतोर	घेनला	असतोम	बेसाय	खींद्दियर
खाना	खवइ	डोडा	खातोर (क्रिया)	तिंदाना, गाटो	खाना	ओनना
जलेबी	जलेबी	जलेबी	जलबी	जलेबिंग	जलेबी	जिलेबी
बड़ा सा	बड़े जन	बिरया	बड़े असन	बरहाय	रोट ले	कोंहम
गन्ना	कुसियार	गुड़ाडांडा	डाण्डा	डांडा	कुसियार	कतारी
टुकड़े	टुकड़ा	तुकडा	गोन्दा मन	कुटकंग	टूटका	खंड़ा
चूसना	चुहकना	चूसाकियना	चुहरतोर	हुह्कना	चूसना	चीपना
चूसते रहे	चुकहत रहिन	चूसाकिसोमनोर	चुहरते रला, चुहरते रोहोत	हूह्कसोर	चूसत रहिस	चीपते रहचर
खिलौने	खेलउना	करसनाव	खेलतो सज मन	कर्रसानंग	खेलोना	बेचना आलो
जहाज	जिहाज	–	जाहाज	जहेज	चिकरे लागिन	घटोला
गुड़िया	पुतरी	–	पुतरी	पुतरी	डर	पुतली
रेल	रेल	रेलगाड़ी	रेल	रेल	थोथना	रेलगाड़ी
मोर	मँजूर	मल्ल	मंजुर	मल	मंजुर	मिंजुर
कार	कार	डुंगर गाड़ी	कार	जीप	कार	कार
बड़ी–बड़ी	बड़े–बड़े	बिरया–बिरया	बड़े	हजोर, बेहरा	आगू बढ़	कोहां–कोहां
गेंद	पुक	गेन्द	उचुदना	कुडवाल	डुला	गेंदा
घूमना	किंदरना	तिरयना	बुलतोर	वल्लीयना	चिन्हा	कुद्दना
घूम–घूमकर	किंजर–किंजर के	तिरयी–तिरयी	बुलुन–बुलुन	वल्लियस–वल्लियस	मोहरी	कुद्दा–कुद्दा

सामान	सामानी	जमक, सज	जिनिस, तिज	बीडार	बाजा मन	आलो
एकत्र	जुरियाए	जमा जुहालोर	रुण्डालोर,	गूडह्ना रिकिम के रंग	रिकिम	जुमरअर
वापस	लहुट	आपस	बोहड़, फिर	मलहना	ओढ़ना	किर्रर
घर	घर	लोन	घर	लोन	फूल–माला	ऐड़पा
खुश	खुस	खुश	हरिक	गिर्रदा	खुस	रिज्झ

पाठ–12 ऊँट

ऊँट	ऊँटवा	ऊंट	ऊँट	ऊट	ऊंट	ऊंट
चलना	रेंगइ	तातना	हिण्डतोर	ताकना	रेंगना	एकना
चला	रेंगिस/चलिस	ताकता	हिण्डलो	हत्त	रेंगा	इकिया
हिलना	डोलना/डोलट /हालई/हलइ	हिलेमयना	हालतोर	मलयाना	डोलना	हिलरा
हिलता	दोलत/हालत	हिलेमासो	हालते	मलियसोर	डोलथे	हिलीरते
डुलना	डुलना	डुलेमयना	झुलतोर	गूड़ना	डुलना	डोलारना
डुलता	डोलत हे	डुलेमासो	झुलते	गूड़सार	डुलथे	डोलोरते
इतनी	अतेक	इच्चोर	इतलो/इतरो	इच्चो	इतना	एतेक
लम्बी	लम्हरी	लाठी	लाम	लाट	लम्मा	दीघहा
टाँगों वाला	गोड़ वाले	कालक नाव	पाँय बिता	लॉटकाल्क बित्ती	टंगरी दार	ख़ेड्डे मइदका
ऊँची	ऊँच	पोरो	डेड्गी	डेंगल	उच	मेच्छा
गर्दन	गर/गला	गुडगा	टोडरा	टोडर्रा	ढ़ेटू	खेस्सेर
बालू	रेती	बालू	बारु, कुदुर	मनुम	रेता	चलकूर, धुली
ढोना	डोहारना /डोहरइ	एड़ज	बोहतोर	टडियना	डोहना	चेड़ना
ढोने दो	डोहारन दव	कांजना	बोहुक दियास	टडियहीम	डोहे दा	चेढ़ाचिआ
फँसना	फँसइ	कांजीम	लटकतोर	हिर्रना	बाझना	बझरना
थकना	थकइ	इरकना	थाकतोर	हंजाना	थकना	खड़दना
थककर	थक के	एयवीमंज	थाकुन	हंच्च	थाइक के	खड़दरकी

बैठना	बइठइ	उद्ना	बसतोर	उद्ना	बइठना	ओक्कना
बैठेगा	बइठही	उदीतिन	बसेदे	उदानूर	बैठही	ओक्को
करवट	केंरवट	ओयेरा	करवँट		करोदिया	चोख्खो
बताना	बताना / बतइ	केतना	सांगतोर	वेहना	करोठिया	तेंग्गना
बता सकेगा	बता सकही	केतापरदितिन	सांगुक सकेदे	वेह पर्रानूर	बताय सकही	तेंगा ओंग्गोस
कौन	कोन	बेनो	कोन	बोर	कोन	ने—तग्है
भला	भला	भला	भले	दरमोती	भला	दौ

पाठ—13 आई एक खबर

अभी	अभी	इंजे	एबे	इजेक, इदेक	अझे	अक्कुन
खबर	खभर	खबूर	खबर	कबीर, कगो	खभेर	खभईर
आना	अवइ	वर	एतोर	वायना	आबे	बरना
आई	आइस	वत्ता	इली	वात	आईस	बरचा
मक्खी	मासी / माछी	गुगे	माछि	वीस	माछी	तिंगली
रानी	रानी	रानी	रानी	रानी	रानी	रानी
उसको	ओला	ओन	हुनके	ओन—तान	ओला	असीन, अदीन
लाना	लवइ	तरा	आन	ततना	लानबे	ओंदरना
लाई	लानिस	लाई	आनली	तत्	लानिस	ओंदरा
टिड्डा	कनकट्टा	पारंदे	थापा	पापे	फंम्फा	बोख्खो
हाथी	हाँथी	एन	हाति	हत्ती, एनी	हाथी	हथी
मारना	मरइ / मारना	रेहतना	मारतोर	हवकना	मारबे	लवना,पसना
मारा	मारिस	रेहतोर मारली (स्त्रीलिङ्ग)	मारलो (पुल्लिङ्ग)(पु.)	हवकतूर	मारिस	लवचा
क्या करता	का करतिस	बाता कितिन	काय करतो	बाता केवेना	का करतिस	एंदर ननोस
बेंचारा	बिचारा,बपरा	पापम	बोपड़ा	बिचरंगा	बपुरा	गोरगोरा
घुस बैठा	खुसर के बइठिस	ओड़ई उद्ता	ओलुन दिलो	होड़ियस उदितूर	ढुक बैठिस	कोरअर की उक्कियस
मटका	मरका	कुडा	हांडि	मल्ला, अड़का	गगरी	कट्टू
अंदर	भीतर / भितरी	लोपा	भितरे	लोप्पा	भीतर	भीतरे

ढाई	अढ़इ	रेंड, आधा	अड़इ	अढ़ई	अढ़ाई	अढ़ाई
बंदर	बेंदरा	कोवे	बेन्दरा, माकड़	मूंज	बंदरा	बंदरा
रुकना	थम्हना, रुकना थम्हर रुकइ	केपना	थेबतोर	रोमना	ठढ़ोना	इजना
रुकी	थम्हिस / रुकिस		थेबली	रोमा	रूकिस	इजस
आँसू	आँसू		समुंद	केनेर्र	आंस	खंजलखो
धारा	धार	धारा	खर	पोंगना	धार	पइड़ी
समुदर	समुन्द्र / समुंद	गोदार	लटकतोर	टड्डी	समुंदर	समुंदर
खारा	नुनछुर	ओवोर	लटकु	हवोर	नोनछु	खार
फँसे हुए थे	फँसे रहिन	इरकीमत्तोर	भितरे	हिर्रसमतोर	बाझे रहिन	बझरका रहचर
मच्छर	मच्छर / मँगसा	नुले	भुरसुंडि, मछड़	नुस्मे	भुसड़ी	भुसड़ी
लात मारना	लात मारना / जमाना	लात वाटना लतियइ	लात मारतोर	लात हार्राना	लाथना	लथना
लात	लात	लात	लात	लात	लाथ	लाथ
कसकर	कसके	–	चमकट	कसे–कीस	कइस के	पुरकस
फूटना	फुटइ / फूटना	फिरदना	फुटतोर	ओर्रना	फुटिस	खोट्टरना
फूटा	फुटिस	फिरता	फुटली	ओर्रत	फुहिस	खोट्टरा

पाठ–14 चूहे को मिली पेंसिल

चूहा	मुसवा	उप्पे	हुप्पे, उप्पे	मुसटा	ओसगा	
खाने के लिए	खाए बर	डोडा	खातो काजे	तिंदला	खायबर	मोखा गे
कुछ	कुछू	छुडुक	काईं	हुचुक	कांही	कटिक
ढूँढ़ रहा था	खोजत रहिस	मेहको मत्ता	डगराते रलो	पड़कसोर मत्तोर	खोजत रहीस	बेद्दालगिया
पेंसिल	सीस / पेंसिल	पिंसिल	पिन्सल	पेंसिल	पेनसुल	सीसा
उलटना–पलटना	उलटइ–पलटइ मिड़तना	तेहतमा–पलटतोर	उलटतोर–मायना	उल्टे पल्टे कलथी	अलथी–	बिड़िदना–खड़दना
मुझे	मोला	नाक	मोके	नाकुन	मोला	एंग्गन

छोड़ना	छोड़इ	विड़सना	छांडतोर	तासना	छोड़बे	अम्बना
छोड़ दो	छोड़ दे	विड़साठ	छांडुन दियास	तासहीम	छोयड़ दे	अम्बा चिःआ
जाने दो	जावन दे /जान दे	दाइम	जाउक दियास	हंदा–हीम	जाय दे	काला चिःआ
गिड़गिड़ाना	जोजियाना, जोजियइ	केयीकेयी	हात–पांय जोडतोर	लालेमायना	केलोली	गोहरारना
गिड़गिड़ाकर	जोजिया के	केयीकेयीमेंज	हात–पांय जोडतोर	लालेमास	केलोली कईर के	गोहरअरकी
काम	काम	बूता	बुता	बूतो	बुता	नलख
लकड़ी	लकड़ीकठवा	कटिया	दारु,लकड़ी	वर्रक	लकरी	कंक
टुकड़ा	टुकड़ा	तुकड़ा	गोन्दा	कुटका	टुटका	खड़ां
अच्छी	अच्छा	नला	नंगत, निको	चोकोट, बेसबन्ने	सुघर	बने
कुतरना	कतरना	कुतराकियना	कतरतोर	कतरे कियाना	कतेरना	केगेरआना
कुतरुँगा	कतरहूँ	कुतराकितान	कतरेन्दे	कतरे–कियका	कतरहॅं	केगेरःओन
अपने	अपन	तनवा	आपलो	मावोर	अपन	तंग्है
दाँत	दाँत	पल्क	दात	पल	दॅात	पल्लो
पैने	चोक्खी/ धार वाले	करतोर	गोजेया	होड़ले	चोख	धारे
छोटे	नानुक	चुड़ला	नानी	हुडिला	नान	सन्नी
हमेशा	हमेसा हरदम	आरामेशा	–	रोज्जे	रोजेच	उर्मी बारी
कुछ न कुछ	कुछु न कुछु	बातैय–बातैय	काईं नाहले काईं	बाता हिल्ले बाता	कांही न कांही	इन्दरिम मल–इन्दरिम
दर्द	पीरा	एरय	दुखा	नोमुर	पीरा	नुंजना
आखिरी	आखरी	आखिरी	–	आकरी, मारत	आखरी	आखरी
चित्र	फोटू/छाया	सित्र	बाना	पोटो–चापा	फोटो	छपा
चबाना	चाबना,चबइ	अड़वाना	चाबतोर	कस्सकना	चबाबे	चबना
चबाकर	चाबके	अड़विमेज	चाबुन	कस्सक्स	चाएब के	चबअरकी
तुम्हारे	तोर	निवा	तुचो (एकवचन), तुमचो (बहुवचन)	निय्या,मिय्या	तोर	निंग्हे

मजा आना	मँजा अवइ /मँजा अवइ	मजा वाना	मंजा लागतोर	गिर्रदा–वायना	मजा आईस	दौ लगना
मजा आ गया	मँजा आगे	मजा वत्ता	मंजा लागली	गिर्रदा वात	मजा आ गईस	दौ लगिया
बड़ा–सा	बड़े जान	बिरया	बड़े	बरहा हजोर	रोंट	कोंहाम
गोला	गोला	गोला	गोला	गुरियात	गोल	गोलाई
साँस	साँस	नेसकाड़	निनास	नेस्कना उकुर	सॉस	सांस
पनीर	पनीर	कृसा	पेवँस	किर्रचा	पनीर	पनीर
छेद	छेद, भोड़ू	बोहका	काना	बूका	भोंगटा	भोन्का
नजर आना	नँजर आना /नँजर अवइ	उड़नायना	दखा देतोर	डिस्त अराना	नजेर आइस	एथेरना
नजर आ रहे थे	नँजरआवत रहिस	उड़नायमुंतोर	दखा देसोत	डिस्त अरयतोर	नजर आवत रहिन	एथेरआ लगियर
अंदर	भीतर	लोपा	भितरे	लोपा	भीतर	भीतरे
सेब	सेव	सेव पण्डी	सेव	सेवक	सेव	सेव
अजीब	अलकरहा	–		अडर्रा	गजब	अजीब
चमचमाना	चमचम	पोतानेद	चमचम	रस्सगुलंग	चमचम	बिलिचना
ऊपर	उप्पर	पोरो	उपरे	पोर्रो	उपरे	मईयां
तिकोन	तिकोर	तिकोना	तीन खुटया	मूंड कोटूह	तिनखुटिया	तिकुना
चीखना	चिचियाना	तुमना	किरकिरतोर	लंजना	किरलाना	चिचियारना
चीखा	चिचयाइस	चीख	किरकिरलो	लंजतान	किरलाइस	चिचियारा
मूँछें	मेंछा	गडोक	मेछा मन	मीसांग	मेछा	गोच्चो
मुँह बनाना	मुँह बिचकइ	टोड माड़ना	थोतना के अलटतोर	टोड्ड पंडाना, टोड्ड हूयहना	बिजारना	बईन गोर्र्रे ननना
मुँह	मुँहबिचकइस बनाया	टोड माड़तोर	थोतना के	टोड्ड पंडतूर अलटलो	बिजारिस हुयीहतूर	बईन गोर्र्रे ननजा
डरना	–	वेरताना	डरतोर	वर्रियाना	डराय	एलचना
डरकर	डरके	वेरसमेंज	डरुन	वर्रियस	डराय के	एलचर की
चिल्लाना	चिल्लाना	केयना	चिचयातोर	किर्री हियना	किरलाना	चिचियारना

चिल्लाया	चिल्लाइस	केयतोर	चिचयालो	किर्रीहीतूर	किरलाइस	चिचियार
बिल्कुल	बिल्कुल निच्चट	मिज्जाम	निरभान	कचित	सिरथों	एकदम
असली	असल	नलोड़ा	असली	सोराना	असली	सच्चेम
बचाना	बचई	बचाकिना	बचातोर	पिसह्ना	बचाबे	बछाबअना
बचाओ	बचाओ	बचाकिमुट	बचावा	पिसहाट	बचावा	बछाबआ
भागना	भगना/भगइ	मिराना	परातोर	वित्ताना	भागबे	बोंग्गना
भागकर	भाग के	मिर्रीमेंज	पराउन	वित्स	भायग के	बोंग्गरकी
घुसना	खुसरना /खुसरइ	नेगना	ओलतोर	होड़ियना	ढुकना	कोरना
घुस गया	खुसरगे	नेगता	ओललो	होड़ियतूर	ढुइक गइस	कोरचा
पाठ–15 धूप						
बीतना	पहाना	आतेद्	सरतोर	माराना, दायना	बीतिस	बितिरना
बीती	पहागे	अत्ेद	सरली	मारत	बिती	बितिरका
रात	रात	मुलपे	रात	नर्रका	रायत	माखा
उजियारा	अंजोर	वेहसना	उजर	उजियारा	इजोर	बिल्ली,इन्जोत
घर	घर	लोन	घर	लोन	घर	एड़पा
आँगन	अंगना	द्वार	दुआर	रच्चा	ॲगना	चाली
उतरना	उतरना	डिगना	उतरतोर	रैयना	उतरबे	एत्तना
उतरी	उतरगे	डिगता	उतरली	रैयत्	उतरिस	एत्तिया
धूप	घाम	धूपाम	घाम	अद	घाम	बिड़ना
कण–कण	कन–कन	चुडू–चुडू	कन–कन	उचुहनंग काडिंग	कन–कन में	छोटे–छोटे
पत्ते–पत्ते पर	पाना–पाना मा	आकी–आकी नेग	पाना–पाना ने	आक–आकते	पतई–पतई में	अतख–अतखा नू
हँसना	हाँसना/हँसइ	कवद्ना	हाँसतोर	कवना	हसबे	अलखना
हँसती –गाती	हाँसत–गावत	कवस पारी	हाँसते–गावते पाटा ओयता	कवसोर	हसत–गात	अलखूते –पाड़त
बिखरना	बगरना	रनबन	बिखरी होतोर	बिखरना	बगरना	बीड़रअना

बिखरी	बगरगे	रनबन अत्ता	बिखरी होली	लीकी आत	बगरिस	बीड़रआ
पर्वत	पहाड़	मेट्टा	डोङ्गरी	मट्टा	पहार	परता
चोटी	फिलिंग		टिप	सूंद, टिंग	टीप	चूंदी
उछलना	उछलना /उचकनो	लगना	उधलतोर	डेवना	तरकना	उछलारना, उदकारना
उछली	उचकिस	लंगता	उधलली	डेव्त्	तरकिस	उछलारआ
झरना	झरना		झरन मन	गोर्दरंग	घाघी	झरना
बेलना	बेलना		बेलना	नोटना	बेलना	बेलना
खेली	खेलिस	करसता	खेलली	कर्रस्त	खेलिस	बिच्चिया
सागर	समुंद	गोदार	समुंद	टड़्डी	समुंदर	समुदर
लहर	लाहरा	गाकुड़	लहरी मन	एर्रजेल	भोंयड़	लहर
नाचना	नचइ	एंदना	नाचतोर	एंदना	नाचबे	नलना
नाची	नाचिस	एंदता	नाचली	एंदित	नाचिस	नलिया
सहेली	संगवारी/गियाँ	संगताव	संगवारिन	जोड़ी	सखी	संगनी
पंछी	चिरइ	पिट्टे	चड़इ	पिट्टे	चरई	ओड़ा
पंखों पर	पाँख मा	पंखाने	पाखि मन ने	मारेकिने	डेना में	पेंछो मईया
चमकना	चमकइ	चमकेमायना	चमकतोर	चमकना	लौकना	बिलचना
चमकी	चमकिस	चमेमत्ता	चमकली	जिगमिग आत	लौकिस	बिलचिया
फूलों पर	फूल मन मा	फंगानेग	फुल मन ने	पुंगहने	फूल में	पूंप मईया
धरती	धरती/भुइयाँ	भम	धरती	नेल	भूइंयां	खेखेल
कोने–कोने तक	कोंटा–कोंटा मा	कोना–कोना एवना	कोण्टा–कोण्टा ने	कोटुल–कोटुदे	कोनहा–कोनहा मे	कोंड़ा–कोड़ा नू
दिखाई	देखब मा आना	उड़नाना	दखा देतोर	डिस्त अरना	दिखथे	एथेरना

पाठ–16 छोटे–छोटे कदम

छोटे–छोटे	नान्हे–नान्हे	छूड़ला–छूड़ला	नानी–नानी	हुडिला–डुहिला	नान–नान	सन्नी–सन्नी
कदम	पाँव	गोंजी	कदम	डाका	पांव	चटखना
आगे	आगू	मूनने	आघे	मुन्ने	आघू	मुन्धवारे
पढ़ना	पढ़ई/पढ़ना	पोढ़ेमायना	पड़तोर	पड़हे	पढ़ना	बचना

हाथ	हाँथ	कैय	हात	कय	हाथ	खेंक्खे
साफ	साफ	नारदना	सफा	कियना	सफा	सफा
मेहनत	मिहनत	काम कियानाद	मसागत	कमाइत,कमय,बूतो	मिहनत	मेहनत
पाठ–17 चित्रकोट जलप्रपात						
छुट्टी	छुट्टी	छुट्टी	छुटि	तातिल	छुट्टी	छुट्टी
मामा	ममा	मामा	मामा	ममा	मामा	मामू
बैठक कक्ष	बइठक कुरिया	मिटिंग कोली	सबका खोली	उदना, कोली	ओसरा	ओकना अड्डा
जल प्रपात	जल परपात, झरना पानी झरना	जल प्रपात	घुमर गोदरंग	गोदोर्रका,	घाघी झरना	अम्म ही
टाँगना	टंगइ, टांगना	वेड़तना	ओरातोर	वड़िहना	टांगना	टंगना
टँगा था	टंगाए रहिस	वेड़हसमथा	ओराउ रला	वड़िहना मता	टांगेरहिस	टंगचका रहचा
दफ्तर	ऑफिस	ऑफीस	–	ऑपिस	आपिस	अफिस
जीप	जीप, मोटर	जीप	जीप	जीप	मोटर	जीप
तैयार	तइयार	तियार	तियार	जोंग	तियार	सपड़रका
जल्दी–जल्दी	लकर–लकर,	उभय चांडे	झटके, झपके	सांडे–सांडे	हालू हालू	चांड़हे–चांड़हे
घंटा	घंटा	घंटा	घंटा	गंटंग	जुआर	घंटा
फेन	फेन, गाजा, झाग	फेन	फेन	पंका	झाग	बोट्टो
दूध की तरह	दूध कस,	पालदाले	गोरस असन	पाल लेहका	गोरस नियर	दुदही लेक्खा
धारा	धार	धारा	धार	पोंगना	धार	नइंर
शोर	सोर	लेंग	अंदल, कोलार	किर्रसांड	गुल	गूल
संगीत	गाना–बजना	पाटा	गीत–गोविन्द, संगीत	रूजूम	गीत	डण्डी
आनंद	मजा	खुशी	मंजा	गिर्रदा	मजा	रिझ
नन्ही–नन्ही	नान–नान	छुड़ला–छुड़ला	नानी–नानी	लाडो–लाडो, नूनी	नानकुन–नानकुन	सन्नी–सन्नी
मनोरम	सुग्घर	नला	मन के भावतो आसन	सोबय डिस्ले	मोहिन	बढ़िया
अस्त होना	बूड़ना	मुड़दना	बुड़तोर, बसतोर	मुंड़दना, अरोना	बुड़ना	पुतना
आज्ञा	हुकुम	आज्ञा	आग्यां	वेहना	हुकुम	हुकुम

पाठ–18 क्या है उसका नाम ?

पक्षी	चिरइ	पिट्टे	चड़इ	पिट्टे	चरई	ओड़ा
पिंजरा	पिंजरा	पिंजरा	पिञ्जरा	पिंजड़ा	खोदरी	पिंजरा
अक्षर	आखर	अक्षर	अक्छर	आचेर	आखर	अक्षर
निराला	नियारा,निराला	नलोटा	सब्ले भिन	एक्ट, गड़हेन	निराला	नन्नम
टाँगें	गोड़	काल्क	पॉय मन	काल्क	टंगरी	खेड्डे
गर्दन	टोंटा, घेंच	गुड़गा	टोडरा	टोडर्रा	ढ़ेटू	खेसेर
सुपा	सुपा	एत	सुपा	हेत	सूपा	केंतेर
कान	कान	केव	कान	कव	कान	खेबदा
चकरी	चकरी	चकरी	चकरी	चक्का	चकरी	चकरी

पाठ–19 साहसी बनो

प्रसिद्ध	परसिद्ध	दाखा	परसिद	नामजागी	नामी	नामजद्दी
शहर	सहर	शहार	सहर, नंगर	सहेर	नंगर	शहर
पुरानी	जुन्ना	पानता	जुना	पड़ाना	जुनहा	पच्चा
घाट	घाट	घाट	घाट	मट्टा	घटिया	घाट
बंदर	बेन्दरा	कोवे	बेन्दरा, माकड़	मूँज	बंदरा	बंदरा
निडर	निडर	वेरवा	निडर	बिन वर्रे	निडर	डिड़गर
सामान	समान	समान	जमक, जिनिस,	तिज बीडार,	जिनिस चीज	समान,आलो
छीनना	झटकना,	नँगाना उंदना	झिकतोर	ऊँदना	लुटना	बच्चना
बाजार	बजार	हाट	हाट	हाटुम	बजार	बाजार, हाट
कंधा	खाँध	ऐटा	खांद	हट्टा	खांद	खेसेर
झोला	झोरा	झोरा	झोला/झोरा	जोरा	झोरा	थईला
करीब	लक्ठा	साठ	लगे	हेरे	लिघे	हेद्दे
दृश्य	दिरिस	उड़ाना	नजर	हूड़ाना, ओहनह आयना	दिरिस	एथेरना
सज्जन	भले मनखे	नलोटोर	नंगत मनुक	सोराना	सियान	दौआलस
मुकाबला	मुकाबला	मुंडासुड़ा	हारा–जीता	लड़े मायना	मुकाबला	अपटा
सीख	सीख	सीख मायना	सिखया	कर्रिया	सीख	सिखाबअना
दुनिया	दुनिया	दुनिया	सँवसार	बूम, दुनिया	संसार	दुनिया